14 अक्टूबर 2025
मंगलवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

स्कूल स्थानांतरण के विरोध में सुरौंधा के मतदाताओं ने ठाना, नहीं करेंगे मतदान

2

बेंगलुरु हवाई अड्डे पर 50 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त

एजेंसी। बेंगलुरु

कर्नाटक में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) बंगलूरू जोनल यूनिट ने केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर 50 करोड़ रुपये की ड्रग्स के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक श्रीलंकाई नागरिक भी है। बरामद ड्रग्स में 45.4 किलोग्राम हाइड्रो गांजा और छह किलोग्राम साइलोसाइबिन मशरूम शामिल है। थाईलैंड से हाइड्रोपोनिक गांजा की तस्करी में शामिल ड्रग कार्टेल के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी। इस पर कार्रवाई करते हुए एनसीबी अधिकारियों ने कोलंबो से आने वाले दो यात्रियों को रोका और 31.4 किलोग्राम हाइड्रो गांजा और चार किलोग्राम साइलोसाइबिन मशरूम बरामद किया। पूछताछ के दौरान उनके श्रीलंकाई हैंडलर की पहचान हुई। उसे भी पकड़ लिया गया, जो बाद में 14 किलोग्राम हाइड्रो गांजा और दो किलोग्राम साइलोसाइबिन मशरूम लेकर आया था। एनसीबी के अनुसार, ड्रग्स को लगभग 250 खाद्य डिब्बों में सावधानीपूर्वक छिपाया गया था और वैक्यूम सील करके सील किया गया था।

त्रिपुरा में 16 करोड़ की नशीली टैबलेट्स जब्त

त्रिपुरा में पुलिस ने 16 करोड़ रुपये मूल्य की 16 किलोग्राम मेथाम्फेटामाइन्स टैबलेट्स के साथ एक महिला, लिपियारा खातून, को गिरफ्तार किया है। बीएसएफ और एनसीबी ने खुफिया जानकारी के आधार पर बोक्सानगर में यह संयुक्त अभियान चलाया। बांग्लादेश से लगी सीमा के कारण त्रिपुरा में बड़े पैमाने पर ड्रग तस्करी होती है, जिसके खिलाफ सुरक्षा बल लगातार सक्रिय हैं। ठैथ के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, महिला के पास 16 किलोग्राम मेथाम्फेटामाइन्स टैबलेट्स (लगभग 1,60,000 टैबलेट) मिली हैं। सीमा सुरक्षा बल और नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यूरो ने खुफिया सूचना के आधार पर साझा ऑपरेशन चलाया। इसके तहत महिला को सीमावर्ती इलाके बोक्सानगर से हिरासत में लिया गया है।

ड्रग्स के 16 पैकेट मिले

आरोपी महिला की पहचान 33 वर्षीय लिपियारा खातून के रूप में हुई है। वो मध्य बोक्सानगर की रहने वाली है और बड़े स्तर पर ड्रग्स का कारोबार करती है। लिपियारा के पास 16 मेथाम्फेटामाइन्स ड्रग्स के पैकेट मिले हैं, जिन्हें भूरे रंग के टेप से ढका गया था। मेथाम्फेटामाइन्स को स्थानीय भाषा में याबा टैबलेट्स भी कहा जाता है, जो एक तरह का स्ट्रांग ड्रग्स है। आरोपी महिला की पहचान 33 वर्षीय लिपियारा खातून के रूप में हुई है। वो मध्य बोक्सानगर की रहने वाली है और बड़े स्तर पर ड्रग्स का कारोबार करती है। लिपियारा के पास 16 मेथाम्फेटामाइन्स ड्रग्स के पैकेट मिले हैं, जिन्हें भूरे रंग के टेप से ढका गया था। मेथाम्फेटामाइन्स को स्थानीय भाषा में याबा टैबलेट्स भी कहा जाता है, जो एक तरह का स्ट्रांग ड्रग्स है।

लोजपा के 29 उम्मीदवारों के नाम लगभग तय

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर एनडीए में सीट बंटवारे के बाद अब उम्मीदवारों के नामों की चर्चा जोरों पर है. केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को इस बार 29 सीटें मिली हैं. सोमवार को जहां एनडीए की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस होनी थी, वहीं आखिरी पल में उसे टाल दिया गया. इसके पीछे कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया, लेकिन सियासी गलियारों में अटकलें तेज हैं. फिलहाल लोजपा की जिन सीटों पर उम्मीदवारों के नाम लगभग तय माने जा रहे हैं, उनमें कई चर्चित चेहरे शामिल हैं। मढ़ौरा अयूब खान के बेटे सैफ अली खानख ब्रह्मपुर पूर्व विधायक सुनील पांडेय के भाई हुलास पांडेय, साहेबपुर कमाल सुरेंद्र विवेक,लालगंजरू रमा सिंह या उनकी बेटी श्वेता सिंह, मोरवाः अभय सिंह, सिमरी बख्तियारपुररू संजय सिंह, राजापाकड़ः मृणाल पासवान के बेटे, गाय घाटरू सांसद वीणा देवी की बेटी कोमल, दानापुरः लालू यादव के साले सुभाष यादव के बेटे रणधीर यादव, फतुहा रामकृपाल यादव के बेटे अभिमन्यु यादव, संजय पासवान, अरवलः सुनील यादव, मखदुमपुररू रानी चैधरी, अगिआंवरू ज्योति देवी, हायाघाटः शाहनवाज अहमद कैफी, राजगीरः परशुराम पासवान, हिलसाः रंजीत डॉन की पत्नी कुमारी दीपिका, एकमाः कमेश्वर सिंह उर्फ मुन्ना, ओबरा से प्रकाश चंद्र, गयाः श्याम देव पासवान, कदवारू विभूति पासवान, बलरामपुररू संगीता कुमारी, सोनबरसारू रीना पासवान, हिसुआरू धीरेंद्र मुन्ना, कसबाः शंकर झा बाबा, सुगौली। बताया जा रहा है कि चिराग पासवान ने उम्मीदवारों के चयन में जातीय संतुलन और युवा चेहरे को प्राथमिकता दी है. वहीं एनडीए में बीजेपी और जेडीयू 101-101 सीटों पर, हम और रालोमो 6-6 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं।

तेजस्वी मंगलवार को करेंगे सीट शेयरिंग की आधिकारिक घोषणा

महागठबंधन में खत्म हुआ सीट बंटवारे का सस्पेंस, जल्द की जाएगी घोषणा

एजेंसी। नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए ने सीट बंटवारा कर लिया है। इस बीच महागठबंधन (इंडिया गठबंधन) की सीट शेयरिंग को भी लेकर सस्पेंस खत्म हो गया है। सूत्रों का कहना है कि, राजधानी दिल्ली में दो दिन चली बैठकों के दौर के बाद सीटों का बंटवारा फाइनल हो गया है। रविवार रात को दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की बैठक हुई। इसके बाद दूसरे दौर की बैठक सोमवार को छत्तीसगढ़ की राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम के घर हुई। इस बैठक में राजद की तरफ से तेजस्वी यादव, सांसद संजय यादव और मनोज झा शामिल हुए। जबकि कांग्रेस की तरफ से संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, बिहार कांग्रेस के

अध्यक्ष राजेश राम, सीएलपी शकील अहमद मौजूद रहे। सोमवार रात को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात के बाद तेजस्वी यादव अपने परिवार के साथ पटना के लिए रवाना होंगे। इसके बाद वे अपने निवास पर पार्टी नेताओं के साथ बैठक करेंगे। फिर तेजस्वी मंगलवार शाम तक महागठबंधन के अन्य घटक दलों के नेताओं के साथ मिलकर सीट शेयरिंग की आधिकारिक घोषणा करेंगे। गठबंधन सूत्रों के मुताबिक, दो दिनों की बैठक में सभी दलों के बीच सीटों पर सहमति बन चुकी है, बस औपचारिक एलान बाकी है। उम्मीदवारों के नामों पर भी चर्चा लगभग पूरी हो चुकी है। इस बीच वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी को भी दिल्ली बुलाया गया है। सूत्रों की माने तो मुकेश सहनी को राजद ने 18 सीट का ऑफर दिया है। इन 18 सीटों में से राजद ने 10 अपने उम्मीदवार बनाने की शर्त रखी है। यानी 8 उम्मीदवार मुकेश सहनी के होंगे और 10 उम्मीदवार राजद के होंगे, जो वीआईपी के सिंबल पर चुनाव लड़ेंगे। बताया जा रहा है कि राजद ने साहनी को साफ कर दिया है, अगर चुनाव लड़ना है तो इसी शर्त पर लड़ना होगा।

लेफ्ट ने उम्मीदवारों को सिंबल देना किया शुरू

दूसरी तरफ सीट शेयरिंग से पहले लेफ्ट ने सीटों पर उम्मीदवारों को सिंबल देना शुरू कर दिया है। घोसी से रामबली यादव, तरारी से मदन सिंह चंद्रवंशी और पटना के दीघा से दिव्या गौतम, अगिआंव से शिव प्रकाश रंजन, आरा से क्यामुद्दीन अंसारी को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, राजद ने भी नामांकन शुरू करने के लिए उम्मीदवारों को निर्देश दिया है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पांडेय ने बिहार की सत्ता से एनडीए को हटाने के लिए आरजेडी और कांग्रेस से त्याग की भावना दिखाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण के बिहार विधानसभा चुनाव का नामांकन शुरू हो गया है, लेकिन महागठबंधन में अभी तक सीटों का बंटवारा नहीं हुआ है। इससे महागठबंधन के कार्यकताओं में मायूसी छाई है।राजद कार्यालय से पहले चरण के तहत उम्मीदवारों को जल्द से जल्द नामांकन के लिए कहा गया है। राजद ने उन सीटों पर नामांकन की तैयारी की है, जहां समझौते पर कोई विवाद नहीं है। राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहना है कि, सीट शेयरिंग को लेकर कोई पेंच नहीं है। 1–2 दिन में घोषणा कर दी जाएगी

वोट चोरी के आरोपों की नहीं होगी एसआईटी जांच : एससी

एजेंसी। नई दिल्ली

देश की सर्वोच्च अदालत (सुप्रीम कोर्ट) ने सोमवार को बेंगलुरु सेंट्रल और अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोपों की जांच के लिए एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में एसआईटी जांच की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह अपनी याचिका भारतीय निर्वाचन आयोग के समक्ष प्रस्तुत करें। पीठ ने आदेश देते हुए कहा कि हमने याचिकाकर्ता के वकील की बात सुनी है और हम इस याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं, जो कथित तौर पर जनहित में दायर की गई है। याचिकाकर्ता को हम सलाह देते हैं कि वे चुनाव आयोग के समक्ष अपनी याचिका प्रस्तुत कर सकते हैं। याचिकाकर्ता के वकील रोहित पांडे, जो पेशे से वकील हैं, ने कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग के समक्ष अपना अभिवेदन पहले ही दाखिल कर दिया है, लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया गया है। याचिकाकर्ता ने चुनाव आयोग द्वारा याचिका पर निर्णय लेने के लिए एक समय सीमा निर्धारित करने का अनुरोध किया, जिसे पीठ ने अस्वीकार कर दिया। याचिका में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का हवाला दिया गया है, जिसमें उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से चुनावों में ष्बड़े पैमाने पर धोखाधड़ीष होने का विस्फोटक दावा किया था और इसे वोट चोरी करार दिया था। उन्होंने कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची के विश्लेषण का हवाला दिया था। याचिका में सर्वोच्च न्यायालय से यह निर्देश देने की भी मांग की गई है कि अदालत के निर्देशों का पालन होने और मतदाता सूचियों का स्वतंत्र ऑडिट पूरा होने तक मतदाता सूचियों में कोई और संशोधन या अंतिम रूप न दिया जाए।

मंगोलियाई राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना पहुंचे दिल्ली, मोदी संग करेंगे द्विपक्षीय वार्ता

एजेंसी। नई दिल्ली

मंगोलियाई राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना सोमवार को चार दिवसीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे। वे मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलेंगे और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि एयरपोर्ट पर आगमन पर नागरिक उड्डयन और सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने उनका स्वागत किया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शाम को राष्ट्रपति उखना से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने कहा कि कल प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बातचीत हमारी दोस्ती के अगले दशक के लिए दूरदर्शी दिशा तय करेगी। मंगोलियाई राष्ट्रपति हैदराबाद हाउस में पीएम मोदी के साथ बातचीत करेंगे। बैठक से पहले सुबह राष्ट्रपति उखना राजघाट स्थित महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। जयशंकर ने एक्स पर लिखा, मंगोलिया के राष्ट्रपति की भारत की यात्रा के दौरान उनसे मुलाकात करना सम्मान की बात है। आध्यात्मिक पड़ोसियों और वैश्विक दक्षिण के सदस्यों के रूप में हमारी रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के उनके गर्मजोशी भरे विचारों की सराहना करता हूं।

अदालतों और बार संघों में महिला वकीलों को मिले पेशेवर चेंबर

आरक्षण से नहीं, योग्यता से न्यायिक सेवाओं में आ रहीं हैं महिलाएं

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि न्यायिक सेवाओं में शामिल होने वाली लगभग 60 फीसदी न्यायिक अधिकारी महिलाएं हैं। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि महिलाएं यह उपलब्धि आरक्षण के कारण नहीं, बल्कि अपनी योग्यता (मेरिट) के दम पर हासिल कर रही हैं।जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने केंद्र सरकार, बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई), सुप्रीम कोर्ट के सचिव और अन्य पक्षों को नोटिस जारी किया है। एक याचिका पर यह नोटिस दिया

गया है। इसमें देशभर की अदालतों और बार संघों में महिला वकीलों को पेशेवर चैम्बर (केबिन) आवंटित करने के लिए एक समान और लैंगिक संवेदनशील नीति बनाने की बात की गई है। याचिका में महिला वकीलों के लिए चैम्बर आवंटन में आरक्षण की मांग की गई थी। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने सवाल उठाते हुए कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से चैम्बर प्रणाली के खिलाफ हैं। उनके मुताबिक, इसके बजाय एक क्यूबिकल प्रणाली (वकीलों या कर्मचारियों को खुले हॉल में डेस्क में काम करने की जगह) और साथ बैठने की व्यवस्था होनी चाहिए, जहां वकील मिलकर काम कर सकें। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, हमने कई मंचों पर यह बात कही है और इस पर ध्यान भी दिलाया है कि न्यायिक सेवाओं में महिलाएं बड़ी संख्या में आ रही हैं। लगभग 60 फीसदी महिलाएं मेरिट के आधार पर सेवाओं में प्रवेश कर रही हैं, न कि आरक्षण के कारण। ऐसे में मुझे यह थोड़ा विरोधाभासी लगता है कि जब महिलाएं योग्यता से सब कुछ हासिल कर सकती हैं, तो वे किसी विशेष सुविधा की मांग क्यों कर रही हैं? बेंच ने कहा कि अगर कोर्ट महिला वकीलों की चैम्बर में प्राथमिकता की मांग पर विचार करती है, तो फिर किसी और दिन शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के लिए भी यही मांग आ सकती है।

सीट बंटवारा नहीं होने से बढ़ी प्रत्याशियों की मुश्किलें, समर्थकों में भी उहापोह

- क्षेत्र छोड़ पटना-दिल्ली का चक्कर लगा रहे है संभावित प्रत्याशी
- विलंब से अधिसूचना जारी होने व सीट बंटवारे पर पेंच से प्रत्याशियों को उठाना पड़ सकता है नुकसान

केटी न्यूज/बक्सर

आसन्न विधानसभा चुनाव की तिथियां नजदीक आ गई है। नामांकन फार्म भरने की अंतिम तिथि भी अब मात्र कुछ दिन शेष बची है, बावजूद दोनों प्रमुख गठबंधनों एनडीए व महागठबंधन अभी तक अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं कर सका है। जबकि बक्सर जिले के चारों विधानसभा क्षेत्र में इस बार प्रथम चरण के तहत छह नवंबर को ही मतदान होना है। सोमवार की शाम तक एनडीए व महागठबंधन द्वारा किसी भी सीट से अधिकारिक तौर से अपने प्रत्याशी की घोषणा नहीं करने तथा सिंबल नहीं दिए जाने से प्रत्याशियों की मुश्किलें बढ़ गई है। आलम यह है कि चुनाव के ऐन टाइम प्रत्याशी अपना क्षेत्र भ्रमण छोड़ टिकट की आस में पटना-दिल्ली की दौड़ लगा रहे हैं। अभी तक मिली जानकारी के अनुसार एनडीए ने ब्रह्मपुर सीट से लोजपा (आर) के रामविलास को अपना उमीदवार बनाया है, जबकि बक्सर, डुमरांव व राजपुर सुरक्षित विस क्षेत्र में प्रत्याशियों की घोषणा नहीं हो सकी है। यही हाल महागठबंधन का भी है। हालांकि, अभी जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रो पर महागठबंधन का ही कब्जा रहा है। वहीं, माना जा रहा है कि महागठबंधन बक्सर में अपने सीटिंग कैंडिडेट पर ही भरोसा जताएगा, बावजूद अभी तक प्रत्याशियों की अधिकारिक घोषणा नहीं होने से उनकी चिंताएं बढ़ गई है। एनडीए खेमे में भी प्रत्याशियों की घोषणा नहीं होने से संभावित प्रत्याशियों व उनके समर्थकों की चिंता बढ़ गई है। जबकि इन दोनों प्रमुख गठबंधनों के अलावे कई अन्य दलों ने भी अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है, जिससे मतदाताओं में भी अभी तक चुनावी खुमार नहीं चढ़ पाया है। बता दें कि जिले के डुमरांव सीट से जनसुराज, ब्रह्मपुर सीट से लोजपा (आर) तथा बक्सर व राजपुर सीट से बसपा ने अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है, जबकि आदर्श आचार संहिता लागू होने के पहले ही राजपुर सुरक्षित सीट से पूर्व प्रत्याशी संतोष निराला की घोषणा खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कर चुके है। इसके बाद के सीटो पर पार्टियो द्वारा अभी तक औपचारिक रूप से प्रत्याशी की घोषणा नहीं किया गया है। चुनाव नजदीक आने के बावजूद प्रत्याशियों की घोषणा में हो रही विलंब से संभावित प्रत्याशियों की बेचैनी बढ़ी हुई है। जबकि राजनीतिक समीक्षकों की माने तो टिकट मिलने में विलंब होने का खामियाजा प्रत्याशियों को भुगतना पड़ सकता है। जानकारों का कहना है कि विधानसभा क्षेत्र काफी बड़ा होता है तथा अब दिन भी पहले की अपेक्षा छोटा होने लगा है, ऐसे में चार नवंबर तक प्रत्याशियों के लिए अपने क्षेत्र का भ्रमण व जनता से मिलना काफी चुनौतीभरा होगा, जबकि बीच में दीपावली व छठ जैसे बड़े त्योहार भी है। अब देखना है कि पार्टियों द्वारा टिकट बंटवारे में किए जा रहे विलंब का प्रत्याशियों पर क्या असर पड़ रहा है।

तीन किलोमीटर पैदल चलकर जाना पड़ रहा स्कूल, अभिभाव छोटे बच्चों को नही भेज रहे स्कूल

स्कूल स्थानांतरण के विरोध में सुरौंधा के मतदाताओं ने ठाना, नहीं करेंगे मतदान

- 300 बच्चे नामांकित हैं सुरौंधा प्राथमिक सकूल में, शिक्षा विभाग के फैसले से ग्रामीणों में उबाल

केटी न्यूज/डुमरांव

जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव का समय नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे राजनीतिक सरगर्मियां तेज होती जा रही हैं। एक ओर जहां विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता जनता के बीच पहुंचकर अपने-अपने प्रत्याशियों के लिए समर्थन जुटा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण इलाकों में मतदाता विकास कार्यों को लेकर अपनी नाराजगी भी खुलकर जाहिर करने लगे हैं। इसी क्रम में डुमरांव प्रखंड के सुरौंधा गांव के ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग के एक फैसले के खिलाफ बड़ा कदम उठाते हुए मतदान न करने का निर्णय लिया है। गांव के लोगों का आरोप है कि विभाग द्वारा उनके गांव के प्राथमिक विद्यालय का स्थानांतरण सुरौंधा से हटाकर मध्य विद्यालय बन्हेजीडेरा में कर दिया गया है, जो करीब तीन किलोमीटर दूर स्थित है। इस फैसले से ग्रामीणों में गहरा असंतोष है। उन्होंने गांव में बैनर-पोस्टर लगाकर मतदान बहिष्कार का आह्वान किया है। ग्रामीणों का कहना है कि जब सरकार ही उनके बच्चों की शिक्षा से खिलवाड़ करेगी, तो वे वोट क्यों दें।

तीन किलोमीटर पैदल चलकर छोटे बच्चे कैसे जाएं स्कूल

इस संबंध में ग्रामीण चंद्रिका यादव, धनु कुमार राय, रामप्रवेश प्रजापति, अनिल तिवारी, राजेश राम, धीरज गोंड, बलेस राम और उमेश यादव सहित कई लोगों ने कहा कि प्राथमिक विद्यालय का स्थानांतरण बच्चों के भविष्य पर कुठाराघात है। उनका कहना है कि छोटे बच्चे तीन किलोमीटर दूर स्थित विद्यालय तक रोज पैदल नहीं जा सकते। इससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होगी और अभिभावकों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ेगी। ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग के निर्णय को बेतुका और असंवेदनशील बताते हुए कहा कि विभाग को पहले यह देखना चाहिए था कि सुरौंधा प्राथमिक विद्यालय में कितने बच्चे पढ़ रहे हैं और उनकी सुविधा के लिए कौन-कौन से विकल्प मौजूद हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर विभाग ने अपना फैसला वापस नहीं लिया, तो वे आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान से पूरी तरह दूरी बना लेंगे।

शिक्षा विभाग और प्रशासन की चुप्पी पर नाराजगी

ग्रामीणों का कहना है कि वे इस मुद्दे को लेकर कई बार शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों से मिल चुके हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इससे लोगों में आक्रोश और बढ़ गया है। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक विभाग गांव के स्कूल को वापस सुरौंधा में बहाल नहीं करता, तब तक उनका मतदान बहिष्कार जारी रहेगा। ग्रामीण नेता भंवर कुमार राय ने कहा कि यह केवल सुरौंधा गांव का मामला नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की समस्या है। शिक्षा विभाग के इस कदम से आसपास के कई गांवों के बच्चे प्रभावित होंगे।

महिलाओं और युवाओं में भी उबाल

गांव की महिलाओं और युवाओं में भी विभाग के इस निर्णय को लेकर गुस्सा देखा जा रहा है। उनका कहना है कि बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा दोनों पर संकट है। महिलाएं कहती हैं कि छोटे-छोटे बच्चों को इतनी दूर भेजना असंभव है। वहीं युवाओं का कहना है कि जब तक गांव में शिक्षा की मूलभूत सुविधा नहीं दी जाएगी, तब तक विकास की बात करना बेमानी है। ग्रामीणों ने चुनाव आयोग से भी मांग की है कि इस गंभीर मुद्दे पर शिक्षा विभाग को जवाबदेह ठहराया जाए। उनका कहना है कि जब सरकार ह्लसबका साथ, सबका विकास का नारा देती है, तो ऐसे फैसले इस नारे को खोखला बना देते हैं।

वोट तभी जब बच्चों को शिक्षा का अधिकार मिले

सुरौंधा गांव के लोगों ने साफ कहा है कि जब तक उनका स्कूल वापस गांव में स्थापित नहीं किया जाता, वे वोट नहीं देंगे। उन्होंने इसे अपने बच्चों के भविष्य की लड़ाई बताया है। ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव के दौरान नेता चाहे जितने वादे करें, अगर बच्चों की शिक्षा से समझौता किया गया तो वे किसी भी कीमत पर मतदान नहीं करेंगे। गांव के कोने-कोने में लगे पोस्टर अब यही संदेश दे रहे हैं कि स्कूल दो, तभी वोट लो।

ग्रामीणों की मांगो पर विचार किया जाएगा, मतदान बहिष्कार करने का जो निर्णय मतदाताओं ने लिया है, उसे वापस ले लिया जाए। मतदान से ही हमारा लोकतंत्र मजबूत होता है। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वे मतदान करें। जल्दी ही ग्रामीणों की समस्या का समाधान कर उन्हें मतदान के लिए प्रेरित किया जाएगा।

संदीप कुमार पांडेय,
बीडीओ, डुमरांव

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

डीएम ने किया प्रशिक्षण कार्य का निरीक्षण

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की तैयारियों के क्रम में सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह एवं उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी ने बक्सर स्थित नेहरू स्मारक उच्च विद्यालय प्रशिक्षण केंद्र का प्रशासनिक निरीक्षण किया गया। इस केंद्र पर द्वितीय एवं तृतीय मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जा रहा है । निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण की समग्र व्यवस्था, उपस्थिति, अनुशासन, सामग्री वितरण एवं प्रशिक्षण की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया। साथ ही प्रशिक्षण प्रक्रिया में प्रयुक्त ईवीएम, वीवीपैट, कंट्रोल यूनिट एवं बैलेट यूनिट के प्रदर्शन एवं संचालन से संबंधित पहलुओं की समीक्षा की गई। प्रशिक्षण में संलग्न मास्टर ट्रेनरों को निर्देश दिया कि सभी मतदान कर्मियों को निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित प्रत्येक चरण की स्पष्ट एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की जाए। मतदान दिवस पर किसी प्रकार की तकनीकी अथवा प्रक्रियागत त्रुटि की संभावना नहीं रहनी चाहिए।

निरीक्षण के दौरान संबंधित कोषांगों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि प्रशिक्षण केंद्रों पर सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं, उपयुक्त हो, तथा इसमें किसी तरह की कमी न रह जाए। इस दौरान द्वितीय एवं तृतीय मतदान कर्मियों (च2/च3) के प्रशिक्षण सत्र की समीक्षा की गई।

पीपराढ़ सूर्य मंदिर के पास ट्रैक्टर-टेलर से पुलिस ने बरामद किया अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप

- गुप्त सूचना पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

केटी न्यूज/नावानगर

सोनवर्षा थाना के पुलिस को रविवार की देर शाम बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना पर पुलिस ने अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पीपराढ़ सूर्य मंदिर के पास की गई, जहां पुलिस ने एक महिंद्रा ट्रैक्टर और टेलर से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जब्त शराब ऑफिसर च्वाइस ब्रांड की है, जिसकी कुल मात्रा 895 लीटर 180 एमएल की बताई गई है। यह शराब 84 पेटी में 850 पीस खुले बोतल सहित पाई गई। बताया गया कि एक पेटी में 45 पीस बोतल होती है। इस अवैध शराब को आरा की ओर ले जाया जा रहा था, तभी पुलिस ने उक्त स्थान पर पहुंचकर वाहन को रोक लिया।गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान चौगाई प्रखंड के दंगौली निवासी उमेश कुमार के रूप में की गई है। वह ट्रैक्टर का चालक बताया जाता है। पूछताछ में उमेश कुमार ने स्वीकार किया कि शराब को किसी ठिकाने पर पहुंचाने के लिए हाईवे 319 के माध्यम आरा की ओर ले जा रहे थे। पुलिस को यह सफलता थानाध्यक्ष संतोष कुमार के नेतृत्व में गठित टीम को गुप्त सूचना मिलने के बाद मिली। सूचना थी कि ट्रैक्टर-टेलर पर अवैध शराब की बड़ी खेप लाई जा रही है। इसके बाद पुलिस टीम ने नाकेबंदी कर वाहन को रोका और तलाशी के दौरान शराब बरामद की गई। थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि गिरफ्तार चालक के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई इलाके में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की एक बड़ी सफलता है।

पुलिस ने चलाया सघन वाहन जांच अभियान चापहिया वाहनों के शीशे से हटाए ब्लैक फिल्म

- डुमरांव पुलिस की सख्ती से वाहन चालकों की बढ़ी मुश्किल, वसूले 20 हजार रूपए जुर्माना

केटी न्यूज/डुमरांव

आदर्श आचार संहिता लागू होते ही डुमरांव पुलिस ऐक्शन मोड में आ गई है। सोमवार को भी स्थानीय पुलिस सड़क पर उतर घंटो वाहन जांच अभियान चलाई। इस दौरान बिना वैध कागजात व हेलमेट के बाइक चलाने वाले चालकों से जुमार्ना वसूला गया, जबकि कई चारपहिया वाहनों के शीशे में लगे ब्लैक फिल्म को पुलिस ने अपने हाथों हटा उन्हें दुबारा ब्लैक फिल्म नहीं लगाने का निर्देश दिया। डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा व एसआई प्रियंका कुमारी के नेतृत्व में चलाए गए इस वाहन चेकिंग अभियान के दौरान चार पहिया वाहनों, टेम्पो तथा बाइक के डिग्गी आदि की सघन तलाशी भी ली जा रही थी, ताकि कोई मादक पदार्थ, शराब या नोटों का बंडल की ढुलाई नहीं कर सके। थानाध्यक्ष ने बताया कि विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराना पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी के तहत हर दिन सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोमवार को 20 हजार रूपए जुमार्ना वसूला गया है, जबकि कई चार पहिया वाहनों के शीशे के ब्लैक फिल्म हटा चालकों को परिवहन नियम का पालन करने की नसीहत दी गई है। इदूसरी तरफ पुलिस की इस कार्रवाई से डुमरांव में वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ गई है। खासकर वैसे बाइक चालक जो नाबालिग है या फिर बिना हेलमेट या बिना कागजात के वाहन चलाते है। पुलिस के अभियान के दौरान कई रास्ता बदल भागते दिखाई पड़े। थानाध्यक्ष ने कहा कि पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

डिजीटल संचार व एआई से रूबरू हुए एनसीसी कैडेट्स

- डीके कॉलेज में संचालित हो रहे एनसीसी कैंप के चौथे दिन कैडेट्स को दी गई कई अहम जानकारियां
- कैंप में अनुशासन व साइबर सुरक्षा पर दी गई विशेष जानकारी

केटी न्यूज/बक्सर

स्थानीय डीके कॉलेज में संचालित हो रहे एनसीसी के 18वे वार्षिक कैंप के चौथे दिन प्रशिक्षु कैडेट्स को डिजीटल संचार, ड्रोन व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी कई अहम जानकारियां दी गई।

एनसीसी के 30 बिहार बटालियन बक्सर के कमांडेंट कर्नल रितेश रंजन के नेतृत्व में आयोजित इस 18वे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण ले रहे कैडेट्स जोश एवं उत्साह से भरपूर दिखे।

सोमवार को उन्हें बताया गया कि भावी जीवन में ड्रोन का प्रयोग लगभग प्रत्येक क्षेत्र में होने की संभावना है, कैडेट्स को ड्रोन संचालन की तकनीकी जानकारी के अलावे संचार और नवीनतम रुझानों का परिचय शीर्षक पर आज के संदर्भ में इसके महत्व को बताया गया। नवीनतम रुझानों में डिजिटल संचार विडियो संचार एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में कैडेट्स को अवगत कराया गया। इसके अलावे सामान्य चिकित्सा,

आपात स्थिति और घावों का उपचार घरेलू स्तर पर कैसे किया जा सकता है, इसके नुस्खे को भी बताया गया साथ ही साथ प्रसिद्ध जेनरलों के जीवनी पर भी प्रकाश डाला गया। सैमूलेटर फायरिंग की प्रशिक्षण पाकर कैडेट्स अत्यधिक उत्साहित दिखें। एनआईईएलआईटी बक्सर द्वारा साइबर सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण का भी आयोजन हुआ। जिसके केन्द्र प्रभारी जितेन्द्र कुमार सिंह रहे। संसाधन व्यक्तियों में सुधांशु कुमार श्रीवास्तव, सीरम कुमार एवं नीरज कुमार ने ऑनलाईन सुरक्षा पासवर्ड प्रोटेक्शन, सोशल मीडिया सावधानियां, फिशिंग से बचाव एवं साइबर अपराधों की रोकथाम जैसे विषयों पर उपयोगी जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में डिजिटल सुरक्षा और जिम्मेदार साइबर व्यवहार के प्रति जागरूकता फैलाना था। प्रशिक्षकों ने कहा कि अनुशासन और साइबर सुरक्षा दोनों एक सच्चे कैडेट की पहचान है।

इस शिविर में 30 बिहार बटालियन एनसीसी बक्सर के पीआई सुबेदार मेजर दुबराज साहु, सुबेदार मुकेश कुमार सुबेदार अरविंद कुमार, नायक सुबेदार सीएस सिंह, नायक सुबेदार वरूण कुमार, बीएचएम राहुल कुमार सिंह, सीएचएम नितिश कुमार, सी.एच एम नवीन कुमार, सीएचएम सुमन सौरभ, नायक विजयानन्द, सीएफएन आलोक कुमार एवं एएनओ डॉ. अरबाब खान, डॉ. योगर्षि राजपूत डॉ. अमृता सिंह, डॉ. संजय रंजन सिन्हा, अभयानंद प्रजापति, सिविल स्टाफ नरेश प्रसाद, कौशलेन्द्र कुमार, चंदन कुमार, संजय कुमार, इंद्रजीत कुमार, आदित्य कुमार, सिद्धार्थ शंकर आदि सराहनीय भूमिका निभा रहे है।

78 बी रेलगेट पर ट्रक धंसा, 10 घंटे तक ठप रहा चौसा-कोचस मार्ग

वैकल्पिक सड़क की बदहाली से बढ़ा संकट, ओवरब्रिज निर्माण एजेंसी पर उठे सवाल

केटी न्यूज/चौसा

चौसा-कोचस मुख्य मार्ग पर बन रहे 78 बी रेलगेट ओवरब्रिज के पास बीती रात हुई एक दुर्घटना ने पूरे इलाके की रफ्तार थाम दी। वैकल्पिक सड़क पर धंसे एक ट्रक ने आवागमन पूरी तरह रोक दिया, जिससे चौसा से कोचस तक करीब दस किलोमीटर लंबा जाम लग गया। रात भर फंसे सैकड़ों वाहन चालकों और यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। लगभग दस घंटे की मशक्कत के बाद सोमवार सुबह प्रशासन व निर्माण एजेंसी की मदद से यातायात बहाल किया जा सका।

सूत्रों के मुताबिक, यह घटना रविवार की आधी रात करीब 12 बजे की है। बक्सर की ओर से आ रही एक ट्रक जैसे ही ओवरब्रिज के समीप बनी वैकल्पिक कच्ची सड़क पर पहुंची, अचानक मिट्टी धंस गई और ट्रक का पिछला हिस्सा सड़क में फंस गया। देखते ही देखते सड़क पूरी तरह अवरुद्ध हो गई। रात में तो हालात नियंत्रित रहे, लेकिन भोर होते ही दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं।

सुबह आठ बजे तक जाम की स्थिति गंभीर हो गई। चौसा से लेकर कोचस की दिशा में भारी वाहनों की लाइन करीब दस किलोमीटर तक फैल गई। ऑटो, बस, बाइक और यहां तक कि एंबुलेंस तक फंस गईं। राहगीरों और यात्रियों के बीच हताशा का माहौल देखने को मिला।

स्कूल बसें फंसीं, बच्चों को लौटाया गया

सोमवार सुबह जब लोग दफ्तर और बच्चे स्कूल के लिए निकले, तब तक सड़क पूरी तरह जाम थी। कई स्कूल बसें घंटों फंसी रहीं। परेशान अभिभावक मौके पर पहुंचे और स्कूल प्रशासन ने बच्चों को घर वापस भेजने का निर्णय लिया। कई बच्चे बसों में ही बैठे रहे जबकि कुछ को स्थानीय लोगों ने पानी और नाश्ता उपलब्ध कराया।

प्रशासन ने मंगाई भारी क्रेन, तब खुला रास्ता

जाम की सूचना मिलते ही चौसा थानाध्यक्ष और मुफस्सिल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। राहत कार्य में जुटी टीमों ने निर्माण एजेंसी के कर्मचारियों के साथ मिलकर बड़ी क्रेन मंगवाई। कई घंटे के प्रयास के बाद सुबह करीब दस बजे ट्रक को बाहर निकाला गया। इसके बाद सड़क को समतल कर अस्थायी रूप से आवागमन शुरू कराया गया।

हालांकि, सड़क पर अब भी कीचड़ और गड्ढों के कारण स्थिति सामान्य नहीं कही जा सकती। पुलिस ने एहतियातन कुछ देर तक बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई ताकि जाम दोबारा न लगे।

स्थानीय लोगों ने ओवरब्रिज निर्माण एजेंसी पर उठाए सवाल

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने ओवरब्रिज निर्माण एजेंसी पर लापरवाही का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि वैकल्पिक सड़क को मजबूत बनाने के लिए ईंट के टुकड़े, गिट्टी और मिट्टी का उचित मिश्रण नहीं कराया गया। बारिश और लगातार वाहनों के दबाव से सड़क कमजोर पड़ चुकी थी, जिसे नजरअंदाज किया गया। स्थानीय दुकानदार अशोक सिंह ने बताया कि हर दूसरे दिन कोई न कोई गाड़ी यहां फंस जाती है। एजेंसी को चेतावनी देने के बाद भी कोई सुधार नहीं हुआ। वहीं, समाजसेवी मुकेश पांडेय ने कहा कि ओवरब्रिज निर्माण के नाम पर लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है। प्रशासन को सुरक्षा मानकों की जांच करनी चाहिए।

प्रशासन ने ली जानकारी, सुधार का आश्वासन

सूचना पर पहुंचे अधिकारियों ने हालात का जायजा लिया और निर्माण एजेंसी को सड़क दुरुस्ती का निर्देश दिया। प्रशासनिक सूत्रों ने बताया कि वैकल्पिक मार्ग की मजबूती और जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि जब तक ओवरब्रिज निर्माण पूरा न हो जाए, तब तक वैकल्पिक सड़क की नियमित मरम्मत और निगरानी की जाए। फिलहाल, सड़क पर यातायात तो बहाल हो गया है, लेकिन लोगों के मन में सुरक्षा और लापरवाही को लेकर सवाल अब भी कायम हैं।

एक नजर

राजपुर में अचानक पलटी ईंट लदी ट्रैक्टर, बेटी के घर आया बुजुर्ग दबा, इलाज के दौरान मौत

राजपुर। राजपुर थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव स्थित दलित बस्ती में सोमवार की सुबह एक हादसे में बेटी के घर आए 65 वर्षीय एक वृद्ध की मौत हो गई। मृतक की पहचान रोहतास जिला के कोचस थाना के गंज भड़सरा गांव निवासी वशिष्ठ राम के रूप में हुई है। रविवार को ही वे राजपुर में अपने बेटी के घर आए थे। मिली जानकारी के अनुसार सुबह में वे अपने दामाद मनोज राम के साथ दरवाजे पर ही बैठ मुंह हाथ धो रहे थे। इसी दौरान एक किसी ने मकान निर्माण के लिए ईंट मंगवाया था। ईंट लदी ट्रैक्टर ट्राली मनोज राम के दरवाजे पर ही खाली हो रही थी। इसी दौरान अचानक टैक्टर का एक पहिया गड्ढे में चले जाने के कारण टैक्टर असंतुलित हो पलट गई, जिसमें वशिष्ठ दब गया। वहां, मौजूद लोगों ने हो हल्ला करते हुए तत्काल उन्हें ट्रैक्टर ट्राली के नीचे से बाहर निकाल इलाज के लिए राजपुर सीएचसी पहुंचाए, जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल बक्सर रेफर दिया, लेकिन सदर अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। सबसे खराब स्थिति मनोज राम की पत्नी की थी। उसके पिता की मौत उसके दरवाजे पर हो गई थी, इस बात का सदमा उसके मन में बैठ गया था। वहीं, पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था, जबकि घटना की जानकारी मिलते ही गंज भड़सरा से मृतक के स्वजन भी दौड़े भागे राजपुर पहुंचे। इधर दुर्घटना के बाद टैक्टर चालक व सह चालक फरार हो गए। पुलिस ने दुर्घटना को अंजाम देने वाली टैक्टर को अपनी अभिरक्षा में ले लिया है। इस घटना को लेकर पूर्व मुखिया सत्येंद्र नारायण सिंह, समाज सेवी वंश नारायण राम ने गहरी दुख संवेदना प्रकट करते हुए सरकार से उचित मुआवजा की मांग की है। राजपुर थानाध्यक्ष निवास कुमार ने बताया कि इस मामले में पीड़ित पक्ष के तरफ से लिखित आवेदन दिया गया है। उन्होंने ट्रैक्टर को जप्त कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

छठ घाटों की सफाई व सुरक्षा को लेकर नगर परिषद सक्रिय, ईओ व नप प्रबंधक ने किया निरीक्षण

डुमरांव। लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियों को लेकर डुमरांव नगर परिषद ने कमर कस ली है। छठ घाटों की सफाई, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। सोमवार को ईओ राहुलधर दूबे एवं सिटी मिशन मैनेजर स्तुति कुमारी ने शहर के प्रमुख घाटों का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान घाटों पर पाई गई कमियों को चिह्नित कर उसे दूर करने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि श्रद्धालुओं को घाटों पर आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए रास्तों की मरम्मत और प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है।नगर परिषद ने छठ पूजा को लेकर अपनी तैयारी शुरू कर दी है। सबसे पहले छठ घाटों का निरीक्षण ईओ राहुलधर दूबे और नगर प्रबंधक के साथ ईओ के द्वारा चयनित 18 घाटों का निरीक्षण किया गया। में सबसे प्रमुख महरौरा घाट, छठिया पोखरा घाट, जंगलीनाथ बाबा घाट, प्रखंड कार्यालय परिसर घाट, खिरौली घाट, सूरत राय के तलाब घाट, पुराना भोजपुर तलाब घाट, ट्रेनिंग स्कूल घाटो पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यहां महिलाओं के लिए अस्थायी चेंजिंग रूम बनाए जा रहे हैं ताकि पूजा के दौरान किसी तरह की असुविधा न हो। इसके अलावा, घाटों तक आने-जाने वाले मार्गों पर लाइट की पूर्ण व्यवस्था की जा रही है, जिससे श्रद्धालुओं को रात और भोर के समय भी किसी तरह की परेशानी न हो।

बैरेकेडिंग और सुरक्षा बलों की होगी तैनाती : नप अधिकारियों ने बताया कि खतरनाक घाटों पर विशेष बैरेकेडिंग की जाएगी ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित रूप से पूजा-अर्चना करने में सुविधा मिले। साथ ही, पुरुष और महिला श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए अलग-अलग मार्ग बनाए जाएंगे। नगर परिषद की ओर से बताया गया कि सभी घाटों पर सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ-साथ निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। घाटों पर वीडियोग्राफी होगी और इसकी मॉनिटरिंग की व्यवस्था की जाएगी, जिससे किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

घाटों की निगरानी के लिए मेडिकल टीम और माइकिंग व्यवस्था : अधिकारियों ने बताया कि घाटों पर मेडिकल टीम की तैनाती रहेगी, जो किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराएगी।

गोलंबर पर बेकाबू स्कूली बस ने मचाई तबाही, तीन वाहनों को टक्कर, सात घायल

केटी न्यूज/बक्सर

सोमवार को शहर के गोलंबर के पास एक बेकाबू स्कूली बस ने अचानक नियंत्रण खो दिया और एक के बाद एक तीन वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सात लोग घायल हो गए, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई और लोगों की चीख-पुकार से इलाका गूंज उठा। जानकारी के अनुसार, गोलंबर से प्रताप सागर तक पहले से ही बालू लदे ट्रकों की लंबी कतार के कारण भारी जाम लगा हुआ था। इसी दौरान कैंब्रिज स्कूल की खाली बस अचानक अनियंत्रित होकर सामने खड़ी कार, ऑटो और बाइक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का पिछला हिस्सा बुरी तरह पिचक गया और ऑटो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में सोहनी पट्टी

निवासी मनोज शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनके पैर की दो उंगलियां कटकर अलग हो गईं। वे अपने परिवार के साथ ई-रिक्शा से डुमरांव जा रहे थे और जाम में फंसे थे, तभी बस ने पीछे से टक्कर मार दी। अन्य घायलों में हरेंद्र सिंह (सुहांव ब्लॉक के कर्मचारी), गुड़िया देवी, एजाज अहमद, मनीषा सिंह, रौशन कुमार और पांच वर्षीय सुहानी कुमारी शामिल हैं।स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को किसी तरह बाहर निकालकर नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है और मामले की जांच में जुट गई है। चालक घटनास्थल से फरार बताया जा रहा है।

महागठबंधन ने डुमरांव से डॉ. अजीत कुमार सिंह को फिर बनाया प्रत्याशी, कार्यकर्ताओं में खुशी

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा सीट से निवर्तमान विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह को महागठबंधन ने एक बार फिर से अपना उम्मीदवार बनाया है। भाकपा-माले के बिहार राज्य सचिव कॉमरेड कुणाल ने डॉ. अजीत कुमार सिंह को पार्टी का चुनाव चिह्न सौंपते हुए उन्हें डुमरांव विधानसभा सीट से इंडिया महागठबंधन का आधिकारिक प्रत्याशी घोषित किया। इस मौके पर पार्टी कार्यकताओं और स्थानीय जनता में उत्साह देखा गया। डॉ. अजीत कुमार सिंह इससे पूर्व भी डुमरांव का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्हें एक बार फिर से मौका मिलना क्षेत्र की जनता के विश्वास और समर्थन का प्रमाण है। डॉ. सिंह ने इस अवसर पर कहा कि यह मेरे लिए न केवल सम्मान की बात है, बल्कि एक बार फिर जनसेवा के संकल्प को निभाने का अवसर भी है। मैं इस पुर्ननामांकन को डुमरांव की जागरूक, समर्थ और स्नेही जनता के प्रेम, विश्वास और आशीर्वाद का परिणाम मानता हूं। उन्होंने आगे कहा कि जनता के सहयोग, मार्गदर्शन और आशीर्वाद से डुमरांव को विकास, न्याय और समावेश की राह पर और आगे ले जाया जाएगा। डॉ. अजीत कुमार सिंह एक अनुभवी, संघर्षशील और समर्पित जनप्रतिनिधि हैं, जो सदैव सामाजिक न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी विकास के मुद्दों को प्राथमिकता देते रहे हैं।

बक्सर में नामांकन का खुला खाता निर्दलीय उम्मीदवार ने भरा पर्चा

केटी न्यूज/बक्सर

विधानसभा चुनाव 2025 के तहत बक्सर विधानसभा क्षेत्र में नामांकन की प्रक्रिया विगत 10 अक्टूबर से प्रारम्भ है। हालांकि, शनिवार व रविवार बन्द रहने से नामांकन का कोई खाता न खुल सका था। सोमवार को नामांकन का खाता खुल गया। सबसे पहले बक्सर विधान सभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी सुधाकर मिश्रा ने अपना नामांकन पत्र अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश कुमार के समक्ष दाखिल किया। नामांकन के दौरान उनके समर्थकों की भी भीड़ उपस्थित रही।

सुधाकर मिश्र ने कहा कि वे जनता की सेवा और विकास के मुद्दे को लेकर चुनावी मैदान में उतरे हैं। उन्होंने बताया कि जनता के बीच लंबे समय से रहकर उन्होंने उनकी समस्याओं को नजदीक से देखा है, और अब बक्सर के विकास को नई दिशा देने का संकल्प लिया है।

नामांकन के दौरान जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। अनुमंडल कार्यालय परिसर में प्रवेश के लिए पास जारी किए गए थे और पुलिस बल की तैनाती की गई थी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। ज्ञात हो कि बक्सर विधानसभा क्षेत्र में आगामी 6 नवंबर को मतदान होना है। नामांकन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर निर्धारित की गई है।

पार्टियों के उम्मीदवार घोषित होते ही कटने लगे नाजिर रसीद

अनुमंडल कार्यालय के अनुसार अब तक चारों विधानसभा में 33 अभ्यर्थियों द्वारा शुल्क जमा कर नाजिर रसीद कटाई है। जिसमें बक्सर विधानसभा से 16, राजपुर विधानसभा के लिए 05, जबकि, डुमरांव व ब्रह्मपुर विधानसभा के लिए कुल 11 अभ्यर्थियों द्वारा नाजिर रसीद कटाई है। जिसमें सोमवार को प्रमुख रूप से जनसुराज से शिवांग विजय सिंह, डुमरांव विधायक अजित कुमार सिंह, किसान संगठन के रामप्रवेश सिंह की पत्नी प्रमिला देवी, अंजलि कुमारी, रविशंकर, भीम कमकर शामिल है।

छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिए विद्यालय परिवार शिक्षा क्षेत्र में जोड़ेगा नया अध्याय : प्रकाश आनंद

केटी न्यूज/रोहतास

नगर परिषद बिक्रमगंज के डुमरांव रोड स्थित प्रतिष्ठित विद्यालय संत एसएन ग्लोबल स्कूल के प्रांगण में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की प्रथम तिमाही (टर्म-1) में सर्वांगीण शैक्षणिक उत्कृष्टता का परचम लहराने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए सम्मान समारोह आयोजित की गई। अवसर पर आकर्षित भव्य समारोह में विद्यालय के सह निदेशक सुधीर आनन्द एवं प्राचार्या पूनम रॉय द्वारा इन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रतीक चिन्ह, मेडल और प्रमाणपत्र प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री गणेश वंदना से करते

हुए विद्यालय के सह निदेशक सुधीर आनंद ने कहा कि यह समारोह केवल मेधावी छात्रों के रैंक और अंकों का उत्सव नहीं बल्कि इन बच्चों की अथक मेहनत, समर्पण और ज्ञान की उत्सुकता को सलाम करने का अवसर है। हमारा लक्ष्य केवल पाठ्यक्रम पढ़ाना नहीं बल्कि ऐसे संपूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण करना है जो भविष्य में देश और समाज का नाम रोशन करें। मौके विद्यालय की प्राचार्या पूनम रॉय ने समारोह को संबोधित करते हुए बताया कि इस उपलब्धि के पीछे हमारे शिक्षकों का निरंतर मार्गदर्शन और अभिभावकों का अटूट सहयोग रहा है। यह सफलता इसी त्रिमूर्ति - विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक के सहयोग का शानदार परिणाम है। हमें पूर्ण विश्वास है कि ये छात्र-छात्राएं आगे चलकर और भी ऊंचाइयों को छुएंगी। आयोजित मेधावी सम्मान समारोह में टर्म-1 की मेरिट लिस्ट में अंतर्गत प्री-प्राइमरी वर्ग से प्रथम स्थान अभिनव आनंद, मो.अर्श, आयुष रंजन, अद्विक सिन्हा,गार्गी व द्वितीय स्थान पर नफीस सहित तृतीय स्थान पर रक्षिता पटेल, सत्यम कुमारका आकृष्ट प्रदर्शन रहा। जबकि प्राइमरी वर्ग छात्रों में प्रथम स्थानः यश राज, शिवांश शौर्य,द्वितीय स्थान सुमित कुमार सिंह वही सेकेंडरी वर्ग में प्रथम स्थान जोया परवीन, द्वितीय स्थान पर अंशिका गुप्ता, कार्तिक कुमार ने अपने उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर होते हुए विद्यालय को गौरवान्वित किया।

कार्यक्रम अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षकों-कर्मचारियों और उपस्थित अभिभावकों ने प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं के साथ-साथ विद्यालय के प्रबंधन एवं शिक्षकों को भी उज्जवल भविष्य की कमाना करते हुए उन्हें बधाई दी।

वोटरों ने जताया प्रत्याशियों पर भरोसा पिछले विधानसभा चुनाव में घटा नोटा

केटी न्यूज/आरा

बिहार विधानसभा के चुनाव में 2015 में पहली बार नोटा(नन आफ द एबाव) काबटन इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन में शामिल किया गया। तब इसका खूब इस्तेमाल हुआ।हालांकि, भोजपुर जिले में 2020 के विधानसभा चुनाव में नोटा की चमक 2015 की तुलना में फीकी पड़ गई। जिले की सातों विधानसभा सीटों संदेश, बड़हरा, आरा, अगिआंव, तरारी, शाहपुर और जगदीशपुर में नोटा वोटों की संख्या में 5666 की भारी गिरावट दर्ज की गई।चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार 2015 में जिले में कुल मिलाकर 22,842 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाकर सभी प्रत्याशियों को अस्वीकार किया था, लेकिन 2020 में यह आंकड़ा लगभग हर सीट पर घटा और वोटरों ने नोटा की बजाय अपने पसंद के प्रत्याशियों को चुनने में दिलचस्पी दिखाई।जगदीशपुर में जहां 2015 में

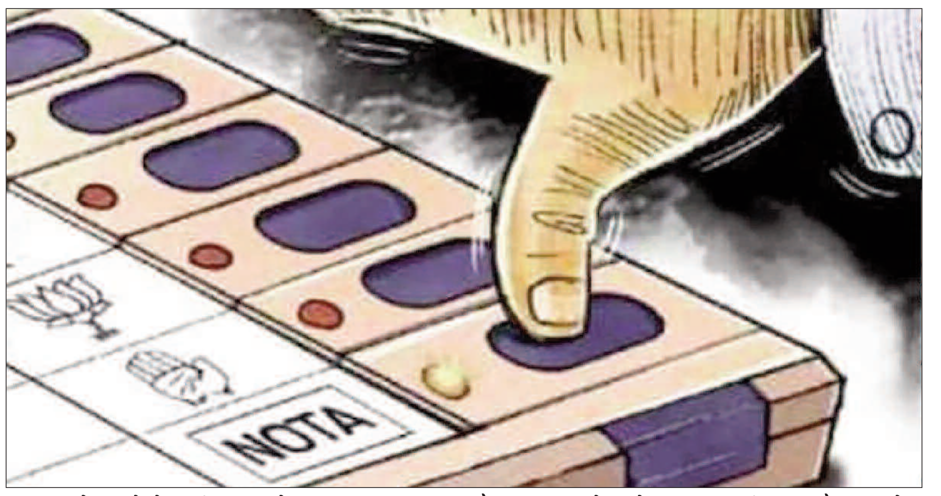

2,263 वोट मिले थे, वहीं 2020 में घटकर मात्र 817 रह गए। शाहपुर में भी 2,641 से गिरकर 978 पर आ गए। तरारी में 3,858 से घटकर 2,550, अगिआंव में 4,244 से घटकर 3,787 और आरा में 3,203 से घटकर 2,811 रह गए। संदेश और बड़हरा जैसी सीटों पर मामूली गिरावट रही, जहां क्रमशः 3,713 से घटकर 3,449 और 2,916 से घटकर 2,784 वोट हुए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2015 में नोटा को मतदाताओं ने एक विरोध के प्रतीक के रूप में देखा था। लेकिन 2020 में चुनावी मुद्दों की स्पष्टता और महागठबंधन बनाम एनडीए की सीधी टक्कर ने मतदाताओं को किसी न किसी पक्ष में मतदान करने को प्रेरित किया।यही वजह है कि विरोध स्वरूप डाले गए मतों में उल्लेखनीय कमी आई। वोटरों में यह विश्वास भी जगा कि नोटा के बदले अपने मनपसंद प्रत्याशियों को चुनना लोकतांत्रिक सरकार को चलाने के लिए ज्यादा जरूरी है। कुल मिलाकर भोजपुर में अब नोटा का प्रभाव घटता दिख रहा है। 2015 की तुलना में 2020 में मतदाताओं ने स्पष्ट विकल्प चुना यानी अब ह्वकिसी को नहींह्व की बजाय ह्वकिसी को जरूरह्व वोट देने का रुझान बढ़ा है। इस बार भी इसका प्रयोग काफी कम होने की संभावनाएं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 27 सितंबर 2013 के बाद राज्य और देश में नोटा का प्रचलन शुरू हुआ। इस आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि आम मतदाताओं को यह अधिकार दिया जाए कि उनके पसंद का कोई प्रत्याशी नहीं रहने पर विकल्प के रूप में वह नोटा का उपयोग कर सके। सुप्रीम कोर्ट का या आदेश अक्टूबर 2013 से लागू हो गया। इस आदेश के बाद बिहार में पहला विधानसभा चुनाव 2015 में हुआ जिसमें यह व्यवस्था लागू कर दी गई। इसके पहले नोट का प्रचलन नहीं था। भोजपुर जिले में सबसे ज्यादा दोनों चुनाव में मिलाकर अगिआंव विधानसभा में नोटा का प्रयोग हुआ। यहां पर रिकॉर्ड 2015 में 4244 और 2020 में 3787 मत नोटा के पड़े थे। इसके बाद संदेश में लगभग 71 00, तरारी में 6300 के साथ-साथ अन्य विधानसभा में नोटा का प्रयोग मतदाताओं ने कम किया।

2013 से प्रचलन में आया नोटा

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 27 सितंबर 2013 के बाद राज्य और देश में नोटा का प्रचलन शुरू हुआ। इस आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि आम मतदाताओं को यह अधिकार दिया जाए कि उनके पसंद का कोई प्रत्याशी नहीं रहने पर विकल्प के रूप में वह नोटा का उपयोग कर सके। सुप्रीम कोर्ट का या आदेश अक्टूबर 2013 से लागू हो गया। इस आदेश के बाद बिहार में पहला विधानसभा चुनाव 2015 में हुआ जिसमें यह व्यवस्था लागू कर दी गई। इसके पहले नोट का प्रचलन नहीं था।

विधानसभा चुनाव की नामांकन की सभी तैयारी पूरी,कल से प्रत्याशी करेंगे नामांकन

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर विधानसभा क्षेत्र में दूसरे चरण में 11 नवंबर को होने वाले मतदान को लेकर 13 अक्टूबर से नामांकन शुरू होगा। जो 20 अक्टूबर तक चलेगा। जो 21 अक्टूबर को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा होगी। 23 अक्टूबर तक प्रत्याशी अभ्यर्थिता वापस ले सकते हैं। जबकि 11 नवंबर को मतदान होगा। वही 14 नवंबर को कृषि उत्पादन बाजार समिति सासाराम परिसर में अनुमंडल के दोनों विधानसभा के चुनाव की मतगणना होगी। अनुमंडल में 210 दिनारा व 213 काराकाट विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी अनुमंडल कार्यालय व डीसीएलआर कार्यालय में बिक्रमगंज में नामांकन करेंगे।नामांकन का कार्य 11 बजे से तीन बजे तक होगा। नामांकन कक्ष में अभ्यर्थी सहित पांच लोग प्रवेश कर सकेंगे। जबकि नामांकन कक्ष से सौ मीटर की परिधि में मात्र तीन वाहन

ही प्रवेश कर सकेंगे। नामांकन को लेकर अनुमंडल कार्यालय परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। परिसर में बैरिकेडिंग की गई है। अनुमंडल कार्यालय जाने वाले रास्ते में ड्राप गेट बनवाया गया है। सुरक्षा के लिए हर ड्रॉप गेट के अलावे अन्य जगहों व अनुमंडल कार्यालय परिसर में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किए जाएंगे।

बिहार में मिठाई दुकान में सिलेंडर ब्लास्ट, तीन दुकानें जलकर हुईं राख, पुलिसकर्मी समेत चार लोग झुलसे

केटी न्यूज/बेतिया

बिहार के बेतिया में मझौलिया बाजार चौक पर मिठाई दुकान में सिलेंडर ब्लास्ट से बड़ा हादसा हो गया। धमाके से तीन दुकानें जलकर राख हो गईं और एक पुलिसकर्मी समेत चार लोग झुलस गए। घटना में करीब दस लाख की क्षति हुई है। बिहार के बेतिया के मझौलिया प्रखंड मुख्यालय के बाजार चौक पर सोमवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। चीनी मील के बाबू क्वार्टर के सामने एक मिठाई की दुकान में एक के बाद एक गैस सिलेंडर फटने से जोरदार धमाका हुआ, जिससे एक पुलिसकर्मी समेत चार लोग झुलस गए और तीन दुकानें जलकर खाक हो गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मिठाई दुकानदार बृजलाल साह का पुत्र संदीप साह सुबह मिठाई बना रहा था, तभी सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। आग इतनी तेजी से फैली कि पास की आशीष कुमार की मिठाई दुकान और सुरेश साह की किराना दुकान भी जल गईं। सूचना पर

अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान मझौलिया थाना में पदस्थापित अग्निशमन वाहन चालक अविनाश कुमार और दो ग्रामीण मनीष कुमार उर्फ मोनू व जितेंद्र साह झुलस गए। सभी घायलों को सीएचसी मझौलिया लाया गया, जहां से पुलिसकर्मी को बेहतर इलाज के लिए बेतिया जीएमसीएच रेफर किया गया। घटना में लगभग दस लाख रुपये की क्षति बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

एक नजर

इश्तेहार वारंटी को जेल

काराकाट। पुलिस ने एक इश्तेहार वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। काराकाट थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के कुरूर निवासी गुपुत साह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय से इश्तेहार वारंट निर्गत था।

मारपीट अभियुक्त को पुलिस ने भेजा जेल

काराकाट। पुलिस ने मारपीट मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । काराकाट थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के रामपुर निवासी अरविंद कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने कहा कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड संख्या 469/25 के आलोक में मारपीट करने का मामला दर्ज था ।

मारपीट मामले में दो गिरफ्तार

बिक्रमगंज। पुलिस ने मारपीट मामले में दो अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के इन्द्रार्थ खुर्द निवासी रमेश पासवान व धरमवीर पासवान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने कहा कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड संख्या 257/23 के आलोक में मारपीट करने का मामला दर्ज था । थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार दोनों अभियुक्त काफी लंबे दिनों से फरार चल रहा था।

आर्म्स एक्ट मामले में एक गिरफ्तार

संझौली। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । संझौली थानाध्यक्ष पूनम कुमारी ने बताया कि थाना क्षेत्र के मसोना निवासी धीरेंद्र सिंह के पुत्र अमरजीत कुमार को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड संख्या 192/25 के आलोक में आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज था । बताया कि इस मामले में पूर्व में दो अभियुक्तों को जेल भेजा जा चुका है ।

दो युवकों को पेड़ से बांधकर पीटा गया, बैटरी चोरी का आरोप, वीडियो वायरल

नरकटियागंज। नरकटियागंज के शिकारपुर थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दो युवकों को पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटा जा रहा है। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों ने दोनों युवकों पर बैटरी चोरी करने का आरोप लगाया है। वीडियो शिकारपुर थाना क्षेत्र के पंडई चौक का बताया जा रहा है। वायरल क्लिप में देखा जा सकता है कि दोनों युवकों को पेड़ से बांधकर कुछ लोग पूछताछ कर रहे हैं। हालांकि, घटना किस दिन की है और इसमें शामिल लोगों की पहचान क्या है, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, दोनों युवक किसी वाहन की बैटरी चोरी के शक में पकड़े गए थे। वीडियो के सामने आने के बाद शिकारपुर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि वायरल वीडियो की सत्यता की जांच की जा रही है। दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इंटैक हेरिटेज क्विज में पूर्णिया चैप्टर और विद्या विहार के छात्रों ने रचा इतिहास, जीता पहला स्थान

पटना। इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (इंटैक), बिहार एवं इंटैक पटना चैप्टर के तत्वावधान में बुद्ध स्मृति पार्क संग्रहालय सभागार, पटना में राज्य स्तरीय इंटैक नेशनल हेरिटेज क्विज प्रतियोगिता का भव्य आयोजन हुआ। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न चैप्टरों पूर्णिया, पटना, गया, भागलपुर और नवादा से कुल नौ टीमों ने भाग लिया। क्विज मास्टर के रूप में शिक्षाविद् श्री अतुल प्रियदर्शी उपस्थित रहे। पूर्णिया चैप्टर एवं विद्या विहार रेजिडेंशियल स्कूल (वी.वी.आर.एस.) का प्रतिनिधित्व कर रहे विद्यार्थियों सबल कुमार और दर्शील ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। अब यह विजेता टीम बिहार राज्य का प्रतिनिधित्व आगामी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में करेगी। द्वितीय स्थान पटना चैप्टर एवं सेंट कैरेंस हाई स्कूल के प्रतिभागियों अर्णव प्रकाश और जयेश राणा ने प्राप्त किया। वहीं तृतीय स्थान भी विद्या विहार रेजिडेंशियल स्कूल के विद्यार्थियों प्रेम चौधरी और अक्षत भारद्वाज की टीम ने प्राप्त कर विद्यालय और पूर्णिया चैप्टर का गौरव और बढ़ाया।

दरभंगा में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने दिखाए बगावती तेवर, मैथिली ठाकुर की उम्मीदवारी का किया विरोध

दरभंगा। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले दरभंगा के अलीनगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को अंतर्कलह का सामना करना पड़ सकता है। क्षेत्र के स्थानीय भाजपा नेताओं, कार्यकताओं और समर्थकों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि पार्टी ने यहां बाहरी उम्मीदवार को टिकट दिया, तो वे पार्टी से सामूहिक इस्तीफा दे देंगे और समर्थन वापस ले लेंगे। उनका सीधा इशारा मैथिली ठाकुर की तरफ था।कार्यकर्ताओं का कहना है कि पिछले पांच वर्षों में क्षेत्रीय विकास पूरी तरह ठप रहा और जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है। अब वे केवल स्थानीय, जवाबदेह और सक्रिय नेता को ही प्रतिनिधि के रूप में देखना चाहते हैं। इस विरोध के केंद्र में मैथिली ठाकुर का नाम भी सामने आया है, जिनके कथित रूप से टिकट की चर्चा चल रही है। स्थानीय कार्यकताओं और ग्रामीणों ने बाहरी उम्मीदवार स्वीकार नहीं के नारे लगाए और कहा कि पिछले पांच सालों में यहां की जनता को जीरो काम मिला है। अब हम केवल लोकल विधायक को ही चुनेंगे।

छठ महापर्व से पूर्व घाटों का ईओ ने किया निरीक्षण,घाटों पर व्रतियों को मिलेगी सुविधा

केटी न्यूज/रोहतास

छठ महापर्व से पहले कार्यपालक पदाधिकारी सुजीत कुमार ने विभिन्न घाटों का किया निरीक्षण। ईओ ने नोखा नगर परिषद अंतर्गत छठ घाटों पर पहुंच तैयारियों का जायजा लिया। जिसमें घाटों की सफाई, बिजली,पानी और सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग सुनिश्चित करने के नगर परिषद के कर्मियों को विशेष निर्देश दिया हैं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को घाटों की नियमित सफाई, गंदगी हटाने और व्रतियों के लिए शौचालय व पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष निर्देश दिए। जबकि सुरक्षा के लिए नहर,नदी व तालाब घाटों की

बैरिकेडिंग, पुलिस और आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था को पहली प्राथमिकता बताया। उन्होंने ने निरीक्षण के मुख्य बिंदु पर चर्चा करते हुए सफाई और रखरखाव और घाटों की समुचित सफाई, घाटों से की गंदगी हटाना और सड़कों को ठीक करने का निर्देश दिया। जबकि सुरक्षा दृष्टि अंतर्गत घाटों पर बैरिकेडिंग और सुरक्षा बलों की तैनाती की योजना पर चर्चा की। साथ ही कहा कि खतरनाक घाटों को लाल कपड़े से अवश्य घेरे। महापर्व के दिन आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था के लिए स्वास्थ्य विभाग से समन्वय स्थापित किया जाएगा। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमों की भी तैनाती रहेगी। पर्व के दोनों दिन घाटों की व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाएगी। यदि व्रतियों सहित छठ घाटों से जुड़ी कोई भी समस्या आती है तो लोग इसकी सूचना तुरंत नोखा नगर परिषद प्रशासन को अवश्य दे। मौके पर ब्रांड एंबेसडर राजेन्द्र सिंह,सत्यनारायण प्रसाद,संजय कुमार, प्रवीण कुमार,नेहा प्रसाद सहित कई कर्मी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सूर्यपुरा पुलिस ने विधानसभा चुनाव को लेकर विभिन्न बूथों का किया निरीक्षण

- **थानाध्यक्ष ने कहा शांतिपूर्ण मतदान कराना हमारी पहली प्राथमिकता**

केटी न्यूज/रोहतास

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सूर्यपुरा थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने अपने पुलिस अधिकारियों के साथ थाना क्षेत्र के विभिन्न बूथों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने गोशलडीह, चवरिया, इमिरता,जमुआड़ा, हुकाडीह, मिल्की, कल्याणपुर,सुअरा,रतनपट्टी एवं अन्धार सहित कई गांवों के मतदान केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया । थानाध्यक्ष ने स्थानीय ग्रामीणों से भी संवाद स्थापित कर

शांति व सौहार्द बनाए रखने की अपील की । उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा । थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने बताया कि विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। प्रत्येक बूथ पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि पूरे थाना क्षेत्र में निष्पक्ष,भयमुक्त और शांतिपूर्ण माहौल में मतदान सम्पन्न हो। उन्होंने यह भी कहा कि संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है तथा गश्ती व एरिया डोमिनेशन अभियान लगातार जारी है।

जनसुराज ने जारी की प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट, 65 उम्मीदवारों पर लगाया दांव

■ प्रशांत किशोर बोले- अति पिछड़ा समाज को देंगे 70 टिकट

एजेंसी/पटना

इस बार बिहार विधानसभा चुनाव के सियासी दंगल में प्रशांत किशोर की एंट्री से माहौल बहुत ही गर्म हो गया है। उनकी पार्टी जन सुराज ने प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। जिसमें 65 प्रत्याशियों के नाम हैं। प्रशांत किशोर ने अति पिछड़ा समाज को 70 टिकट देने की बात कही है। जन सुराज पार्टी की इस घोषणा से बिहार की राजनीति में हलचल मची हुई है। प्रशांत किशोर ने बिहार के सामाजिक-राजनीतिक जीवन में सबसे विध्वंसकारी भागलपुर दंगा को बताया। कहा कि अभय कांत झा दंगा पीड़ितों का केस लगभग निःशुल्क लड़े। 850 परिवारों को बचाया, उनका पुनर्वास कराया और मुआवजा दिलाया। वे लोग मेरठ भाग रहे थे, उनके भागलपुर में रहने की व्यवस्था कराई। बड़े-बड़े दल और नेता गए, लेकिन वे राजनीति में कदम नहीं रखे। आज जसुपा में आए हैं, तो बिहार में बदलाव के लिए ही आए है। रामचंद्र सहनी बोले कि 2005 से 2010 तक मंत्री रहे, जबकि 2020 तक विधायक रहे। उम्र के कारण 2020 में भाजपा ने टिकट नहीं दिया, फिर भी पार्टी का काम करते रहे। अब प्रशांत किशोर की बातें पसंद आ रहीं। सुगौली में जन सुराज पार्टी कमजोर है। उसे मजबूत करेंगे और जन सुराज पार्टी का गढ़ बनाएंगे। प्रशांत किशोर बोले कि तीन वर्ष के प्रयास के बाद भी सहनी को सहमत नहीं कर पाए थे, लेकिन आज आए हैं।

जन सुराज पार्टी के प्रत्याशियों की दूसरी सूची में 65 नाम

- 19 सुरक्षित एक अनुसूचित जनजाति
- 46 सामान्य श्रेणी
- 14 अति-पिछड़ा, चार मुसलमान
- ईबीसी : 10
- अल्पसंख्यक : 14
- सामान्य श्रेणी की हरनौत सीट से अनुसूचित जाति का प्रत्याशी। कमलेश पासवान बने प्रत्याशी।

जनसुराज ने जालिस्ट में प्रशांत किशोर का नाम नहीं

पहली लिस्ट की तरह ही दूसरी लिस्ट में ध्यान देने वाली बात है कि इसमें जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर का नाम नहीं है। राघोपुर सीट को अभी खाली छोड़ा गया है। हो सकता है कि प्रशांत किशोर इस सीट से लड़ सकते हैं। पहली लिस्ट में 51 और दूसरी लिस्ट में 65 नाम के साथ अब तक कुल 116 सीटों से प्रत्याशियों के नाम का एलान हो चुका है। री की प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट, 65 उम्मीदवारों पर लगाया दांव

दूसरी सूची के प्रमुख उम्मीदवार

1 पश्चिमी चंपारण 6 नौतन संतोष चौधरी
2 पूर्वी चंपारण 10 रक्सौल कपिलदेव प्रसाद उर्फ भुवन पटेल
3 पूर्वी चंपारण 12 नरकटिया लाल बाबू यादव
4 पूर्वी चंपारण 15 केसरिया नाज अहमद खान उर्फ पप्पू खान
5 पूर्वी चंपारण 16 कल्याणपुर डॉ मंतोष सहनी
6 पूर्वी चंपारण 20 चिरैया संजय सिंह
7 शिवहर 22 शिवहर नीरज सिंह8 सीतामढी 23 रीगा कृष्ण मोहन
9 सीतामढी 24 बथनाहा (एससी) डॉ नवल किशोर चौधरी
10 सीतामढी 27 बाजपट्टी आजम हुसैन अनवर
11सीतामढ़ी 28सीतामढ़ी जियाउद्दीन खान
12मधुबनी 31हरलाखी रत्नेश्वर ठाकुर
13 मधुबनी 37 राजनगर (एससी) डॉ. सुरेंद्र कुमार दास
14 मधुबनी 38 झंझारपुर केशव भंडारी
15 सुपौल 42 पिपरा इंद्रदेव साह
16 सुपौल 44 त्रिवेणीगंज (अजा) प्रदीप राम
17 अररिया 46 नरपतगंज जनार्दन यादव
18 किशनगंज 53 ठाकुरगंज मो एकरामुल हक
19 पूर्णिया 58 कसबा इत्तेफाक आलम उर्फ मुन्ना
20 पूर्णिया 59 बनमनखी (एससी) मनोज कुमार ऋषि
21 पूर्णिया 60 रूपौली आमोद कुमार
22कटिहार 63 कटिहार डॉ. गाजी शारिक
23 कटिहार
64 कदवा मो.शहरयार
24 कटिहार 65 बलरामपुर असहाब आलम
25 कटिहार 67 मनिहारी (एसटी) बब्लू सोरेन
26 कटिहार 69 कोरहा (एससी) निर्मल कुमार राज
27 मधेपुरा 72 सिंहेश्वर (अजा) प्रमोद कुमार राम
28 मधेपुरा 73 मधेपुरा शशि कुमार यादव
29 सहरसा 74 सोनबर्षा (एससी) सत्येन्द्र हाजरा
30 दरभंगा 78 कुशेश्वर आस्थान(एससी) शत्रुधन पासवान
31. दरभंगा 79 गौरा बौराम डॉ. इफ्तकार आलम
32. दरभंगा 85 बहादुरपुर आमिर हैदर
33. सिवान 110 बड़हरिया डॉ. शहनवाज
34. सिवान 111 गोरियाकोठी एजाज अहमद सिद्दीकी
35. सारण 116 तरैया सत्येंद्र कुमार साहनी
36. वैशाली 127 राजा पकड़ (अनुसूचित जाति) मुकेश कुमार राम
37. वैशाली 129 महनार डॉ. राजेश चौरसिया
38. वैशाली 130 पटेढ़ी (अनुसूचित जाति) दशई चौधरी
39. समस्तीपुर 132 वारिसनगर सत्य नारायण उर्फ प्रदीप साहनी
40. समस्तीपुर 134 उजियारपुर दुर्गा प्रसाद सिंह
41. समस्तीपुर 139 रोसड़ा (अनुसूचित जाति) रोहित पासवान
42. समस्तीपुर 140 हसनपुर इंदु गुप्ता
43. बेगूसराय 141 चेरिया बरियारपुर डॉ. मृत्युंजय
44. बेगूसराय 147 बखरी (अनुसूचित जाति) डॉ. संजय कुमार पासवान
45. खगड़िया 148 अलौली (अनुसूचित जाति) अभिषंक कुमार
46. भागलपुर 155 कहलगांव मंजर आलम
47. भागलपुर 156 भागलपुर अभय कांत झा
48. मुंगेर 164 तारापुर डॉ. संतोष सिंह
49. मुंगेर 166 जमालपुर लल्लन जी यादव
50. लखीसराय 167 सूर्यगढ़ा अमित सागर
51. नालंदा 174 इस्लामपुर तनुजा कुमारी
52. नालंदा 177 हरनौत कमलेश पासवान
53. पटना - बाढ़ 180 बख्तियारपुर बंलमिकी सिंह
54. पटना - ग्रामीण 188 फुलवारी (अनुसूचित जाति) प्रो. शशिकांत प्रसाद
55. पटना - ग्रामीण 189 मसौढ़ी (अनुसूचित जाति) राजेश्वर मांझी
56. भोजपुर 192 संदेश राजीव रंजन सिंह
57. बक्सर 200 बक्सर तथागत हर्षवर्धन
58. बक्सर 201 डुमरांव शिवांग विजय सिंह
59. बक्सर 202 राजपुर (अनुसूचित जाति) धनंजय पासवान
60. कैमूर (भभुआ) 206 चैनपुर हेमंत चौबे
61. रोहतास 211 नोखा डीएसपी-नसुल्लाह खान
62. औरंगाबाद 222 कुटुम्बा (अनुसूचित जाति) श्याम बली राम उर्फ महाबली पासवान
63. गया 228 बराचट्टी (अनुसूचित जाति) इर. हेमंत पासवान
64. गया 231 टिकारी डॉ. शशि यादव
65. गया 234 वजीरगंज संतोष कुमार

एक नजर

बिहार से दिल्ली जा रही एक्सप्रेस ट्रेन की अउ बोगी में उठा धुआं, रेल यात्रियों में मचा हड़कंप

छपरा । छपरा-गोरखपुर रेलखंड के एकमा रेलवे स्टेशन पर सोमवार को लगभग 9 बजे एक बड़ा हादसा टल गया। सीतामढ़ी से आनंदविहार ट्रेमिनटल जा रही लिच्छवी एक्सप्रेस (14005) जैसे ही एकमा स्टेशन पर पहुंची, अचानक एसी बोगी से धुआं उठने लगा। यह दृश्य देखते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग अपनी-अपनी सीट छोड़कर प्लेटफॉर्म पर उतर गए। स्थिति कुछ देर के लिए पूरी तरह हड़कंप में बदल गई, लेकिन रेलवे कर्मचारियों की सतर्कता और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। जानकारी के मुताबिक, दाउदपुर स्टेशन अधीक्षक ने एकमा स्टेशन मास्टर जितेंद्र कुमार को फोन पर सूचित किया कि ट्रेन की दो बोगियों से धुआं निकलता दिखा है। इसके बाद एकमा स्टेशन पर पहले से ही टीम को सतर्क कर दिया गया। ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर पहुंचते ही इ-2 कोच से धुआं निकलता देखा गया। स्टेशन पर मौजूद रेलकर्मी, जीआरपी और ट्रेन मैनेजर ने तुरंत फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से आग पर नियंत्रण पाया। इस बीच करीब 35 मिनट तक ट्रेन एकमा स्टेशन पर खड़ी रही। स्टेशन मास्टर जितेंद्र कुमार ने बताया कि जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ कि बोगी में आग नहीं लगी थी, बल्कि ब्रेक जाम होने के कारण धुआं उठ रहा था। ब्रेक सिस्टम में प्लास्टिक और रबड़ के हिस्से घिसने से अधिक तापमान उत्पन्न हुआ, जिससे धुआं निकलने लगा। उन्होंने बताया कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और ट्रेन को सुरक्षा जांच के बाद आगे रवाना किया गया। इस घटना ने यात्रियों को डरा दिया। एक यात्री ने बताया कि जैसे ही किसी ने कहा कि अउ कोच में आग लग गई है, हम सब तेजी से बाहर भागे। कुछ लोग अपने बच्चे और सामान लेकर प्लेटफॉर्म पर दौड़ पड़े। कुछ समय तक लगा कि ट्रेन में बड़ा विस्फोट हो जाएगा। कई यात्रियों ने डर के कारण दोबारा ट्रेन में चढ़ने से मना कर दिया और आगे की यात्रा रद्द कर दी।

छपरा-सिवान मुख्य मार्ग पर भीषण सड़क हादसा, आर्केस्ट्रा संचालक सहित 3 की दर्दनाक मौत

सारण। सारण जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां सुबह-सुबह भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार 3 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई है. जिसमें एक आर्केस्ट्रा संचालक भी शामिल है. घटना छपरा सिवान मुख्य मार्ग एनएच-531 स्थित माधो बाबा ब्रम्ह स्थान के पास की है, जहां बाइक और खड़ी ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है. मृतकों में बनियापुर थाना क्षेत्र निवासी गणेश राय के 20 वर्षीय पुत्र एवं आर्केस्ट्रा संचालक सुरज कुमार राय, दाउदपुर थाना क्षेत्र के नसीरा गांव निवासी हरेराम साह का 17 वर्षीय पुत्र अरविंद साह एवं रिवीलगंज थाना क्षेत्र के सेमरिया गांव निवासी 22 वर्षीय विक्की राय शामिल है। घटना सोमवार की अहले सुबह की बताई जा रही है. घटना की सूचना मिलने के बाद मौक पर पहुंची दाउदपुर थाने की पुलिस ने ट्रक को जब्त किया। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। घटना की जानकारी मृतकों के परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिवार वालों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। रोते-पीटते परिजन घटनास्थल पर पहुंचे।

'सोनू' निकला इमरान, पटना में हिंदू बनकर युवती से की शादी, खुलासे के बाद मचा बवाल

एजेसी/पटना

पटना की एक युवती ने भोजपुर निवासी इमरान नामक युवक पर धोखे से शादी करने और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने का गंभीर आरोप लगाया है। पटना की एक युवती ने भोजपुर निवासी इमरान नामक युवक पर धोखे से शादी करने और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने का गंभीर आरोप लगाया है। युवती ने महिला थाना में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि इमरान ने खुद को ह्यसोनूह्ण नामक हिंदू युवक बताकर उसे प्यार के जाल में फंसाया और फिर शादी कर ली।पुलिस के अनुसार, आरोपी इमरान भोजपुर जिले का रहनेवाला है और वर्तमान में पटना के शास्त्रीनगर इलाके में किराए के मकान में रह रहा था। दोनों एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते थे, जहां मुलाकात के बाद दोनों के बीच प्रेम संबंध बना। करीब दो साल तक रिश्ते में रहने के बाद युवती को पता चला कि सोनू वास्तव में इमरान है। युवती के विरोध करने पर इमरान ने उसे भरोसा दिलाया कि वह सच्चा प्यार करता है। इसके बाद दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली और साथ रहने लगे। आरोप है कि शादी के बाद इमरान ने युवती पर धर्म परिवर्तन का दबाव डालना शुरू कर दिया। पीड़िता ने बताया कि इमरान उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था और छह साल तक जानबूझकर संतान नहीं होने दी। चार महीने पहले इमरान ने दूसरी शादी कर ली। इसके बाद पीड़िता ने महिला थाना पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। महिला थाना की प्रभारी ने बताया कि दोनों को काउंसलिंग के लिए बुलाया गया था, लेकिन आरोपी इमरान उपस्थित नहीं हुआ। पुलिस ने धोखाधड़ी, प्रताड़ना और दूसरी शादी के आरोप में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तेजप्रताप यादव की जनशक्ति जनता दल ने जारी की 20 उम्मीदवारों की सूची, महुआ से खुद लड़ेंगे चुनाव

एजेसी/गयाजी

रविवार 12 अक्टूबर की शाम में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (ठऊअ) ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सीटों की घोषणा की थी। महागठबंधन से पहले एनडीए ने यह ऐलान किया था। एनडीए के ऐलान के बाद यह कयास लगाया जा रहा था कि अब महागठबंधन सीटों का ऐलान करेगा। लेकिन इससे पहले लालू के बड़े लाल तेजप्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए 20 विधानसभा सीटों के उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है। वैशाली के महुआ से खुद तेजप्रताप यादव चुनाव लड़ेंगे। तेजप्रताप यादव ने इससे पहले सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि हमलोग बिहार के संपूर्ण विकास के लिए पूर्ण रूप से समर्पित और तत्पर हैं। हमारा मकसद बिहार में संपूर्ण बदलाव कर एक नई व्यवस्था का नव निर्माण करना है। हमलोग बिहार के संपूर्ण विकास के लिए लंबी लड़ाई लड़ने को तैयार हैं। तेजप्रताप यादव ने अपने चुनाव चिन्हा ब्लैक बोर्ड के साथ अपनी फोटो को शेयर किया है।जिसमें नारा भी लिखा है कि जन-जन की शक्ति, जन-जन का राज..बिहार का विकास करेंगे तेजप्रताप..अपनी फोटो के नीचे उन्होंने जनशक्ति जनता दल पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष लिखा है। सामाजिक न्याय, सामाजिक हक और संपूर्ण बदलाव पोस्टर में लिखा गया है।

गया में दूसरे चरण के चुनाव के लिए नामांकन शुरू, समाहरणालय के पास लगा महाजाम

एजेसी/गयाजी

दूसरे चरण के तहत 11 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर नामांकन की प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है. इसे लेकर गया जिले के 10 विधानसभा सीटों के लिए जिले में कुल 4 स्थल बनाए गए हैं, जहां प्रत्याशी आज से अपना नामांकन कर सकेंगे, हालांकि गया समाहरणालय के आसपास कई जगहों पर बैरिकेडिंग कर दी गई है. साथ ही यातायात को लेकर वन-वे किया गया है, जिस कारण महाजाम की स्थिति उत्पन्न हो गई. घंटों लोग जाम में फंसे रहे. इस संबंध में जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने कहा कि आज से नामांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जो 20 अक्टूबर तक चलेगी. सुबह 11 बजे से लेकर शाम 3 बजे तक नामांकन की प्रक्रिया चलेगी. इसे लेकर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं. जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई है. पार्किंग स्थल निर्धारित किया गया है. साथ ही आदर्श आचार संहिता के पालन को लेकर लगातार पुलिसकर्मी मॉनेटरिंग कर रहे हैं. किसी के द्वारा व्यवधान करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि गया महानगर विधानसभा, बेलागंज विधानसभा, वजीरगंज विधानसभा और बोधगया विधानसभा के लिए गया शहर में नामांकन की प्रक्रिया की जाएगी. वहीं अतरी विधानसभा के लिए खिजरसराय अनुमंडल कार्यालय में नामांकन की प्रक्रिया होगी. जबकि टिकारी और गुरुआ विधानसभा के लिए टिकारी अनुमंडल कार्यालय में नामांकन किया जाएगा. वहीं शेरघाटी, इमामगंज और बाराचट्टी विधानसभा के लिए शेरघाटी अनुमंडल कार्यालय में नामांकन प्रक्रिया की जाएगी. वहीं महाजाम के सवाल पर उन्होंने कहा कि क्योंकि आज पहला दिन है, दूसरे दिन से जाम की स्थिति पैदा ना हो, इसे लेकर व्यवस्था की जाएगी।

बिहार में सुबह-शाम दिखने लगा ठंडी हवाओं का असर

■ नवंबर से करना होगा भीषण सर्दी का सामना

एजेंसी/पटना

बिहार में ठंड की दस्तक के बाद पटना में न्यूनतम तापमान 18.6त्उ, नवंबर से सर्दी होगी कड़ी। अभी से ही कर लें आने वाले दिनों के लिए तैयारी. बिहार में अब मौसम ने सर्दी का रंग दिखाना शुरू कर दिया है। मानसून की विदाई के बाद पश्चिमी हवाओं ने एंट्री मारी है, जिससे सुबह-शाम सिहरन बढ़ गई है। पटना का न्यूनतम तापमान 18.6 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया है और दिन का अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री के आसपास घूम रहा है।

ग्रामीण इलाकों में सुबह कोहरा छाने लगा है, जबकि शहरों में लोग चादरें ओढ़ने लगे हैं। मौसम विभाग ने चेताया है कि अगले कुछ दिनों में रातें और ठंडी होंगी और नवंबर से सर्दी का असर और भी गहरा हो जाएगा। फिलहाल बारिश का कोई नामोनिशान नहीं और राज्य शुष्क मौसम की चपेट में है। मानसून की विदाई लगभग पूरी हो चुकी है। क्टऊ के अनुसार 13-14 अक्टूबर तक बिहार से दक्षिण-पश्चिम मानसून पूरी तरह लौट जाएगा और उसके बाद मौसम साफ-सुथरा रहेगा। उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हैं जो ठंडी हवाओं को बिहार तक ला रहे हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि अक्टूबर मध्य तक सिहरन सामान्य रहेगी, लेकिन नवंबर से तापमान में तेज गिरावट आएगी। दिन का तापमान 30-35 डिग्री के बीच रहेगा, जबकि रातें 18-24 डिग्री तक नीचे आ सकती हैं। हवा में नमी घट रही है जो ठंड को और चुभन भरा बना रही।

दिन-रात का तापमान और हवा

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि दिन और रात के तापमान में अंतर स्पष्ट रूप से महसूस होगा। दिन के समय अधिकतम तापमान लगभग 32 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा, जबकि रात का तापमान 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। सुबह और शाम की हवा में हल्की ठंडक का अहसास होगा, लेकिन दोपहर में सूरज की तपिश अभी भी महसूस की जाएगी।

पटना का मौसम

पटना में 13 अक्टूबर की रात का तापमान लगभग 21 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं कल सुबह तापमान 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। हवा की गति सामान्य बनी रहेगी और तेज हवा या आंधी की संभावना नहीं है। मौसम के इस बदलाव से लोग सुबह-शाम हल्की ठंडक का आनंद ले सकेंगे, जबकि दिन के समय मौसम गर्म और सुखद रहेगा।

पूर्णिया और कैमूर में आज से नामांकन प्रक्रिया शुरू, पहले दिन किसी ने नहीं भरा पर्चा

एजेंसी/कैमूर

13 अक्टूबर से शुरू हुई नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन कैमूर जिले की चारों विधानसभा सीटों रामगढ़, भभुआ, मोहनिया और चैनपुर से किसी भी प्रत्याशी ने पर्चा दाखिल नहीं किया। वही पूर्णिया के धमदाहा और रुपौली दोनों ही विधानसभा क्षेत्रों में माहौल कुछ ठंडा नजर आया। दोनों जगहों से एक भी उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया। सबसे पहले बात पूर्णिया की करते हैं जहां धमदाहा-रुपौली और कैमूर में आज से नॉमिनेशन शुरू हुआ लेकिन पहले दिन किसी ने भी पर्चा नहीं भरा। रुपौली के आरओ-सह-डीसीएलआर मोहित आनंद ने जानकारी दी कि पहले दिन कोई भी प्रत्याशी पर्चा भरने नहीं पहुंचा, वहीं धमदाहा के आरओ-सह-एसडीओ अनुपम ने भी यही बताया कि धमदाहा में भी नामांकन का खाता खाली रहा। हालांकि धमदाहा से एक प्रत्याशी ने अपना एन आर कटवाया अब सबकी निगाहें दूसरे दिन पर टिकी हैं..जब यह उम्मीद की जा रही है कि राजनीतिक हलचल तेज होगी और उम्मीदवार नामांकन पर्चा लेकर अनुमंडल कार्यालय का रुख करेंगे। चुनावी गलियारों में चर्चा है कि प्रमुख दल रणनीति साधने में जुटे हैं और जैसे-जैसे तारीख आगे बढ़ेगी, नामांकन प्रक्रिया में रौनक बढ़ेगी।

सुभाषितम्

सफलता की खुशी मानना अच्छा है पर उससे जरूरी है अपनी असफलता से सीख लेना। -बिल गेट्स

क्या बांग्लादेश के रास्ते पर चल पड़ा भारत?

दक्षिण एशिया में लोकतंत्र की जड़ें गहरी जरूर हैं, लेकिन समय-समय पर सत्ता के केंद्रीकरण और संस्थाओं पर राजनीतिक नियंत्रण ने इन जड़ों को कमजोर किया है। 2018 में बांग्लादेश में लागू साइबर सिक्योरिटी एक्ट ने लोकतंत्र की उस बुनियाद को हिला कर रख दिया था, जिस पर स्वतंत्र मीडिया और अभिव्यक्ति की आजादी टिकी होती है। पत्रकारों, ब्लॉगर्स और आलोचकों को चुप कराने, मीडिया संस्थानों पर सेंसर लगाने, और चुनाव आयोग तथा न्यायपालिका को सरकार के नियंत्रण में लाने की प्रक्रिया ने धीरे-धीरे एक तानाशाही शासन का रूप ले लिया। परिणामस्वरूप, 2024 के आम चुनावों में विपक्ष के बहिष्कार, हिंसा और धांधली ने बांग्लादेश की लोकतांत्रिक विश्वसनीयता को पूरी तरह खत्म कर दिया। आवामी लीग की शेख हसीना ने 300 में से 224 सीटें जीतकर सत्ता तो बचा ली, लेकिन जनता का भरोसा खो दिया। इसी के साथ कहा गया कि चुनाव आयोग, न्यायपालिका और पुलिस पर सरकार का सीधा नियंत्रण हो गया। तत्कालीन सरकार के इशारे पर पुलिस कार्यवाही करती देखी जाने लगी और न्यायालय फैसला देने लगे। सत्ता का दुरुपयोग शुरू हुआ तो हसीना सरकार के सारे फैसले राजनीतिक हित साधने वाले और हर शासकीय काम में धनसंग्रह वाले दृष्य दिखाई दिए। सरकार का एक तरफा निर्णय होना शुरू हुआ। वहीं दूसरी तरफ महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने लोगों में असंतोष फैला दिया, और जुलाई 2024 के छात्र आंदोलन में 400 से अधिक छात्रों की मौत ने जनाक्रोश को विस्फोटक बना दिया। जब जनता और विपक्ष दोनों को लगा कि चुनाव आयोग सरकार का औजार बन चुका है, न्यायपालिका निष्क्रिय है और पुलिस सत्ता की कठपुतली बन चुकी है, तब शासन की वैधता खत्म हो गई। अंततः 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना को अकस्मात देश छोड़ना पड़ा, यह उस राष्ट्र का पतन था जिसने कभी स्वतंत्रता के लिए आंदोलन किया था, पर अब जहां लोकतंत्र खोता हुआ दिखाई दिया। दुर्भाग्य से, भारत में भी कुछ परिदृश्य अब उसी दिशा में जाते दिखाई दे रहे हैं। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर बार-बार उठते सवाल, विपक्ष की शिकायतों पर निष्क्रियता, और सरकार की मर्जी से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, ये सब संकेत हैं कि लोकतांत्रिक संस्थाएं अब स्वतंत्र नहीं रहीं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) जैसी संस्था जब चुनावों की निष्पक्षता पर सवाल उठाती है और सुप्रीम कोर्ट से न्याय की जगह तारीखें मिलती हुई नजर आती हैं, तो यह चिंता का विषय हो जाता है। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए, जबकि सत्तारूढ़ दल के नेताओं द्वारा बार-बार आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतों पर भी चुनाव आयोग चुप रहा। अदालतों से भी तत्काल राहत नहीं मिली; ह्यतारीख पर तारीखह्न ने जनता का न्यायपालिका से भरोसा डगमगा दिया। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने की घटना और उसके बाद देशभर में मिली मिश्रित प्रतिक्रियाएं इस विश्वास संकट को और गहरा कर रही हैं। भारत के लोकतंत्र में जनता का भरोसा सबसे बड़ा स्तंभ रहा है, लेकिन जब यह भरोसा डगमगाने लगे, तब यह चेतावनी होती है कि व्यवस्था खतरे में है। आज बेरोजगारी, महंगाई और युवाओं का असंतोष एक उभरता हुआ सामाजिक विस्फोट बनता जा रहा है। लेह में चार युवाओं की मौत और सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी ने इस बेचैनी को और बढ़ाया है। यह केवल एक आंदोलन नहीं, बल्कि उस पीढ़ी की आवाज है जो अपने भविष्य के लिए चिंतित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को 11 वर्ष हो चुके हैं। 2014 में जब वे सत्ता में आए थे, तो उन्होंने रोजगार, विकास और भ्रष्टाचारमुक्त शासन के वादों के साथ ह्लनई उम्मीदह्न जगाई थी। परंतु आज जब बेरोजगार युवा सड़कों पर हैं, और चुनावी प्रक्रियाओं की पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम भी बांग्लादेश जैसी दिशा में तो नहीं बढ़ रहे? वैसे भी अब पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा को लेकर लोगों में वह विश्वास नहीं दिख रहा जो 2013-14 में देखने को मिला था।

चिंतन-मनन

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है।

एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो। बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है? यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चप्रव्यूह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोटियां बिठाई जा रही हैं? आज की राजनीति को देखकर मन ग्लानि और वितृष्णा से भर जाता है।

खिसियाए ट्रम्प शांति दूत बनेंगे या शांति हरेंगे?

- ऋतुपर्ण दवे

बड़बोले डोनाल्ड ट्रम्प को नोबेल पुरस्कार नहीं मिला। अपने मुंह मिया मिट्ठू बनने वाले ट्रम्प को भी नोबेल पुरस्कार नहीं मिला। अपने लिए, नोबेल पुरस्कार मांगने वाले और इसके लिए दावे दावे करने वाले वाले ट्रम्प को भी नोबेल पुरस्कार नहीं मिला। शांति के नोबेल पुरस्कार के लिए चंद देशों से खुद को नामित कराने वाले अड़ीबाज ट्रम्प के मुकाबले बेहद कम चर्चित और दुनिया में अलग पहचान रखने वाली एक महिला को मिलना शायद ट्रम्प को उनकी असलियत या औकात बताने को काफी है। दरअसल ट्रम्प की दावेदारी और पुरस्कार न मिलने पर बजाए खुलकर बोलने के लोग, उनके घमण्ड, धौंस, धमक और दादागीरी को वजह बताते हैं जो नोबेल शांति के रूप में नहीं मिला। वैसे भी हर पुरस्कार के लिए नियम होते हैं, लंबी फेहरिस्त होती है और कारण होते हैं। ट्रम्प कहीं से भी इसमें फिट नहीं बैठते थे। लेकिन उन्हें अमरीका का राष्ट्रपति होने का गुमान था इसीलिए वो यह जानते हुए भी कि पुरस्कार के लिए नामित होने और औपचारिकताओं से पूरा करने की प्रक्रिया को भी शायद अपनी धौंस से धता बताने की जुगाड़ में थे, जो हो न सका। यह भी सच है कि शायद यह पहला मौका होगा जब पुरस्कार

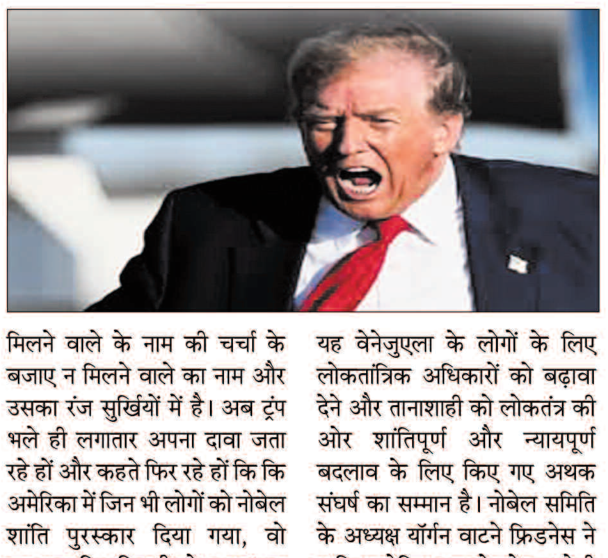

मिलने वाले के नाम की चर्चा के बजाए न मिलने वाले का नाम और उसका रंज सुर्खियों में है। अब ट्रंप भले ही लगातार अपना दावा जता रहे हों और कहते फिर रहे हों कि कि अमेरिका में जिन भी लोगों को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया, वो ज्यादातर विवादित रहे हैं। ट्रम्प भला क्या कम विवादित हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति बनाम वहां के बड़े बिजनेसमैन डोनाल्ड ट्रंप इस बार सत्ता में आने के साथ ही खुद को शांति का स्वयंभू मसीहा बताते नहीं अघाते है। वो भारत-पाकिस्तान, रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास जंग समेत आठ युद्धविराम या समझौते कराने का दावा करते हैं। जबकि दुनिया हकीकत जानती है कि इन सभी जगहों पर अभी कितनी शांति है? इस बार का नोबेल शांति पुरस्कार नॉर्वेनियन नोबेल कमेटी ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को देना तय किया। यह वेनेजुएला के लोगों के लिए लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने और तानाशाही को लोकतंत्र की ओर शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण बदलाव के लिए किए गए अथक संघर्ष का सम्मान है। नोबेल समिति के अध्यक्ष जॉर्गन वाटने फ्रिडनेस ने मारिया कोरिना मचाडो को एक ऐसी प्रमुख और एकजुट करने वाली शख्सियत बताया जिन्होंने पहले गहरे विभाजित विपक्ष को एकजुट किया फिर स्वतंत्र चुनावों और प्रतिनिधि सरकार की मांग में समान आधार स्थापित करने का कठिन काम किया। अपने प्रयासों की कामियाबी के लिए मारिया कोरिना मचाडो को छिपकर रहने पर भी मजबूर होना पड़ा। लेकिन जान को गंभीर खतरों के बावजूद उन्होंने अपना देश नहीं छोड़ा और दुनिया भर में शांति के पक्षधर लाखों लोगों का प्रेरित किया। मारिया का मानना है कि जब सत्तावादी लोग सत्ता हथिया लेते हैं, तो स्वतंत्रता के ऐसे साहसी रक्षकों को पहचानना जरूरी है जो उठ खड़े हों और विरोध करें। लोकतंत्र उन्हीं लोगों पर निर्भर करता है जो चुप रहने के बजाय गंभीर जोखिमों के बावजूद आगे बढ़ते रहने का दुस्साहस करते हैं। यह याद दिलाता है कि स्वतंत्रता को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए, बल्कि हमेशा उसकी रक्षा करनी चाहिए। इसके लिए दृढ़ इच्छा शक्ति और शब्दों के सामर्थ्य का इस्तेमाल जरूरी है। ट्रम्प भले ही दुनिया का दारोगा कहलाएं लेकिन उन्हें मारिया के सिध्दांतों और धारणाओं से काफी कुछ सीखने की जरूरत है। यह सही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में तो शुरूआत से ही शांति के नोबेल पुरस्कार का सपना संजोए बैठे थे। उनका हर मंच पर दावा कि उन्होंने ही आठ युद्ध रुकवाए हैं यही बताता है। पूर्व राष्ट्रपति ओबामा की आलोचना करना और कहना कि बिना किसी कारण के उन्हें नोबेल मिला मैने तो 8-8 युद्ध रुकवाए अहंकार नहीं तो क्या है? लेकिन वो भूल गए कि उनके दावे नोबेल शांति पुरस्कार के नामांकन की समय-सीमा के बाद के हैं। ऐसे में संभव है कि यह उनकी चालाकी हो और अगले साल के अपने दावे को पुख्ता करने की रणनीति हो! दुनिया जानती है कि ट्रम्प कहते कुछ हैं, करते कुछ हैं। कहा तो यह तक जाने लगा है कि ट्रम्प को यह भी नहीं पता अगले पल वो क्या कर बैठें, बहरहाल यह उनका अपना मामला है वो जानें। हां, नोबेल कमेटी की निना ग्रेगर ने यह जरूर कहा कि नोबेल के फैसले पर गाजा सीजफायर का असर नहीं होगा, लेकिन अगर यह शांति स्थायी रही, तो अगले साल ट्रंप की दावेदारी मजबूत हो सकती है। वहीं, नोबेल कमेटी के अध्यक्ष जोर्गन वाटने फ्राइडनेस ने कहा कि पुरस्कार पर फैसला काम के आधार पर किया जाता है। अब ऐसा भी नहीं है कि अमरीका जैसे देश सशक्त देश के राष्ट्रपति को इतना भी भान न हो? अब एक पुराना और चौंकाने वाला वाकया सुर्खियों में है। जब एडॉल्फ हिटलर को शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करने की कोशिश हुई। इससे हर कोई असहज हुआ होगा। उनके क्रूर होने के किस्से-कहानियां इतिहास की किताबों में दर्ज हैं। क्या उनके नाम कभी प्रस्तावित हुआ? दरअसल एक तीखी व्यंग्यात्मक आलोचना के रूप में जरूर उनका प्रस्ताव स्वीडिश संसद के एक सदस्य, एरिक ब्रांट ने 27 जनवरी 1939 को नोबेल समिति को भेजा ब्रांट एक समाजिक-लोकतांत्रिक राजनेता थे। यह उनका स्वीडिश राजनीतिज्ञों की प्रवृत्ति पर कटाक्ष और व्यंग था जो तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री नेविल चेम्बरलेन की शांति-नीति की तारीफ करते नहीं अघाते थे। जब चेम्बरलेन की शांति के लिए खूब स्तुति हो सकती है, तो हिटलर को भी यूरोप में युद्ध के खतरों लिए नामांकित कर दीजिए। लेकिन सार्वजनिक प्रतिक्रियाओं, आलोचनाओं और गलतफहमियों से घिरता देख ब्रांट ने अपना नामांकन औपचारिक रूप से वापस भी ले लिया। नोबेल पुरस्कार की स्थापना बिजनेसमैन, एंटरप्रेन्योर और वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की मृत्यु के बाद हुई जिन्होंने अपनी ज्या दातर संपत्ति कई क्षेत्रों में पुरस्कारों के लिए छोड़ी थी। सन् 1895 में अपनी वसीयत में कहा था कि ऐसे पुरस्कार उन्हें दिया जाना चाहिए जिन्होंने पिछले साल मानव जाति के लिए सबसे बड़ा उपकार किया हो। शुरूआत 1901 में हुई जो जारी है। केवल प्रथम विश्व युद्ध के दौरान 1914 से 1918 तक और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 1939 से 1945 में यह नहीं दिए गए। पुरस्कार भौतिकी, रसायन विज्ञान, चिकित्सा या शरीरक्रिया विज्ञान, साहित्य, शांति और आर्थिक विज्ञान क्षेत्र में दिए जाते हैं। शांति पुरस्कार ऐसा अकेला है जिसका फैसला नॉर्वे की संसद की तरफ से चुने गए पांच सदस्यों की एक समिति की करती है। समिति ओस्लो में है पुरस्कार वहीं देते हैं।

अहोई, मां का सन्तान के लिए उपवास का दिन

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

अहोई माता का व्रत रखने और उनकी मनोयोग से पूजा करने से अहोई मां, उपवास रख रही मां व उनकी सन्तान को लम्बी उम्र का आशीर्वाद देती हैं। संतान की सलामती से जुड़े इस व्रत का बहुत महत्व है। साथ ही इस दिन की पूजा को विशेष पूजा भी कहा जा सकता है। आइए आपको बताते हैं इस साल अहोई अष्टमी कब पड़ रही है और क्या है इसका शुभ मुहूर्त। अहोई अष्टमी का त्योहार 13 अक्टूबर को पड़ रहा है। अहोई अष्टमी को कालाष्टमी भी कहते हैं। इस दिन मथुरा के राधा कुंड में लाखों श्रद्धालु स्नान करने के लिए पहुंचते हैं। अहोई अष्टमी का व्रत करवा चौथ के चार दिन बाद और दिवाली से आठ दिन पहले रखा जाता है।

अहोई शुभ पूजा मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, अष्टमी तिथि की शुरूआत 13 अक्टूबर की रात 12:24 बजे से होगी और इसका समापन 14 अक्टूबर की सुबह 11:09 बजे पर होगा। अहोई माता की पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 5 बजकर 53 मिनट से लेकर शाम 7 बजकर 08 मिनट तक रहेगा।

अहोई माता की पूजा ऐसे करें

सुबह के समय जल्दी उठकर सबसे पहले स्नान आदि करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। अब मंदिर या घर मे पूजा स्थान की दीवार पर गेरू और चावल से अहोई माता यानी कि मां पार्वती और स्याहु व उसके सात पुत्रों का चित्र बनाएं।इसके लिए बाजार में मिलने वाले पोस्टर का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। अब एक नए मटके में पानी भरकर रखें, उसपर हल्दी से स्वास्तिक बनाएं, अब मटके के ढक्कन पर

सिंघाड़े रखें। घर में मौजूद सभी बुजुर्ग महिलाओं को बुलाकर सभी के साथ मिलकर अहोई माता का ध्यान करें और उनकी व्रत कथा पढ़ें। सभी के लिए एक-एक स्वच्छ कपड़ा भी रखें। कथा खत्म होने के बाद इस कपड़े को उन महिलाओं को भेंट कर दें। रखे हुए मटके का पानी खाली ना करें इस पानी से दीवाली के दिन पूरे घर में पोंछा लगाएं। इससे घर में बरकत आती है। रात के समय सितारों को जल से अर्घ्य दें और फिर ही उपवास को पूरा करें। इस दिन अहोई माता की पूजा की जाती है। अहोई अष्टमी का व्रत महिलाएं अपनी संतानों की लंबी आयु के लिए रखती हैं। कुछ महिलाएं इस व्रत को संतान प्राप्ति के लिए भी करती हैं। यह व्रत दिनभर निर्जल रहकर किया जाता है। अहोई माता का पूजन करने के लिए महिलाएं तड़के उठकर मंदिर में जाती हैं और वहीं पर पूजा के साथ व्रत प्रारंभ होता है। यह व्रत चंद्र दर्शन के बाद ही खोला जाता है।

महिलाएं इस दिन सायंकाल भक्ति-भावना के साथ दीवार पर अहोई की पुतली रंग भरकर बनाती हैं। उसी पुतली के पास सेई व सेई के बच्चे भी बनाती हैं। आजकल बाजार से अहोई के बने रंगीन चित्र कागज भी मिलते हैं जिनको लाकर उनकी पूजा की जा सकती है। कुछ महिलाएं पूजा के लिए चांदी की एक अहोई भी बनाती हैं, जिसे स्याऊ कहते हैं और उसमें चांदी के दो मोती डालकर विशेष पूजन किया जाता है। तारे निकलने के बाद अहोई माता की पूजा प्रारंभ होती है। पूजन से पहले जमीन को स्वच्छ करके, पूजा का चौक पूरकर, एक लोटे में जलकर उसे कलश की भांति चौकी के एक कोने पर रख ते हैं और फिर भक्ति भाव से पूजा करते हैं। साथ ही अहोई अष्टमी की व्रत कथा का श्रद्धा भाव से श्रवण किया जाता है। कथा, पूजन और आरती के बाद माता को हलवा, पूड़ी और चना चढ़ाया जाता है। कुछ परिवारों में माता को पानी के साथ दूध और कच्चा चावल चढ़ाते हैं।

क्या है अहोई की प्रचलित कथा

बताया गया है कि एक साहूकार के 7 बेटे थे और एक बेटी थी। साहुकार ने अपने सातों बेटों और एक बेटी की शादी कर दी थी. अब उसके घर में सात बेटों के साथ सातबहुएं भी थीं। साहुकार की बेटी दिवाली पर अपने ससुराल से मायके आई थी. दिवाली पर घर को लीपना था, इसलिए सारी बहुएं जंगल से मिट्टी लेने गईं. ये देखकरससुराल से मायके आई साहुकार की बेटी भी उनके साथ चल दी। साहूकार की बेटी जहां मिट्टी काट रही थी, उस स्थान पर स्याहु (साही) अपने साथ बेटों से साथ रहती थी. मिट्टी काटते हुए गलती से साहूकार की बेटीकी खुरपी के चोट से स्याहु का एक बच्चा मर गया. इस पर क्रोधित होकर स्याहु ने कहा कि मैं तुम्हारी कोख बांधूंगी। स्याहु के वचन सुनकर साहूकार की बेटी अपनी सातों भाभियों से एक-एक कर विनती करती हैं कि वह उसके बदले अपनी कोख बंधवा लें. सबसे छोटीभाभी ननद के बदले अपनी कोख बंधवाने के लिए तैयार हो जाती है. इसके बाद छोटी भाभी के जो भी बच्चे होते हैं, वे सात दिन बाद मर जाते हैं सात पुत्रोंकी इस प्रकार मृत्यु होने के बाद उसने पंडित को बुलवाकर इसका कारण पूछा. पंडित ने सुरही गाय की सेवा करने की सलाह दी। सुरही सेवा से प्रसन्न होती है और छोटी बहु से पूछती है कि तू किस लिए मेरी इतनी सेवा कर रही है और वह उससे क्या चाहती है? जो कुछ तेरीइच्छा हो वह मुझ से मांग ले. साहूकार की बहु ने कहा कि स्याहु माता ने मेरी कोख बांध दी है जिससे मेरे बच्चे नहीं बचते हैं. यदि आप मेरी कोख खुलवा देतो मैं आपका उपकार मानूंगी. गाय माता ने उसकी बात मान ली और उसे साथ लेकर सात समुद्र पार स्याहु माता के पास ले चली। रास्ते में थक जाने पर दोनों आराम करने लगते हैं. अचानक साहूकार की छोटी बहू की नजर एक ओर जाती हैं, वह देखती है कि एक सांप गरूड़ पंखनीके बच्चे को डंसने जा रहा है और वह सांप को मार देती है. इतने में गरूड़ पंखनी वहां आ जाती है और खून बिखरा हुआ देखकर उसे लगता है कि छोटी बहूने उसके बच्चे को मार दिया है इस पर वह छोटी बहू को चोंच मारना शुरू कर देती है।

क्या आरएसएस ने भारत की आजादी के लिए कुर्बानियां दीं थीं?

- राम पुनियानी

आरएसएस की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जो स्वयं आरएसएस के प्रचारक रह चुके हैं, ने संघ की तारीफों के पुल बांधे। उन्होंने कहा कि आरएसएस ने देश की आजादी के लिए बड़ी-बड़ी कुर्बानियां दीं और चिमूर जैसे कई स्थानों पर ब्रिटिश शासन का विरोध भी किया। उनके अनुसार राष्ट्र निर्माण में संघ का जबरदस्त योगदान है। सच क्या है? आजादी की लड़ाई संयुक्त भारतीय राष्ट्रवाद, जिसका मुख्य तत्व समावेशिता था, के पक्ष में थी। मुस्लिम साम्प्रदायिक तत्व, मुस्लिम राष्ट्र के लिए संघर्ष कर रहे थे और हिन्दू साम्प्रदायिक तत्व (आरएसएस, हिन्दू महासभा) हिन्दू राष्ट्र के लिए। हालांकि सावरकर आरएसएस में नहीं थे लेकिन वे एक तरह से हिन्दुत्व और हिन्दू राष्ट्र के प्रमुख सिद्धांतकार और सरपरस्त थे। वे काफी हद तक आरएसएस के मार्गदर्शक थे। माफी मांगने और पहले अंडमान और बाद में रत्नागिरी जेल से रिहा होने के बाद, सावरकर ने कभी आजादी के आंदोलन का समर्थन नहीं किया और उन्हें पेंशन के रूप में एक बड़ी राशि 60 रू। (जो आज के लगभग 4 लाख रू। के बराबर है) हर माह मिलती थी। उन्होंने ब्रिटिश सेना में भारतीयों की भर्ती के लिए अंग्रेजों की मदद भी की। हालांकि हेडगेवार, जो बाद में आरएसएस के प्रथम सरसंघचालक बने, ने खिलाफत आंदोलन में भाग लिया था और वे एक साल जेल में भी रहे थे। इस आंदोलन में मुस्लिमों के साथ भाग लेने और बाद में केरल के मापोलिया विद्रोह (जो मुख्यतः किसानों का जमींदार विरोधी संघर्ष था) में हिस्सेदारी करने के बाद उनके अन्दर का हिन्दू राष्ट्रवादी जाग उठा और उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी थी। बाद में अन्य चितपावन ब्राम्हणों के साथ वे आरएसएस के संस्थापकों में से एक बने। संघ की स्थापना की एक वजह यह थी कि उसके संस्थापक ब्राम्हण जमींदारों के खिलाफ गैर-ब्राम्हणों के उस आंदोलन से चिंतित थे जो दलितों के सशक्तिकरण का परिचायक था। दूसरा कारण था गांधीजी का आजादी की लड़ाई से मुस्लिमों सहित समाज के सभी वर्गों को जोड़ने का प्रयास। तीसरा कारण था उनका मुसोलिनी और हिटलर से प्रेरित होना। संघ का राष्ट्रवाद अलग था यह तब स्पष्ट हुआ जब पंडित नेहरू ने 26 जनवरी 1930 को तिरंगा फहराने का आव्हान किया। हेडगेवार ने भी झंडा फहराने का आव्हान किया, किंतु भगवा झंडा फहराने का। अभी हाल में संघ की स्थापना के सौ वर्ष पूर्ण होने पर जारी किए गए स्मारक सिक्के पर भारत माता की तस्वीर भगवा झंडे के साथ दिखाई गई है ना कि तिरंगे के साथ। तिरंगे को संविधान में स्वीकार्यता दी गई और सरकार ने इसे 15 अगस्त 1947 को फहराने की योजना बनाई। आरएसएस पर विस्तृत अध्ययन एवं शोध करने वाले एक प्रबुद्ध अध्येता श्मसुल इस्लाम लिखते हैं आरएसएस के अंग्रेजी भाषा के मुखपत्र आर्गनाईजर ने अपने 14 अगस्त 1947 के अंक में राष्ट्रध्वज के विरूद्ध लिखा कि इसे हिंदू कभी स्वीकार नहीं करेंगे और कभी अपना नहीं मानेंगे। तीन की संख्या अपने आप में मनहूस है और तीन रंगों वाले ध्वज का देश पर बहुत बुरा भावनात्मक प्रभाव होगा और यह देश के लिए हानिकारक होगा। हेडगेवार नमक सत्याग्रह में शामिल हुए थे क्योंकि उन्हें लगा कि यह जेल में बंद स्वतंत्रता सेनानियों को अपने संगठन की ओर आकर्षित करने का एक अच्छा अवसर है।

आज का राशिफल

- **मेष** आज आपकी कोई महत्वपूर्ण डील फाइनल हो सकती है। इससे आपको आर्थिक लाभ होगा।
- **तुला** आज जबरदस्त लाभ देने वाला साबित होगा। आपका दिन लाभ और उन्नति देने वाला रहेगा।
- **वृषभ** मानसिक शांति प्रदान करने वाला रहेगा। आपको नई योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने का समय मिलेगा।
- **वृश्चिक** आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। इस दौरान किए गए आपके प्रयास रंग लाएंगे।
- **मिथुन** आज दिन आपके लिए आरामदायक और मानसिक सुकून देने वाला रहेगा।
- **धनु** थोड़ा उथल पुथल भरा रहने वाला है। सोच-समझकर निर्णय लेने में ही आपकी भलाई है।
- **कर्क** मन से किए गए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी और जल्द ही उसका परिणाम आपको देखने को मिलेगा।
- **मकर** इस दिन भागीदारी में किया गया व्यापार आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगा।
- **सिंह** दिन व्यस्त नजर आ रहा है। अध्यात्म से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होने का मौका मिलेगा।
- **कुंभ** आज दिन कुंभ राशि वालों को अपने स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहना होगा।
- **कन्या** व्यवहार में संयम व सावधानी बनाए रखना आपके लिए बेहद जरूरी है।
- **मीन** आज का दिन आज का दिन आर्थिक रूप से लाभदायक रहने वाला है। व्यापार में उठाया गया।

विशेष

कानून और नियम सरकार पर लागू नहीं

मध्य प्रदेश में दो दर्जन से ज्यादा बच्चों की जहरीले कफ सिरप पीने से मौत हो गई। इस सिरप को नशा करने वाले भी खरीद कर पीते हैं। सरकार को सब कुछ पता होता है। उसके बाद सरकार नियम कानून बनाती है।जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती है। कानून और नियम से जो शुक्राना जबराना मिलना होता है। वह सरकार के अधिकारियों और नेताओं को मिल जाता है। जिस कफ सिरप पर 90 साल पहले अमेरिका में रोक लगा दी गई थी। 2006 में सरकार ने जाँच का कानून बनाया था। सरकार ने मानक तय कर दिए थे। जगह-जगह मानक के अनुसार दवाई बनाई जा रही है, या नहीं, इसके लिए लैब तैयार की गई थी। लैब के पद खाली पड़े हुए हैं। जो मोबाइल वैन खरीदी गई थी। वह सड़ रही हैं। जब बच्चों की मृत्यु हुई, उसके बाद डॉक्टर ओर दवा निमार्ता को गिरफ्तार कर लिया गया। जिनको जांच का जिम्मा दिया गया था। उनको बचा लिया गया। सरकार ऐसे ही चलती है। जिनको मरना होता है, वह मर जाते हैं। मरना उनके भाग्य में लिखा होता है। सरकार इसमें कर भी क्या सकती है।

मायावती ने की योगी की तारीफ

बसपा सुप्रीमो मायावती ने जिस तरह से लखनऊ में बसपा समर्थकों की रैली बुलाई। बड़ी संख्या में भीड़ जुटी। बहन जी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा की जमकर तारीफ की। सपा और कांग्रेस के ऊपर वह जमकर भड़की। इसके बाद कहा जा रहा है, अगला विधानसभा चुनाव बहन जी भाजपा के साथ मिलकर लड़ेंगी।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1241: रजिया सुल्तान की मौत हुई। 1679: मछलीपट्टनम में तूफान से बीस हजार से अधिक लोग मारे गए। 1815: ब्रिटेन ने असंसियान द्वीप पर कब्जा किया। 1861: इटली को कई हिस्सों में बांटा गया। 1881: ट्रांसवाल ने ब्रिटेन से स्वतंत्र होने की घोषणा की। 1923: अंकारा तुर्की की राजधानी बनी। 1943: द्वितीय विश्व युद्ध में इटली ने जर्मनी के खिलाफ जंग का ऐलान किया। 1952 : मिस्त्र और सूडान के बीच नील नदी के जल के बारे में समझौता हुआ। 1965: कांगो के राष्ट्रपति जोसफ कासायुवु ने मोईर्स शोम्बे की सरकार को बर्खास्त कर दिया। 1968: पनामा की सैनिक सरकार ने असैनिक मंत्रिमंडल का गठन किया। 1971: कनाडा ने चीन के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने की घोषणा की। 1985: श्रीलंका में तमिल उग्रवादियों ने दो बार युद्ध विराम का उल्लंघन किया।

दैनिक पंचांग

अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.19 बजे से
चंद्र	मिथुन में	वृश्चिक	08.33 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	10.49 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.54 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	14.41 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	16.14 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.44 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.24 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.22 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	कर्क	23.36 बजे से
		सिंह	01.52 बजे से
		कन्या	04.04 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 286 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 12.25 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 12.27 बजे को समाप्त। **योग** परिघ 08.10 बजे तदनन्तर शिव 05.55 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 12.25 बजे तदनन्तर बालव 23.43 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 07° 47' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872496 **जूलियन दिन** 2460961.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रबी उस्सानी **तारीख** 20 **विशेष** अहोई अष्टमी, राधा कुंड स्नान, कालाष्टमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

पांच वर्षों से पंगु बना है झारखंड सूचना आयोग... कांग्रेस की आरटीआई प्रेस वार्ता पर बीजेपी का तंज

रांची, एजेंसी। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने रविवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश द्वारा सूचना अधिकार कानून के 20 वर्ष पूरे होने पर आयोजित प्रेस वार्ता को दिखावा बताया। प्रतुल ने कहा कि सूचना अधिकार कानून पर उपदेश देने से पहले कांग्रेस अध्यक्ष ने यह स्पष्ट नहीं किया कि आखिर झारखंड में उनकी सरकार ने सूचना आयोग को पिछले साढे पांच वर्षों से क्यों पंगु बना दिया है। प्रतुल ने कहा की पिछले साढे पांच वर्षों से मुख्य सूचना आयुक्त सहित अन्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति नहीं की गई है। सूचना आयोग निष्क्रिय हो गया है।कांग्रेस के सहयोग से चल रही राज्य सरकार में सूचना आयोग के सक्रिय होने से भ्रष्टाचार की और खबरें सामने आती जिसे यह सरकार कतई बर्दाश्त नहीं करती। प्रतुल शाह देव ने कहा कि कांग्रेस को याद रखना चाहिए कि सूचना का अधिकार लागू जरूर हुआ था, लेकिन यूपीए शासन में इसका सबसे ज्यादा दुरुपयोग और दमन हुआ। प्रतुल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने मैक्सिमम गवर्नेंस, मिनिमम गवर्नमेंट का युग देखा है। आज जनता को आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल, डिजिटल इंडिया, डीबीटी, ई गवर्नेंस जैसे प्लेटफार्मों से सीधे सरकार तक पहुंच मिली है। पहले कांग्रेस के शासन में फाइलें तिजोरी में बंद रहती थीं, आज मोदी सरकार में हर फाइल डिजिटल प्लेटफार्म पर जनता की नजर के सामने है।

हजारीबाग में नक्सली ठिकाने से एसएलआर राइफल,मैगजीन, कारतूस मिले

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग पुलिस को नक्सल उन्मूलन अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की संयुक्त टीम ने बोकारो–हजारीबाग सीमावर्ती क्षेत्र में चलाए गए विशेष सर्च अभियान के दौरान नक्सलियों के एक ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार और नक्सली सामग्री बरामद की है। बरामद सामग्री में दो एसएलआर राइफलें, मैगजीन, बड़ी संख्या में कारतूस, पिट्ठू बैग, कपड़े और दैनिक उपयोग की कई सामान शामिल हैं। यह बरामदगी नक्सलियों की किसी बड़ी साजिश को नाकाम करने में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हजारीबाग एसपी अंजनी अंजान ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि यह अभियान गुप्त सूचना के आधार पर चलाया गया था। सूचना मिली थी कि नक्सली संगठन के कुछ सदस्य बोकारो और हजारीबाग की सीमा के जंगल क्षेत्र में सक्रिय हैं। इस सूचना के सत्यापन के लिए सीआरपीएफ और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने तत्काल ऑपरेशन शुरू किया। तलाशी के दौरान जंगल में स्थित एक ठिकाने से यह हथियार और अन्य सामान बरामद किया गया। एसपी ने इस अभियान में सीआरपीएफ की भूमिका को बेहद महत्वपूर्ण बताया। एसपी अंजनी अंजान के अनुसार, बरामद हथियारों से यह स्पष्ट होता है कि नक्सली किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहे थे। पुलिस की तत्परता और संयुक्त कार्रवाई से उनकी यह साजिश नाकाम हो गई। बरामदगी के बाद, पुलिस ने पूरे क्षेत्र में कॉम्बिंग ऑपरेशन तेज कर दिया है। नक्सलियों की संभावित गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जंगल क्षेत्रों में अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं और सीमावर्ती इलाकों में लगातार गश्त की जा रही है। एसपी ने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ यह अभियान राज्यव्यापी रणनीति का हिस्सा है और आने वाले दिनों में इसे और तेज किया जाएगा। पुलिस और सीआरपीएफ की इस संयुक्त कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ा है और आम लोगों में भी राहत की भावना देखी जा रही है।

पहाड़िया समुदाय के बीच की गई कम अनाज और खराब दाल की आपूर्ति, कैमरे में उजागर हुई गड़बड़ी

गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा जिले के बोआरीजोर प्रखंड के कोर्टिका गांव में पहाड़िया समुदाय के लिए संचालित अनाज वितरण योजना में अनियमितता का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि उन्हें निर्धारित मात्रा से कम अनाज और खराब गुणवत्ता वाली दाल दी गई। जानकारी के अनुसार, इस बार अनाज गोदाम से सीधे गांवों तक पहुंचाया जा रहा था। मार्केटिंग अधिकारी द्वारा नियुक्त व्यक्ति एक ट्रेलर में अनाज की बोरियां लेकर वितरण स्थल पर पहुंचे थे। लेकिन जब ग्रामीणों ने वितरण की प्रक्रिया पर आपत्ति जताई, तो पता चला कि उनसे तीन महीने के अनाज के लिए अंगूठा लगवाकर पर्चियां पहले ही निकाल ली गई थीं, जबकि उन्हें मात्र दो महीने का अनाज ही दिया गया। ग्रामीणों की शिकायत के बाद कैमरे की मौजूदगी में अनाज की बोरियों का वजन किया गया। जांच में सामने आया कि लाभुकों को केवल 50 से 60 किलोग्राम तक ही अनाज दिया गया, जबकि प्रत्येक परिवार को 35 किलोग्राम प्रति माह की दर से तीन महीने का अनाज, यानी कुल 105 किलोग्राम मिलना चाहिए था। इसके अलावा, वितरण के लिए लाई गई दाल की बोरियों में कीड़ों (घुन) की भरमार पाई गई। दाल की गुणवत्ता इतनी खराब थी कि उसे खाने योग्य नहीं माना जा सकता। इससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है।

बाबाधाम में कतार में लगे हरियाणा और छत्तीसगढ़ के श्रद्धालु भिड़े, दो घायल

देवघर, एजेंसी। रविवार छुट्टी का दिन होने के बाबा मंदिर में देश के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा की पूजा-अर्चना करने के लिए पहुंचे। इस दौरान करीब 45 हजार श्रद्धालुओं ने बाबा भोले पर जलार्पण किया।

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल मौजूद नहीं था। इस कारण शीघ्र दर्शनम की कतार में खड़े श्रद्धालुओं के बीच रह-रहकर लड़ाई झगड़ा भी होता रहा।

इस क्रम में कतार में आगे बढ़ने के चक्कर में हरियाणा के फरीदाबाद व छत्तीसगढ़ के श्रद्धालु आपस में भिड़ गए। उनके बीच जमकर हाथापाई हुई। इस क्रम में दो श्रद्धालु घायल हो गए। घायल श्रद्धालुओं में छत्तीसगढ़ के समासमन जिला के छलक मोहल्ला निवासी गौरव गोयल और उनका मित्र भूपेन्द्र कुमार घायल हो गए।

उन्हें इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल ले जाया गया। उनका आरोप है कि फरीदाबाद से आए श्रद्धालुओं ने कतार में पीछे से आगे बढ़ने का प्रयास किया। उन्हें रोकने पर उन लोगों ने मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। घटना की जानकारी मंदिर थाना की पुलिस को दे दी गई है। मंदिर थाना की पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मान्य कतार में अत्यधिक भीड़ हो गयी। श्रद्धालुओं की कतार बाबा मंदिर से लेकर क्यू कांप्लेक्स तक पहुंच गई । वही शीघ्र दर्शनम की कतार प्रशासनिक भवन से लेकर बाबा मंदिर प्रांगण तक पहुंच गई।

भीड़ को कंट्रोल करने के लिए जगह-जगह पर पुलिस वालों की तैनाती की गई थी। उसके बावजूद भीड़ इस कदर थी कि श्रद्धालुओं कतार में आगे बढ़ने में परेशानी हो रही थी।

इसके साथ ही श्रद्धालुओं को पूजा अर्चना करने में काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा था। एक व्यक्ति को पूजा करने में लगभग पांच घंटे से अधिक लग रहा था। श्रद्धालुओं ने बाबा मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद बाबा मंदिर प्रांगण में अनेक धार्मिक अनुष्ठान भी संपन्न किया।

मंदिर में पुलिस बल की कमी : बाबा मंदिर में पुलिस वालों की कमी साफ दिखाई पड़ रही थी । बाबा मंदिर थाना की क्षमता 165 की है । मगर जब से थाना बना है आज तक क्षमता पूरा नहीं किया जा सका है। वर्तमान में 47 पुलिस कर्मी बाबा मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए कार्यरत हैं।

47 में से सात अफसर, चार जमादार, छह दरोगा, 20 जैप के जवान, 10 होमगार्ड शामिल हैं। खास बात यह है कि इसमें से नौ पुलिस अफसर का तबादला भी हो गया है । मगर उनके स्थान पर अभी तक किसी को नहीं प्रतिनियुक्त नहीं किया गया है। ऐसे में भीड़ बढ़ने पर उसे नियंत्रत करने में पुलिस वालों का पसीना छूट जाता है।

बार काउंसिल का चुनाव जनवरी में संभावित, नामांकन शुल्क घटाने की मांग

रांची, एजेंसी। झारखंड राज्य बार काउंसिल का चुनाव सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में 31 जनवरी तक करा लिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर 17 अक्तूबर को होने वाली सुनवाई में झारखंड बार काउंसिल चुनाव के संबंध में शपथपत्र दाखिल कर स्थिति स्पष्ट करेगी।

बीसीआई से चुनाव में नामांकन शुल्क कम करने की भी मांग जाएगी। यह निर्णय रविवार को बार काउंसिल की डोरंडा कार्यलय में हुई बैठक में लिया गया। बैठक में वर्ष 2025 के लिए 90 लाख रुपये के बजट को सर्वसम्मति से स्वीकृति दी गई। वहीं, काउंसिल ने बीसीआई से आग्रह किया कि चुनाव में नामांकन शुल्क में कमी की जाए।

सदस्यों ने कहा कि झारखंड के अधिकांश जिले आर्थिक रूप से पिछड़े हैं, जहां के अधिवक्ताओं के लिए 1.25 लाख रुपये का नामांकन शुल्क देना कठिन है। झारखंड की परिस्थितियों को देखते हुए शुल्क को यथोचित निर्धारित किया जाए।

वाइस चेयरमैन राजेश कुमार शुक्ल ने सभी सदस्यों की सकारात्मक भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि काउंसिल अधिवक्ताओं के व्यापक हित में कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर बार काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य प्रशांत कुमार सिंह ने कहा कि वह सदस्यों की भावनाओं को बीसीआइ की बैठक में मजबूती से रखेंगे।बैठक में महेश तिवारी, अमर कुमार सिंह, हेमंत कुमार सिकरवार, संजय विद्रोही, रामसुभग सिंह, राधेश्याम गोस्वामी, मनोज कुमार, बालेश्वर सिंह, अब्दुल कलाम रशीदी, राजकुमार राजू, अभय कुमार चतुर्वेदी, रिंकू भगत, परमेश्वर मंडल, प्रयाग महतो, कुंदन प्रकाशन, मृत्युंजय कुमार श्रीवास्तव और अनिल कुमार महतो सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बहादुरगढ़ में महिला-पुरुष से 2.7 किलो अफीम बरामद

बहादुरगढ़, एजेंसी। झज्जर जिले के बहादुरगढ़ में झारखंड से अफीम लेकर आए एक महिला और पुरुष को एचएस एनसीबी यूनिट रोहतक की टीम ने गुप्त सूचना पर पकड़ा है। केएमपी फ्लाईओवर के पास श्री भगतजी स्वीट्स से दोनों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 2 किलो 737 ग्राम अफीम बरामद की गई है, जिसकी बाजार में कीमत लगभग सवा पांच लाख रुपए आंकी जा रही है। आसौदा थाना पुलिस में मामला दर्ज किया गया है। टीम का नेतृत्व एचएस एनसीबी यूनिट रोहतक से स्ट्ठ देवेंद्र कर रहे थे। उन्होंने आसौदा थाना में शिकायत देते हुए बताया कि झारखंड के जिला चतरा के गांव हेतुम के दीपू कुमार यादव झारखंड से ही अपनी एक दोस्त गांव बोदड़ी के काजल कुमारी के साथ मादक पदार्थों की तस्करी करते हैं। गुप्ता सूचना मिली थी कि दोनों अफीम के साथ केएमपी के पास बैठे हैं।

गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए टीम ने दोनों को श्री भगतजी स्वीट्स के बाहर बैठे हुए पकड़ा। तलाशी लेने पर उनके पास से अफीम से भरा पैकेट मिला, जिसके लिए वे कोई लाइसेंस या परमिट पेश नहीं कर सके। अफीम का वजन किया तो वह 2.737 किलोग्राम मिली। इसकी बाजार में कीमत सवा 5 लाख रुपए आंकी जा रही है।

पूछताछ में सामने आया कि दोनों झारखंड से नशे की खेप लेकर हरियाणा में बेचने के लिए आए थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना आसौदा में मामला दर्ज कर लिया है। एचएसएनसीबी यूनिट आरोपियों से यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह नशे की खेप उन्हें कहां से मिली और हरियाणा में किसे सप्लाई की जानी थी।

डीसी द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण, डॉक्टर से कहा- अपने चैंबर की तरह वार्ड को रखें साफ

पलामू, एजेंसी। डीसी समीरा एस शनिवार को अचानक लेस्लीगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में डीसी ने कई गड़बड़ियों को पकड़ा और स्वास्थ्य अधिकारियों को फटकार भी लगाई।

लेस्लीगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लेबर रूम और मरीज के वार्ड में गंदगी मिली। जिसके बाद डीसी चिकित्सा पदाधिकारी के कार्यालय में पहुंचीं। जहां सफाई देखकर उन्होंने कहा कि जिस तरह चैंबर को साफ रखा गया है इस तरह वार्ड को भी साफ रखने में क्या परेशानी है लेबर रूम के गंदगी से मरीजों को इंफेक्शन हो सकता है।

डीसी के निरीक्षण में लेस्लीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के दवा के स्टॉक में कई गड़बड़ियों को पकड़ा गया है। दवा का स्टॉक का ऑनलाइन एंट्री नहीं की गई थी नए और पुराने दवा एक साथ रखे हुए थे। स्टोर रूम में कई एक्सपायर दवा भी पड़े हुए थे। पूछताछ के क्रम में डॉक्टर के तरफ से बताया गया कि अस्पताल में बेड एवं अन्य सामानों की खरीदारी के दौरान जनप्रतिनिधि की तरफ से दबाव मांगे बनाया जाता है और टेंडर मांगा जाता है। टेंडर मिलने बाद प्रक्रिया में हस्ताक्षर करने की सहमति दी जाती है। निरीक्षण के क्रम में डीडीसी जावेद हुसैन भी मौजूद रहे।

लेस्लीगंज के अन्य इलाकों में भी स्वास्थ्य सुविधा का औचक निरीक्षण किया गया। अपर समाहर्ता कुंदन कुमार के द्वारा सेहरा, छतरपुर एसडीएम के द्वारा गेठा, सदर अनुमंडल पदाधिकारी के बांसडीह, सहायक समाहर्ता के द्वारा मुंदरिया एवं कोईरी पतरा का निरीक्षण किया गया।

इस औचक निरीक्षण के बाद सभी अधिकारी लेस्लीगंज प्रखंड कार्यालय में जमा हुए और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर समीक्षा बैठक की। इस पूरे मामले में पीएचसी प्रभारी के द्वारा प्रतिवेदन भी मांगा गया है। दवा के स्टॉक को लेकर लापरवाही बरतने वाले कर्मियों से जवाब भी मांगा गया है। पूरे मामले में सूचना जनसंपर्क विभाग के तरफ से निरीक्षण की जानकारी दी गई है।

प्रदेश में गुलाबी ठंड की दस्तक : लौटने की राह पर मानसून
अगले पांच दिन शुष्क रहेगा मौसम, किसानों को मिलेगी राहत

रांची, एजेंसी। झारखंड में फिलहाल मौसम सामान्य और शुष्क बना हुआ है। भारतीय मौसम विभाग के रांची केंद्र के मुताबिक, राज्य में रविवार तक कोई बड़ी मौसमी प्रणाली सक्रिय नहीं रही। दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी हो रही है। अगले दो से तीन दिनों में झारखंड समेत बिहार, छत्तीसगढ़ और ओडिशा से मानसून की पूरी तरह वापसी की संभावना है। पिछले 24 घंटों में राज्य के अधिकांश जिलों में मौसम शुष्क रहा। पाकुड़ में अधिकतम तापमान 34.5डिग्री सेल्सियस और लातेहार में न्यूनतम 16.1डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अगले पांच दिन रहेगा साफ और शुष्क मौसम

मौसम विभाग ने बताया कि 13 से 16 अक्टूबर तक झारखंड में मौसम शुष्क रहेगा। इस दौरान आसमान साफ रहेगा और बारिश की कोई संभावना नहीं है। 17 और 18 अक्टूबर को भी बारिश की संभावना नहीं जताई गई है।

रांची में रविवार को अधिकतम तापमान 30.4 और न्यूनतम 19.8डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पलामू सबसे गर्म रहा, जहां तापमान 38.7 तक पहुंच गया। वहीं बोकारो में न्यूनतम तापमान 21.0डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। सभी जिलों में आर्द्रता सामान्य स्तर पर बनी रही।

अक्टूबर के पहले पखवाड़े में सामान्य से ज्यादा बारिश : हालांकि अक्टूबर के पहले 12 दिनों में झारखंड में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान राज्य में 67.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि सामान्य बारिश 44.0 मिलीमीटर होती है। यानी राज्य में 53 प्रतिशत ज्यादा वर्षा हुई है। गढ़वा, गोड्डा, देवघर, हजारीबाग और जामताड़ा जैसे जिलों में भारी बारिश रिकॉर्ड की गई। गढ़वा में तो सामान्य से 292 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई, जो पूरे राज्य में सबसे अधिक रही।

कुछ जिलों में कम बारिश से बढ़ी चिंता : राज्य के कुछ जिलों में हालांकि बारिश सामान्य से काफी कम रही। पाकुड़ में सबसे कम 8.2 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि सामान्य औसत 84.5 मिलीमीटर है। साहेबगंज में 71प्रतिशत और सिमडेगा में 64प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई। खूंटी, गुमला, गिरिडीह और सरायकेला-खरसावां में भी सामान्य से आधी बारिश हुई। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश का यह असमान वितरण कृषि और जल प्रबंधन के लिए चुनौती बन सकता है। अगले कुछ दिनों तक शुष्क मौसम जारी रहने से किसानों को फसल कटाई में राहत तो मिलेगी, लेकिन जलस्तर पर असर पड़ने की आशंका भी बनी हुई है।

पाकुड़ में 26 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ जिले के हिरणपुर थाना क्षेत्र के थानापाड़ा मुहल्ले में 26 वर्षीय विवाहिता बिंदु देवी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के ससुराल वालों ने बताया कि बिंदु देवी फंदे से लटकी मिली थीं। उन्हें नीचे उतारकर सोनाजोड़ी सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

मृतका के परिजनों का कहना है कि बिंदु देवी की मौत केवल आत्महत्या नहीं हो सकती। परिजन आरोप लगा रहे हैं कि ससुराल पक्ष ने उन्हें प्रताड़ित किया और हत्या की है। मृतका के भाई माखनलाल साह ने पुलिस को शिकायत पत्र सौंपा, जिसमें उन्होंने बताया कि बिंदु देवी की शादी 2021 में आकाश कुमार शाह से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद से ही उन्हें ससुराल द्वारा मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान किया जाता रहा।

मृतका के भाई माखनलाल साह ने दावा किया कि उनकी बहन के गले पर काले निशान थे, जिन्हें छुपाने के लिए पाउडर लगाया गया था। परिजन यह भी कहते हैं कि जब उन्हें ससुराल से बिंदु देवी के बीमार होने की सूचना मिली और वे वहां पहुंचे, तब तक उनकी बहन की मौत हो चुकी थी। मृतका की एक तीन साल की पुत्री भी है।

परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने ससुराल पक्ष के पति आकाश कुमार शाह समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। हिरणपुर थाना प्रभारी रंजन कुमार ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। पुलिस पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और अन्य सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी। इस घटना को लेकर आसपास के लोगों में तरह-तरह की चर्चा की जा रही है।

रांची पुलिस और सुजीत सिन्हा गैंग के बीच मुठभेड़, बालसिरिंग में हुई मुठभेड़, एक अपराधी घायल, दो गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। सोमवार सुबह रांची के बालसिरिंग इलाके में पुलिस और कुख्यात सुजीत सिन्हा गैंग के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई। इस दौरान पुलिस की गोली से अपराधी आफताब घायल हो गया, जबकि उसके दो साथी सोनू और एक अन्य अपराधी को मौके से गिरफ्तार किया गया। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने घटनास्थल से तीन पिस्टल भी बरामद किए हैं। ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर ने बताया कि सभी अपराधी सुजीत सिन्हा गिरोह से जुड़े हैं। हाल ही में डोरंडा में हुई फायरिंग की घटना में शामिल थे।

दरअसल, कुछ दिन पहले डोरंडा थाना क्षेत्र में रहने वाले कुख्यात अपराधी मोनू राय के घर के बाहर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई थी। यह फायरिंग सुजीत सिन्हा के इशारे पर की गई थी, जिसमें सोनू, आफताब और उनका एक साथी शामिल थे। अपराधियों ने फायरिंग का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी वायरल किया था। इस घटना के बाद से पुलिस गिरोह के सदस्यों की तलाश में जुटी थी।

सुजीत सिन्हा गैंग की तलाश के लिए एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर और हटिया डीएसपी पीके मिश्रा की अगुवाई में कई थानों की टीम बनाई गई थी। रांची में जगह-जगह नाकेबंदी और वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस को एक बाइक सवार संदिग्ध मिला, जिसके पास से एक पिस्टल बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम सोनू बताया और खुलासा किया कि उसके बाकी साथी बालसिरिंग पहाड़ के पास शराब पी रहे हैं।

एसआईआर में मांगे जा रहे तब के कागज, जब नहीं हुआ था कागज का आविष्कार, पवन खेड़ा ने केंद्र सरकार को घेरा

रांची, एजेंसी। कांग्रेस नेता और मीडिया एवं पब्लिसिटी डिपार्टमेंट के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने रविवार को एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान महज एक किताब नहीं, बल्कि यह आपके भविष्य का तय करने वाला ग्रंथ है।

रविवार को वे राजधानी रांची के सेंट जेवियर्स कालेज में आयोजित संविधान में आदिवासी-मूलवासियों का अधिकार बनाम जमीनी हकीकत विषय पर आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कॉलेज सभागार में यह कार्यक्रम आदिवासी-मूलवासी प्रोफेसर एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया था।

पवन खेड़ा ने कहा कि एसआईआर के नाम पर लोगों से तब के कागज मांगे जा रहें है, जब कागज का आविष्कार भी नहीं हुआ था। देश में भाषा, भोजन, पोशाक के नाम पर पाबंदी और हमले हो रहे हैं। इसका जवाब संविधान के हथियार से दिया जा सकता है। वोट

का अधिकार आपकी पहचान और मिटते अस्तित्व को बचा सकता है।

देश में 1857 से पहले ही अंग्रेजों के खिलाफ आदिवासी समाज ने विरोध का बिगुल बजाया था। विकास का बोझ आदिवासी समाज को उठाना पड़ा।

हैरानी की बात है कि आदिवासी समाज को ये वनवासी के नाम से पुकारते हैं, आदिवासी कहने में शर्म आती है। आज देश में दो सेठों के लिए सारे नियम कानून को ताक पर रखकर जल-जंगल और जमीन पर कब्जा किया जा रहा है।

खतरे में है लोकतंत्र, यह केवल एक स्लोगन नहीं - शिल्पी

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि लोकतंत्र खतरे में है ये सिर्फ राजनीतिक स्लोगन नहीं है, बल्कि एक संगठन के द्वारा समाज को जाति - धर्म - भाषा में बांटने की चल रही साजिश का सच है। आदिवासी बचेंगे, तभी मूलवासी भी बचेंगे। इस बात को गांठ बांध लेने की जरूरत है।

कृषि मंत्री ने कहा कि अगर अनपढ़ लोग अंधभक्त हों तो बात समझ में आती है पर सुप्रीम कोर्ट के सीजेआइ के प्रकरण ने ये साबित कर दिया की पढ़े लिखे लोग मुखौटा पहनकर अंधभक्ति की पराकाष्ठा पार कर रहें हैं।

युवाओं में दिख रहा भटकाव - बंधु

सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि आज के युवाओं में भटकाव दिखता है। समाज में युवा पीढ़ी की भूमिका और मताधिकार से बदलाव की ताकत को समझने की आवश्यकता है। शिक्षा और रोजगार के अभाव में राज्य के युवा दिशाहीन हो रहें हैं। कार्यक्रम के दौरान सवाल-जवाब का लंबा दौर भी चला।

सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, संत जेवियर्स कालेज के प्रिंसिपल डा. फादर राबर्ट प्रदीप कुजूर, पूर्व शिक्षा मंत्री गीताश्री उरांव, कांग्रेस प्रवक्ता सतीश पाल मुंजनी, लाल किशोर नाथ शाहदेव, डा. एम तौसीफ, राजा सिंह आदि मौजूद थे।

घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम करता है आइना

आइना सिर्फ चेहरा देखने के लिए बल्कि घर की खूबसूरती बढ़ाने का काम भी करता है। मगर आइना अगर वास्तु के हिसाब से लगा हो घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ाने के लिए किस आकार, साइज और दिशा में शीशा रखना चाहिए।

पैसों के किल्लत दूर करने के लिए

पैसों की तंगी दूर करने के लिए घर की दक्षिण दिशा में एक बड़ा गोल दर्पण लगाएं। इससे ना सिर्फ पैसों की किल्लत दूर होगी बल्कि यह घर में पॉजिटिव एनर्जी भी बढ़ाएगा।

सुख-शांति बनाए रखने के लिए

वास्तु के अनुसार, घर की उत्तर दिशा में आइना लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और इससे परिवार के सदस्यों में लड़ाई-झगड़ें भी नहीं होती। इसके लिए आप उत्तर दिशा में अंडाकार शीशा लगाएं।

कपल्स के लिए

बेड के सामन दर्पण नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे पति-पत्नी के रिश्ते पर बुरा असर पड़ता है। बेडरूम में शीशा ऐसी जगह लगाएं, जहां से इसमें बेड ना दिखे। आप बेडरूम की दक्षिण में तिकोना आइना लगा सकते हैं।

मुख्य दरवाजा

कभी भूलकर भी घर के मुख्य द्वारा पर शीशा ना रखें। ऐसा करने से घर में नाकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। इसके साथ ही मुख्य दरवाजे पर कोई चमकदार चीज भी ना रखें

बाथरूम में इस दिशा में लगाएं आइना

जिन लोगों का बाथरूम दक्षिण या पश्चिम दिशा में है उनको उत्तर दिशा में वर्गाकार आइना लगाना चाहिए। ऐसा करने से बाथरूम का वास्तुदोष खत्म हो जाएगा।

घर में ना रखें टूटा हुआ आइना

घर में कभी-भी टूटा हुआ शीशा नहीं रखना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है। साथ ही इससे परिवार क बीच झगड़े भी होने लगते हैं।

शीशे के शो-पीस

शीशे के शो-पीस को या एक्वेरियम को हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा में ही लगाएं। इस दिशा में आइना या शो-पीस लगाने से घर में साकारात्मक ऊर्जा का वासा होगा।

दिवाली पर पहनें ये ड्रेस और पाएं परफेक्ट ट्रेडिशनल लुक

दिवाली का त्योहार नजदीक है और ऐसे में फेस्टिव सीजन के समय ट्रेडिशनल ड्रेस ही परफेक्ट होते हैं। खासकर दिवाली के मौके पर तो लड़कियां ट्रेडिशनल लुक ही कैरी करना ज्यादा पसंद करती हैं। वहीं ट्रेडिशनल लुक मतलब साड़ी, लहंगा और सलवार सूट के बारे में सबसे पहले विचार आता है। लेकिन अगर आप साड़ी, लहंगा, सलवार सूट पहनकर बोर हो चुकी हैं और चाहती हैं कि इस दिवाली पर कुछ डिफरेंट ट्रेडिशनल ड्रेस ट्राई करना तो शरारा आपके लिए बेहतरीन है। इस वक्त खासकर लड़कियां शरारा ड्रेस को काफी पसंद भी कर रही हैं। वहीं यदि दिवाली के दिन आप एकदम परफेक्ट लुक पाना चाहती हैं तो आपको शरारा जरूर ट्राई करना चाहिए।

ब्लैक एंड व्हाइट शरारा

अगर दिवाली के दिन आप सिम्पल ट्रेडिशनल लुक चाहती हैं तो आप कॉटन का ब्लैक एंड व्हाइट शरारा ट्राई कर सकती हैं। इसके साथ ही आप हल्का-सा मेकअप कर सकती हैं, साथ ही हैवी झूमके भी कैरी कर सकती हैं।

लाइट पर्पल शरारा

इस दिवाली स्टाइलिश दिखना चाहती हैं तो पर्पल कलर का शरारा ट्राई कर सकती हैं और इसके साथ आप ईयररिंग्स कैरी कर सकती हैं और गोटा लगा हुआ दुपट्टा कैरी कर सकती हैं।

गोल्डन शरारा

अगर दिवाली के दिन आप थोड़ा हैवी लुक में रहना चाहती हैं तो आपको गोल्डन शरारा ट्राई करना चाहिए। ये आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देगा। आप कुर्ते को स्लीवलेस भी रख सकती हैं। इसके अलावा इससे मैच करता हुई ईयररिंग्स भी कैरी कर सकती हैं।

व्हाइट शरारा

फेस्टिवल सीजन में व्हाइट शरारा एक बेहतरीन विकल्प है। यह आपको एलीगेंट और परफेक्ट लुक देगा। आप चाहें तो व्हाइट शरारा के साथ ब्लैक मेटल की ईयररिंग्स कैरी कर सकती हैं।

दिवाली में इन फैशन टिप्स को करें फॉलो

दिवाली के त्योहार में स्वादिष्ट पकवान, दीये जगमग रोशनी और बहुत सारी खुशियों का त्योहार है। इसके साथ ही दिवाली में अच्छी तरह से तैयार होकर बिलकुल परफेक्ट नजर आना भी जरूरी होता है। दिवाली के दिन परफेक्ट मेकअप और ड्रेसअप का पूरा ख्याल रखा जाता है। यदि आप भी इस दिवाली अपनी ड्रेस को लेकर कन्फ्यूज हैं तो हम आपको यहां कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिन्हें अपनाकर आप अपना ये कन्फ्यूजन बिलकुल खत्म कर सकती हैं। दिवाली की पार्टी में आप ब्लैक और गोल्डन कलर के ब्रोकेड लहंगा ट्राई कर सकती हैं, इसके साथ ही गोल्डन कलर के बड़े-बड़े झूमके, मांगटीका और बालों में गजरे के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इस लुक के साथ आप यकीनन किसी बॉलीवुड डीवा से कम नहीं लगेंगी। कलरफुल डिजाइन का लहंगा भी आप इस दिवाली ट्राई कर सकती हैं। कलरफुल डिजाइन का लहंगा और मिरर वर्क के साथ आप इस दिवाली अपने लुक में चार चांद लगा देंगी। इसके साथ ही आप सिम्पल ईयररिंग्स के साथ अपने लुक को कम्प्लीट कर सकती हैं। ब्लैक एंड गोल्डन कलर के लहंगे में आप एक बेहतरीन लुक पा सकती हैं। इसमें आप बेहद खूबसूरत नजर आएंगी। आप इसे व्हाइट कलर के स्टोल के साथ टीमअप करके पहन सकती हैं, साथ में मैचिंग बड़े-बड़े झूमकों के साथ आप अपने लुक को कई गुना और बेहतर बना सकती हैं। इसके साथ ही आप रफल साड़ी, कुर्ती एंड प्लाजो, शॉर्ट कुर्ती एंड स्कर्ट भी इस दिवाली ट्राई कर सकती हैं। लहंगा स्कर्ट और क्रॉप टॉप के साथ भी आप अपना परफेक्ट दिवाली लुक पा सकती हैं, इसके साथ ही आप हैवी झूमके ट्राई कर सकती हैं।

टेंशन फ्री दिवाली क्लीनिंग!

इन ट्रिक्स से जगमग-जगमग करेगा घर का हर कोना

दिवाली का त्योहार आते ही चारों ओर रौनक देखने को मिलती है। इस दौरान घरों को सजाया जाता है। हर तरफ लाइट और दीयों की रोशनी देखने को मिलती है। दिवाली से पहले घरों की सफाई जरूर की जाती है। हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देने जा रहे हैं, जिसे अपनाकर आप भी घर के कोने-कोने की सफाई कर सकेंगी। दिवाली का त्योहार नजदीक है। इस खुशी के मौके पर घर की साफ-सफाई करना तो जरूरी ही होता है, लेकिन अक्सर ये काम काफी थकाऊ और लंबा लगने लगता है। इस बार दिवाली की सफाई को लेकर बिल्कुल भी टेंशन मत लें। हम आपके लिए कुछ ऐसे आसान और जबरदस्त ट्रिक्स लाए हैं, जिनकी मदद से आपका घर सिर्फ तीन दिनों में चमक उठेगा। आपको बस इन ट्रिक्स को फॉलो करना है और आप देखेंगी कि बिना ज्यादा मेहनत किए, घर का हर कोना चकाचक हो जाएगा।

घर के मंदिर को करें साफ

दिवाली पर मां लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा की जाती है। मंदिर और मूर्तियों की सफाई करना बहुत जरूरी है। अगर आपके पास पीतल की मूर्तियां हैं तो नींबू के रस और बेकिंग सोडा से रगड़ सकती हैं। इससे उनमें चमक लौट आएगी। पूजा के दीयों और चौकी को भी गीले कपड़े से पोंछ लें।

नींबू से माइक्रोवेव करें साफ

माइक्रोवेव में खाने के छींटे और बदबू आम बात है। इसे साफ करने भी लोग कतराते हैं। ऐसे में दिवाली के मौके पर आप आधा नींबू निचोड़कर 4 चम्मच पानी में मिलाएं। इसके बाद इसे माइक्रोवेव में 10 से 15 मिनट के लिए गर्म करें। स्टीम बनने से माइक्रोवेव में जमी गंदगी आसानी से निकल जाएगी। इसके बाद सूखे कपड़े से उसे पोंछ दें।

टंकी और टाइलों को ऐसे करें साफ

बाथरूम या किचन में नलों पर जो दाग पड़ जाते हैं, वो देखने में काफी खराब लगते हैं। ऐसे में इनकी सफाई करने के लिए आपको एप्पल साइडर विनेगर और नींबू के रस को बराबर मात्रा में मिलाना होगा। इसे नलों पर 10 मिनट के लिए लगा दें। इसके बाद कपड़े से साफ कर दें। आप खुद देखेंगी कि इसमें नई चमक वापस लौट आई।

शीशे और खिड़कियों की सफाई भी जरूरी

व्हाइट विनेगर और पानी को बराबर मात्रा में मिलाकर स्प्रे बोतल में भर लें। इससे शीशे, खिड़कियां या आइने पर स्प्रे करें। कुछ मिनट बाद साफ कपड़े से पोंछ लें। इससे दाग-धब्बे गायब हो जाएंगे और शीशे बिलकुल नए जैसे चमकने लगेंगे।

बेकिंग सोडा से करें फिटिंग्स क्लीन

बाथरूम की फिटिंग्स या टाइल्स के बीच की जगह पर बेकिंग सोडा छिड़क दें। उस पर थोड़ा लिक्विड साबुन भी डालें और पुरानी ब्रश से रगड़ें। ये तरीका गंदगी और कीटाणु दोनों को हटाने में काफी असरदार है।

पंखे और लाइट्स से हटाएं जाले

अक्सर पंखे और बल्बों पर धूल जम जाती है। इन्हें गीले कपड़े या लंबी डस्टिंग ब्रश से साफ करें। ऐसा करने से घर की लाइटिंग और हवा दोनों में ताजगी महसूस होगी। वहीं दूसरी ओर गद्दे या सोफे पर बेकिंग सोडा छिड़कें, थोड़ा सिरका स्प्रे करें और कुछ घंटे बाद वैक्यूम कर लें। इससे धूल, बदबू और कीड़े-मकोड़े सब भाग जाएंगे। दिवाली से पहले पर्दे, कुशन कवर और बेडशीट बदल लें।

आपके पास भी है एक से ज्यादा पैन कार्ड तो तुरंत करें सरेंडर

आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी ने हाल ही में आयकर विभाग के पैन 2.0 प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है। इसके बाद से लोगों के मन में दो पैन को लेकर सवाल आने लगे हैं कि अगर किसी के पास एक से ज्यादा पैन कार्ड है तो इसे सरेंडर कैसे करना होगा। आइए आज हम आपकी कंफ्यूजन दूर करने के साथ-साथ यहां ऑनलाइन प्रोसेस भी बताएंगे।
पैन कार्ड नागरिकों के लिए जरूरी दस्तावेजों में से एक है, जिसको लेकर केंद्र सरकार ने बड़े बदलाव की घोषणा कर दी है। दरअसल, आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने हाल ही में PAN 2.0 परियोजना को मंजूरी दी है। इस परियोजना का उद्देश्य पैन, टैक्स कटौती और TAN जारी करने और मैनेज करने की प्रक्रिया को आसान व सुरक्षित बनाना है। ऐसे में, लोगों के मन में अब एक सवाल यह भी आ रहा है है कि अगर किसी के पास एक से अधिक पैन कार्ड होगा है तो क्या होगा, कितना जुर्माना लगेगा और दूसरे पैन को सरेंडर करने का तरीका क्या है। चलिए हम आपको इसी के बारे में विस्तार से बताते हैं।

एक्स्ट्रा पैन कार्ड रखने पर क्या होता है?

प्रेस सूचना ब्यूरो के अनुसार, आयकर अधिनियम 1961 के प्रावधानों के मुताबिक, किसी भी व्यक्ति के पास एक से अधिक पैन कार्ड रखने की अनुमति नहीं है। अगर किसी व्यक्ति के पास दो पैन है तो वह जल्द से जल्द अपने पैन को सरेंडर करा लें। वरना इसके लिए आपको जुर्माना भी देन पड़ सकता है। आपको बता दें कि पैन 2.0 प्रोजेक्ट में एक व्यक्ति के एक से अधिक पैन रखने की घटनाएं कम हो सकती हैं। अगर आपने भी एक्स्ट्रा पैन अपने पास रखा है या किसी तरह मिला है तो आपको तुरंत इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को इसकी सूचना देकर इसे रद्द कर देना होगा।

कितना देना पड़ सकता है जुर्माना?

दो पैन कार्ड रखने की अनुमति किसी के पास नहीं है। ऐसे में, अगर किसी व्यक्ति के पास एक से अधिक पैन कार्ड है, तो आयकर अधिनियम की धारा 272बी के अनुसार उनपर 10,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

पैन कार्ड सरेंडर करने की प्रक्रिया?

पैन सर्विस वेबसाइट के मुताबिक, एक्स्ट्रा पैन कार्ड को सरेंडर करवाने के लिए आपको आयकर विभाग के समक्ष पैन चेंज कराने का रिक्वेस्ट देना होगा। इसके साथ आपको वर्तमान पैन नंबर का भी जिक्र करना होगा। इसके अलावा, आपको अनजाने में दिए गए अन्य सभी पैन का नंबर भी बताना होगा। इस फॉर्म के साथ आपको सरेंडर के लिए फॉर्म 11 जमा करना होगा। साथ में, संबंधित सारे पैन कार्ड की एक-एक कॉपी भी जमा करनी होगी।

सोना और बिटकॉइन दोनों भर रहे उड़ान

ट्रंप 2.0 के दौर में इस डी-डॉलराइजेशन की रफ्तार और बढ़ गई

ई दिल्ली, एजेंसी। ोना और बिटकॉइन दोनों उड़ान भर रहे हैं। सके पीछे एक वैश्विक वजह है। अमेरिका, जसे हमेशा से दुनिया की सुरक्षित पनाहगाह ाना जाता था, उसकी नीतियों और उसकी ऱेंसी (डॉलर) में विश्वास घट रहा है। ट्रंप .0 के दौर में इस डी-डॉलराइजेशन की फ्तार और बढ़ गई है, जिसके चलते दुनिया र के निवेशक वैकल्पिक संपत्तियों जैसे ोने और क्रिप्टो की ओर रुख कर रहे हैं।

सोने ने समय की कसौटी पर खुद को ाबित किया है, इसका इतिहास ईसा पूर्व के माने से शुरू होता है। ऐतिहासिक आंकड़े ताते हैं कि शेयर बाजार के मुश्किल दौर में ोना अक्सर स्थिर रिटर्न देता है।

इसकी ताजा रैली की एक बड़ी वजह निया भर की केंद्रीय बैंकों द्वारा अमेरिकी जरी बॉन्ड्स से दूरी बनाकर अपने रिजर्व में ोना बढ़ाना है। पहले के जमाने में कुछ देशों सोने के भंडार के आधार पर ही मुद्रा छापी ाती थी। अब वह संबंध खत्म हो चुका है, ोकिन तथ्य यह है कि केंद्रीय बैंक आज भी पने भंडार के लिए सोना खरीद रहे हैं, यह सकी स्थायी वैल्यू और संस्थागत समर्थन ो रेखांकित करता है।

यह एक सांस्कृतिक बदलाव का प्रतीक । इसका भविष्य अभी अनिश्चित है और समें जोखिम काफी हैं। अमेरिका में लैकरॉक जैसी बड़ी फंड हाउसों ने बटकॉइन ईटीएफ लॉन्च किए हैं, जिससे वेशकों के लिए क्रिप्टो बाजार में प्रवेश रना आसान हो गया है। दोनों के बीच ख्य अंतर उनके मूलभूत सिद्धांतों में हित है। सोने की मांग मुख्य रूप से ंद्रीय बैंकों और ज्वेलरी खरीदारों से ाती है, और इसके औद्योगिक उपयोग ीमित हैं। सोना कुछ भी उत्पादन नहीं रता, लेकिन सदियों से इसने अपना मूल्य रकरार रखा है। वहीं बिटकॉइन की कीमत का आंदोलन पूरी तरह से सामूहिक विश्वास पर निर्भर करता है। यह एक माध्यम ऑफ एक्सचेंज है, लेकिन इसे किसी भी देश में लीगल टेंडर का दर्जा नहीं मिला है, सिवाय एक छोटे से देश अल सल्वाडोर के। इसके एडॉप्शन के बढ़ने की संभावना है, लेकिन यह अभी भी एक ऐसी संपत्ति है जिसकी पहचान को लेकर संघर्ष जारी है।

बिटकॉइनः डिजिटल विश्वास पर टिका एसेट

बिटकॉइन, डिजिटल युग की देन है, जो मुख्य रूप से निजी इनोवेशन और निवेशकों के उत्साह से ऊर्जा पाता है। इसकी रैपिड तेजी असाधारण रही है, लेकिन यह गति इसे अत्यधिक अस्थिर भी बनाती है। सोना एक पोर्टफोलियो डाइवर्सिफायर का काम करता है। ऐतिहासिक डेटा दिखाता है कि पोर्टफोलियो का केवल 5 से 10% हिस्सा भी सोने में लगाने से जोखिम-समायोजित रिटर्न में सुधार हो सकता है। संक्षेप में, सोना पोर्टफोलियो के नतीजों को बेहतर बनाने में मदद करता है।

निवेशक के लिए सलाह

आपके पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन के लिए सोने में कुछ एक्सपोजर रखना समझदारी है। चूंकि यह एक कोर एसेट नहीं है, इसलिए आवंटन टोटल पोर्टफोलियो के लगभग 5% से 10% तक सीमित रखा जा सकता है। हालांकि सोना अपने ऑल टाइम हाई के आसपास कारोबार कर रहा है, लेकिन यह ध्यान देने योग्य है कि ज्यादातर एसेट क्लासेज अपनी लाइफ साइकिल में कई बार नए शिखर को छूते हैं।

वहीं क्रिप्टो, हाई रिटर्न्स की संभावना के बावजूद, एक हाई रिस्क रास्ता बना हुआ है। ज्यादातर निवेशकों के लिए, इसे टालना ही बेहतर है। हालांकि, अगर आप इसमें हिस्सा लेना चाहते हैं, तो अपने एक्सपोजर को अपने पोर्टफोलियो के एक छोटे हिस्से (5% से कम) तक सीमित रखें।

ट्रंप के टैरिफ से चीन के अमेरिका को निर्यात में कमी

हांगकांग, एजेंसी। चीन के अमेरिका निर्यात में सितंबर में पिछले साल की तुलना में 27% की गिरावट आई है, जबकि चीन के वैश्विक निर्यात में वृद्धि छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। चीन के कस्टम विभाग की तरफ से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, चीन का कुल वैश्विक निर्यात इस साल सितंबर में 328.5 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 8.3% अधिक है। यह आंकड़ा अर्थशास्त्रियों की उम्मीद से कहीं अधिक था। अगस्त में वैश्विक निर्यात केवल 4.4% बढ़ा था। वहीं, अमेरिका निर्यात लगातार छह महीनों से गिरावट पर है। अगस्त में यह गिरावट 33% तक पहुंच गई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के कारण व्यापार का भविष्य अनिश्चित है। दोनों देशों ने आपसी व्यापार पर नए टैरिफ और अन्य जवाबी कदम उठाए हैं, जिससे व्यापारिक स्थिति पर दबाव बना हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के कारण, जो अमेरिकी कंपनियों को अपने कारखाने अमेरिका में शिफ्ट करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं, चीन ने अन्य क्षेत्रों में अपने उत्पादों के लिए नए बाजार खोजने की कोशिश की है।

अरबपतियों की संपत्ति में सेंध, टॉप-20 में केवल अडानी-अंबानी ही चमके

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी शेयर बाजारों में शुक्रवार को आए तूफान का असर अमेरिकी अरबपतियों के नेटवर्थ पर दिखा। एक झटके में ही फ्रांस के बर्नार्ड अर्नाल्ट समेत दुनिया के टॉप-10 अरबपतियों के करीब 70 अरब डॉलर डूब गए। इन अरबपतियों में नौ अमेरिका के हैं। सबसे बड़ा झटका एलन मस्क को लगा। टेस्ला के शेयर में 5 फीसद से अधिक की गिरावट से उनकी संपत्ति एक ही दिन में 15.8 अरब डॉलर कम हो गई। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक अब उनकी दौलत 437 अरब डॉलर ही रह गई है।

टॉप-20 अरबपतियों में केवल अडानी-अंबानी ही चमके

वहीं, दुनिया टॉप-20 अरबपतियों में केवल अंबानी और अडानी की संपत्ति में ही शुक्रवार को बढ़ोतरी देखने को मिली। अडानी की दौलत 630 मिलियन डॉलर बढ़कर 88.8 अरब डॉलर हो गई है। जबकि, अंबानी के नेटवर्थ में 379 अरब डॉलर बढ़े। अब अंबानी की कुल संपत्ति 97.5 अरब डॉलर है।

ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स

दौलत गंवाने वालों में लैरी पेज भी हैं। इनकी कुल संपत्ति 209 अरब डॉलर है। इन्हें 3.84 अरब डॉलर का झटका लगा है। सर्गी ब्रिन को 3.56 अरब डॉलर की चपत लगी है। इनके पास अब 195 अरब डॉलर का नेटवर्थ है। बर्नार्ड अर्नाल्ट को 2.99 अरब डॉलर की चोट पहुंची है। इनकी कुल संपत्ति अब 177 अरब डॉलर है। स्टीव बाल्मर ने 3.65 अरब डॉलर गंवाए हैं। इनका नेटवर्थ अब 176 अरब डॉलर रह गया है। माइकल डेल 5.92 अरब डॉलर गंवाए हैं और इनका नेटवर्थ अब 151 अरब डॉलर है। बता दें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन के साथ ट्रेड वॉर बढ़ाने के बाद शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट आई। डाऊ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 878.82 अंक या 1.90% गिरकर 45,479.60 पर आ गया, जबकि एसएंडपी 500 182.60 अंक या 2.71% फिसलकर 6,552.51 पर आ गया। नैस्डैक कंपोजिट 820.20 अंक या 3.56% की गिरावट के साथ 22,204.43 पर बंद हुआ।

जेफ बेजोस की संपत्ति 10.2 घटी

वहीं अमेजन के शेयर 4.99% गिरे तो जेफ बेजोस की संपत्ति 10.2 अरब डॉलर घटकर 248 अरब डॉलर रह गई। मेटा के शेयर 3.85 टूटे और इससे मार्क जुकरबर्ग की संपत्ति में शुक्रवार को 9.67 अरब डॉलर की सेंध लग गई। अब इनका नेटवर्थ 248 अरब डॉलर रह गया है। एनवीडिया के शेयर की कीमत 4.91% गिर गई तो जेनसेंग हुआंग 8.07 अरब डॉलर गंवा बैठे। अब इनके पास 159 अरब डॉलर की संपत्ति है। इनके अलावा ओरेकल के शेयर टूटे तो लैरी एलिसन को 5.17 अरब डॉलर का झटका लगा। इनकी कुल संपत्ति अब 351 अरब डॉलर है, जिसमें 159 अरब डॉलर इसी साल बढ़े हैं।

धनतेरस तक 130000 रुपये तक जा सकता है सोना

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतों में जारी रैली थमने का नाम नहीं ले रही है। सोने के दाम इस साल अब तक करीब 50 पर्सेंट उछल गए हैं। वहीं, अगर साल 2022 से देखें तो गोल्ड प्राइसेज में 140 पर्सेंट की जोरदार तेजी आई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि वैश्विक स्तर पर चल रहे मौजूदा आर्थिक बदलाव और मौद्रिक नीति से जुड़ी उम्मीदें गोल्ड प्राइसेज में मोमेंटम बनाए हुए हैं और इस धनतेरस सोने के दाम रिकॉर्ड हाई पर पहुंच सकते हैं। यह बात मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट में कही गई है। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट में एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज में कमोडिटी रिसर्च की हेड वंदना भारती ने कहा है, सेंट्रल बैंक और ईटीएफ की मजबूत खरीदारी से कीमतों में तेजी देखने को मिलेगी। उनका मानना है कि इस धनतेरस सोने की कीमतें 1,20,000 से 1,30,000 प्रति दस ग्राम के बीच रह सकती हैं। उन्होंने कहा है कि साल 2026 की शुरुआत में सोने के दाम 1,50,000 रुपये तक जा सकते हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट के लिए गोल्ड प्राइसेज इस हफ्ते पहले ही 1,22,284 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं, यह वैश्विक और घरेलू कारकों के मिक्स को दर्शाता है। इसके अलावा, दुनिया भर के सेंट्रल बैंक गोल्ड खरीदने में जुटे हुए हैं। दुनिया भर के देश अपने रिजर्व को डायवर्सिफाई कर रहे हैं, इससे गोल्ड का ऑफिशियल खरीदारी कई दशक के हाई पर जा पहुंची है। इस बीच, एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स में भी अच्छा इनफ्लो देखने को मिल रहा है, क्योंकि इक्विटी मार्केट्स और बॉन्ड यील्ड्स में उतार-चढ़ाव के बीच इनवेस्टर्स सुरक्षित माध्यम पर दांव लगा रहे हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, सितंबर 2025 में इंडियन गोल्ड ईटीएफ में 902 मिलियन डॉलर का इनफ्लो हुआ।

डॉ. कुलविंदर दुआ द्वारा वर्ल्ड एंडोस्कोपी ऑर्गनाइजेशन ट्रेनिंग सेंटर के रूप में मान्यता मिली

बैतूल, एजेंसी। नागपुर के प्रमुख स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में से एक, मिडास हॉस्पिटल को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि उसे वर्ल्ड एंडोस्कोपी ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूईओ) ट्रेनिंग सेंटर के रूप में मान्यता मिली है। यह मान्यता अमेरिका के प्रसिद्ध एंडोस्कोपी विशेषज्ञ और डब्ल्यूईओ आउटरीच कमेटी के चेयरमैन डॉ. कुलविंदर दुआ द्वारा दी जाएगी। इस अवसर पर मिडास हॉस्पिटल, वर्धा रोड, नागपुर में एक छोटा समारोह आयोजित किया गया, जिसमें रिबन काटने के साथ प्रमाणपत्र और प्लेक का अनावरण किया गया। वर्ल्ड एंडोस्कोपी ऑर्गनाइजेशन ट्रेनिंग सेंटर की यह प्रतिष्ठित मान्यता डॉ. कुलविंदर दुआ ने मिडास हॉस्पिटल के डायरेक्टर, डॉ. श्रीकांत मुकेवार और डॉ. सौरभ मुकेवार को प्रदान की। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त डॉ. कुलविंदर दुआ, अमेरिका के विस्कॉन्सिन मेडिकल कॉलेज के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी प्रोफेसर और प्रसिद्ध एंडोस्कोपी विशेषज्ञ, एंडोस्कोपी से जुड़ी नवीनतम तकनीक और महत्वपूर्ण जानकारी साझा करेंगे। वर्धा रोड, नागपुर स्थित मिडास हॉस्पिटल अब अंतरराष्ट्रीय डॉक्टरों को एंडोस्कोपी में प्रशिक्षण देगा।

टाटा ट्रस्ट में चल रहे 'झगड़े' के बीच एन चंद्रशेखरन के

तीसरे कार्यकाल को मिली मंजूरी!

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप के नियमों को दरकिनार करते हुए एन चंद्रशेखरन को टाटा ट्रस्ट ने तीसरे कार्यकाल देने की मंजूरी दे दी है। 65 साल की उम्र बीत जाने के बाद भी चेयरमैन टाटा संस के चेयरमैन बने रहेंगे। इकनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। बता दें, टाटा ग्रुप इस समय ईवी, डिफेंस, एयर इंडिया के बिजनेस को तेजी के साथ आगे बढ़ाने की कोशिशों में जुटा है, जिसको देखते हुए एन चंद्रशेखरन को फिर से जिम्मेदारी मिली है।

चंद्रशेखरन अपने दूसरे कार्यकाल की समाप्ति के वक्त 65 वर्ष के हो जाएंगे। टाटा ग्रुप के नियमों के अनुसार एग्जीक्यूटिव को 65 वर्ष की उम्र में रिटायर होना होता है। वहीं, नॉन एग्जीक्यूटिव अपने पद पर 70 साल की उम्र तक बन रह सकते हैं। एन चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल से जुड़ी जानकारी ऐसे समय में है जब टाटा ट्रस्ट में गहरी दरार पड़ती नजर आ रही है।

11 सितंबर को हो गया था फैसला

इस पूरे मामले की जानकारी रखने वाले व्यक्ति के अनुसार सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के लिए बैटरी, एयर इंडिया जैसे बिजनेस के लिए यह विस्तार जरूरी था। टाटा ट्रस्ट के प्रस्ताव को टाटा संस के पास भेज दिया है। जहां उनके कार्यकाल पर अंतिम मुहर लगेगी। बता दें, टाटा संस में टाटा ट्रस्ट की भागीदारी 66 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार नोएल टाटा और वेणु श्रीनिवासन ने 11 सितंबर को टाटा ट्रस्ट की मीटिंग में एन चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल का प्रस्ताव रखा था।

क्या कहते हैं नियम?

नियमों के अनुसार नए कार्यकाल की मंजूरी पुराने के समाप्त होने से एक साल पहले मिलनी चाहिए। यह पहली बार होगा जब टाटा ग्रुप के एग्जीक्यूटिव पद पर कोई व्यक्ति 65 साल की उम्र के बाद भी बना सक्रिय तौर पर बना रहेगा। इस समय टाटा ट्रस्ट में विवाद की खबरें सामने आ रही हैं। जहां एक तरफ टाटा ट्रस्ट के कई ट्रस्टी प्राइवेट रहना चाहते हैं। तो वहीं, कई ट्रस्टी आईपीओ लाने चाहते हैं। ऐसे समय में एन चंद्रशेखरन को सेवा विस्तार मिलना काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। एन चंद्रशेखरन के कार्यकाल में टाटा ग्रुप का रेवन्यू दोगुना और प्रॉफिट तिगुना बढ़ गया। वित्त वर्ष 2025 में टाटा ग्रुप की लिस्टेड और अनलिस्टेड कंपनियों का रेवन्यू 15.34 लाख करोड़ रुपये रहा है। टाटा ग्रुप मार्केट कैप 6.9 लाख करोड़ रुपये घटकर 26.50 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

330 पर लिस्ट हुआ टाटा कैपिटल का आईपीओ, निवेशकों को लगा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा कैपिटल की शेयर बाजार में सधी शुरुआत हुई है। बीएसई में यह स्टॉक 1.23 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 330 रुपये पर लिस्ट हुआ है। वहीं, एनएसई में भी टाटा कैपिटल के शेयरों में लिस्टिंग के वक्त तेजी देखने को मिली है। हस्व में टाटा कैपिटल का आईपीओ 1.23 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 330 रुपये पर लिस्ट हुआ है। बता दें, टाटा कैपिटल के आईपीओ का प्राइस बैंड 310 रुपये से 326 रुपये प्रति शेयर तय किया था। कंपनी ने 46 शेयरों का एक लॉट बनाया था। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14996 रुपये का दांव लगाना पड़ा था। इस हिसाब से योग्य निवेशकों को एक लॉट पर 184 रुपये का फायदा हुआ है। ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ जीरो रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। जिससे मजबूत लिस्टिंग की उम्मीद कम ही हो गई थी। आज घरेलू बाजार भी संघर्ष कर रहा है। इसका भी नकारात्मक प्रभाव कंपनी की लिस्टिंग पर दिखा है। टाटा कैपिटल आईपीओ 1.96 गुना सब्सक्राइब किया गया था। रिटेल कैटगरी में कंपनी का आईपीओ 1.10 गुना, क्यूआईबी सेक्शन में 3.42 गुना और एनआईआई में 1.98 गुना सब्सक्राइब किया गया था। टाटा कैपिटल का आईपीओ 6 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2025 तक रिटेल निवेशकों के लिए खुला था। टाटा कैपिटल का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 3 अक्टूबर को ओपन हुआ था। एंकर निवेशकों से कंपनी ने 4641.83 करोड़ रुपये जुटाए थे।

छप्परफाड़ रिटर्न देने वाला स्टॉक 5 प्रतिशत चढ़ा, 6 महीने में पैसा हुआ डबल

50 रुपये से कम की कीमत वाले स्मॉल कैप स्टॉक में आज अपर सर्किट लगा है

नई दिल्ली, एजेंसी। एक तरफ मार्केट में गिरावट की वजह से खलबली मची हुई है। तो वहीं दूसरी तरफ 50 रुपये से कम की कीमत वाले स्मॉल कैप स्टॉक में आज अपर सर्किट लगा है। 5 प्रतिशत की उछाल के बाद स्पाइस लाउंज फूड वर्क्स का स्टॉक बीएसई में आज सोमवार को 38.69 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। इससे पहले शुक्रवार यह स्मॉल कैप 36.85 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

कंपनी की वित्तीय स्थिति कैसी?

वित्त वर्ष 2025 में इस कंपनी ने 105.27 करोड़ रुपये का रेवन्यू (ऑपरेशन्स) से बनाया था। इस दौरान कंपनी का प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) 5.65 करोड़ रुपये रहा था। वित्त वर्ष 2024 में कंपनी को 5.55 लाख रुपये का घाटा हुआ था। इस हिसाब से बीता वित्त वर्ष कंपनी के लिए अच्छा साबित हुआ है।

इसी साल हुआ है कंपनी के शेयरों का बटवाराः मार्च के महीने में कंपनी के शेयरों का बंटवारा हुआ था। तब कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटकर 1 रुपये हो गई थी।

कैसा रहा है शेयरों के प्रदर्शन का ट्रेंड?

यह मल्टीबैगर स्टॉक बीते एक महीने में 7 प्रतिशत गिर चुका है। इससे पहले सितंबर के महीने में स्पाइस लाउंज फूड वर्क्स के शेयरों की कीमतों में 8 प्रतिशत की गिरावट आई थी। सितंबर से पहले लगातार 6 महीने में कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली थी। हालिया गिरावट के बाद भी स्पाइस लाउंज फूड वर्क्स के शेयरों में बीते 6 महीने के दौरान 276 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक साल में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 676 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। कंपनी का 52 वीक हाई 50.94 रुपये और 52 वीक लो 4.83 रुपये है। स्पाइस लाउंज फूड वर्क्स का मार्केट कैप 2697 करोड़ रुपये है। बता दें, 5 साल में स्पाइस लाउंज फूड वर्क्स के शेयरों की कीमतों में 3105 प्रतिशत की तेजी आई थी।

दोगुना से ज्यादा बढ़ा सोलर कंपनी का मुनाफा, कमजोर बाजार में रॉकेट बना शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलर पावर बिजनेस से जुड़ी कंपनी वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के शेयर सोमवार को कमजोर बाजार में भी 13 पर्सेंट से अधिक उछलकर 1287.70 रुपये पर पहुंच गए हैं। स्मॉलकैप कंपनी के शेयरों में यह उछाल सितंबर 2025 तिमाही के शानदार नतीजों के बाद आया है। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट दोगुने से ज्यादा बढ़ गया है। वारी रिन्यूएबल के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1830 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 732.05 रुपये है। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट सितंबर 2025 तिमाही में दोगुना से ज्यादा बढ़कर 116.34 करोड़ रुपये रहा है। हायर रेवेन्यू की वजह से कंपनी के मुनाफे में यह उछाल आया है। एक साल पहले की समान अवधि में वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 53.51 करोड़ रुपये रहा था। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में सोलर कंपनी का रेवेन्यू 774.78 करोड़ रुपये रहा, जो कि पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 524.47 करोड़ रुपये था। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के रेवेन्यू में 47.73 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला है। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के शेयर पिछले पांच साल में 7000 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। सोलर पावर बिजनेस से जुड़ी कंपनी के शेयर 16 अक्टूबर 2020 को 17.50 रुपये पर थे। वारी रिन्यूएबल के शेयर 13 अक्टूबर 2025 को 1287.70 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

एटीएम से कब निकाल पाएंगे पीएफ के रूपये

आज ईपीएफओ बोर्ड की बैठक में मिलेगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन अगले वर्ष की शुरुआत से अपने सदस्यों को एटीएम के जरिए अंशदान निकासी की सुविधा देने जा रहा है। इस सुविधा को शुरू करने के लिए मौजूदा सिस्टम को अपग्रेड कर नया आईटी सिस्टम 3.0 लाने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है। सोमवार यानी आज होने वाली ईपीएफओ से केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) की बैठक में इसे मंजूरी मिल सकती है।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय चाहता है कि जनवरी 2026 से ईपीएफओ में यह सुविधा अनिवार्य तौर पर लागू हो जाए। इसके चलते केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) की बैठक में 3.0 सिस्टम को लागू कराने का प्रस्ताव रखा जाएगा। मामले से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस अपग्रेड का उद्देश्य ईपीएफओ की डिजिटल सेवाओं को सरल और आधुनिक बनाना है, जिससे करीब आठ करोड़ ईपीएफओ सदस्यों को लिए निकासी, फंड स्थानांतरण और दावों निस्तारण जैसी प्रक्रियाएं तेज होंगी। साथ ही, ईपीएफओ की अन्य सेवाओं को भी सदस्यों की जरूरतों के अनुकूल बनाया जाएगा।

बैठक में अन्य मुद्दों पर भी होगी चर्चाः चर्चा है कि बैठक में 11 वर्ष के बाद न्यूनतम पेंशन को बढ़ाने का फैसला लिया जा सकता है, लेकिन सूत्र बताते हैं कि अभी तक पेंशन बढ़ोतरी का मुद्दा बैठक से जुड़े एजेंडे में शामिल नहीं है। क्योंकि, सरकार सामाजिक सुरक्षा को ध्यान में रखकर अलग से यूनिवर्सल पेंशन स्कीम लाने की दिशा में काम कर रही है, जिसमें सदस्य अपनी इच्छा के हिसाब से योगदान करके पेंशन को बढ़ा सकते हैं। न्यूनतम पेंशन बढ़ाने को लेकर कोई फैसला लिया जाए।

बैंकिंग जैसी सुविधाएं मिलेंगी

ध्यान रहे कि श्रम एवं रोजगार मंत्रालय बीते वर्ष से ईपीएफओ 3.0 पर काम कर रहा है, जिस अब तक लागू किया जाना था, लेकिन कई तकनीकी कारणों के चलते काम में देरी हुई। ऐसे में अब मंत्रालय चाहता है कि काम तय समय सीमा के अंदर पूरा हो। नया सिस्टम लागू होने के बाद ईपीएफओ बैंकिंग सिस्टम की तर्ज पर काम करने लगेगा। आपात स्थिति में आवश्यकता होने पर सदस्य एक निर्धारित धनराशि की निकासी कर पाएंगे। इसके जरिए ईपीएफओ ऐप के जरिए भी सदस्यों को बैंकिंग जैसी सेवाएं प्रदान करेगा।

सोना और बिटकॉइन दोनों भर रहे उड़ान

ट्रंप 2.0 के दौर में इस डी-डॉलराइजेशन की रफ्तार और बढ़ गई

नई दिल्ली, एजेंसी। सोना और बिटकॉइन दोनों उड़ान भर रहे हैं। इसके पीछे एक वैश्विक वजह है। अमेरिका, जिसे हमेशा से दुनिया की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता था, उसकी नीतियों और उसकी करेंसी (डॉलर) में विश्वास घट रहा है। ट्रंप 2.0 के दौर में इस डी-डॉलराइजेशन की रफ्तार और बढ़ गई है, जिसके चलते दुनिया भर के निवेशक वैकल्पिक संपत्तियों जैसे सोने और क्रिप्टो की ओर रुख कर रहे हैं।

सोने ने समय की कसौटी पर खुद को साबित किया है, इसका इतिहास ईसा पूर्व के जमाने से शुरू होता है। ऐतिहासिक आंकड़े बताते हैं कि शेयर बाजार के मुश्किल दौर में सोना अक्सर स्थिर रिटर्न देता है।

इसकी ताजा रैली की एक बड़ी वजह दुनिया भर की केंद्रीय बैंकों द्वारा अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड्स से दूरी बनाकर अपने रिजर्व में सोना बढ़ाना है। पहले के जमाने में कुछ देशों में सोने के भंडार के आधार पर ही मुद्रा छापी जाती थी। अब वह संबंध खत्म हो चुका है, लेकिन तथ्य यह है कि केंद्रीय बैंक आज भी अपने भंडार के लिए सोना खरीद रहे हैं, यह इसकी स्थायी वैल्यू और संस्थागत समर्थन को रेखांकित करता है।

यह एक सांस्कृतिक बदलाव का प्रतीक है। इसका भविष्य अभी अनिश्चित है और इसमें जोखिम काफी हैं। अमेरिका में ब्लैकरॉक जैसी बड़ी फंड हाउसों ने बिटकॉइन ईटीएफ लॉन्च किए हैं, जिससे निवेशकों के लिए क्रिप्टो बाजार में प्रवेश करना आसान हो गया है। दोनों के बीच मुख्य अंतर उनके मूलभूत सिद्धांतों में निहित है। सोने की मांग मुख्य रूप से केंद्रीय बैंकों और ज्वैलरी खरीदारों से आती है, और इसके औद्योगिक उपयोग सीमित हैं। सोना कुछ भी उत्पादन नहीं करता, लेकिन सदियों से इसने अपना मूल्य बरकरार रखा है। वहीं बिटकॉइन की कीमत का आंदोलन पूरी तरह से सामूहिक विश्वास पर निर्भर करता है। यह एक माध्यम ऑफ एक्सचेंज है, लेकिन इसे किसी भी देश में लीगल टेंडर का दर्जा नहीं मिला है, सिवाय एक छोटे से देश अल सल्वाडोर के। इसके एडॉप्शन के बढ़ने की संभावना है, लेकिन यह अभी भी एक ऐसी संपत्ति है जिसकी पहचान को लेकर संघर्ष जारी है।

बिटकॉइनः डिजिटल विश्वास पर टिका एसेट

बिटकॉइन, डिजिटल युग की देन है, जो मुख्य रूप से निजी इनोवेशन और निवेशकों के उत्साह से ऊर्जा पाता है। इसकी रैपिड तेजी असाधारण रही है, लेकिन यह गति इसे अत्यधिक अस्थिर भी बनाती है। सोना एक पोर्टफोलियो डाइवर्सिफायर का काम करता है। ऐतिहासिक डेटा दिखाता है कि पोर्टफोलियो का केवल 5% से 10% हिस्सा भी सोने में लगाने से जोखिम-समायोजित रिटर्न में सुधार हो सकता है। संक्षेप में, सोना पोर्टफोलियो के नतीजों को बेहतर बनाने में मदद करता है।

निवेशक के लिए सलाह

आपके पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन के लिए सोने में कुछ एक्सपोजर रखना समझदारी है। चूंकि यह एक कोर एसेट नहीं है, इसलिए आवंटन टोटल पोर्टफोलियो के लगभग 5% से 10% तक सीमित रखा जा सकता है। हालांकि सोना अपने ऑल टाइम हाई के आसपास कारोबार कर रहा है, लेकिन यह ध्यान देने योग्य है कि ज्यादातर एसेट क्लासेज अपनी लाइफ साइकिल में कई बार नए शिखर को छूते हैं।

वहीं क्रिप्टो, हाई रिटर्न्स की संभावना के बावजूद, एक हाई रिस्क रास्ता बना हुआ है। ज्यादातर निवेशकों के लिए, इसे टालना ही बेहतर है। हालांकि, अगर आप इसमें हिस्सा लेना चाहते हैं, तो अपने एक्सपोजर को अपने पोर्टफोलियो के एक छोटे हिस्से (5% से कम) तक सीमित रखें।

ट्रंप के टैरिफ से चीन के अमेरिका को निर्यात में कमी

हांगकांग, एजेंसी। चीन के अमेरिका निर्यात में सितंबर में पिछले साल की तुलना में 27% की गिरावट आई है, जबकि चीन के वैश्विक निर्यात में वृद्धि छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। चीन के कस्टम विभाग की तरफ से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, चीन का कुल वैश्विक निर्यात इस साल सितंबर में 328.5 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 8.3% अधिक है। यह आंकड़ा अर्थशास्त्रियों की उम्मीद से कहीं अधिक था। अगस्त में वैश्विक निर्यात केवल 4.4% बढ़ा था। वहीं, अमेरिका निर्यात लगातार छह महीनों से गिरावट पर है। अगस्त में यह गिरावट 33% तक पहुंच गई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के कारण व्यापार का भविष्य अनिश्चित है। दोनों देशों ने आपसी व्यापार पर नए टैरिफ और अन्य जवाबी कदम उठाए हैं, जिससे व्यापारिक स्थिति पर दबाव बना हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के कारण, जो अमेरिकी कंपनियों को अपने कारखाने अमेरिका में शिफ्ट करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं, चीन ने अन्य क्षेत्रों में अपने उत्पादों के लिए नए बाजार खोजने की कोशिश की है।

अरबपतियों की संपत्ति में सेंध, टॉप-20 में केवल अडानी-अंबानी ही चमके

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी शेयर बाजारों में शुक्रवार को आए तूफान का असर अमेरिकी अरबपतियों के नेटवर्थ पर दिखा। एक झटके में ही फ्रांस के बर्नार्ड अर्नाल्ट समेत दुनिया के टॉप-10 अरबपतियों के करीब 70 अरब डॉलर डूब गए। इन अरबपतियों में नौ अमेरिका के हैं। सबसे बड़ा झटका एलन मस्क को लगा। टेस्ला के शेयर में 5 फसद से अधिक की गिरावट से उनकी संपत्ति एक ही दिन में 15.8 अरब डॉलर कम हो गई। ब्लूमबर्ग बिलनेनियर इंडेक्स के मुताबिक अब उनकी दौलत 437 अरब डॉलर ही रह गई है।

टॉप-20 अरबपतियों में केवल अडानी-अंबानी ही चमके

वहीं, दुनिया टॉप-20 अरबपतियों में केवल अंबानी और अडानी की संपत्ति में ही शुक्रवार को बढ़ोतरी देखने को मिली। अडानी की दौलत 630 मिलियन डॉलर बढ़कर 88.8 अरब डॉलर हो गई है। जबकि, अंबानी के नेटवर्थ में 379 अरब डॉलर बढ़े। अब अंबानी की कुल संपत्ति 97.5 अरब डॉलर है।

ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स

दौलत गंवाने वालों में लैरी पेज भी हैं। इनकी कुल संपत्ति 209 अरब डॉलर है। इन्हें 3.84 अरब डॉलर का झटका लगा है। सर्गी ब्रिन को 3.56 अरब डॉलर की चपत लगी है। इनके पास अब 195 अरब डॉलर का नेटवर्थ है। बर्नार्ड अर्नाल्ट को 2.99 अरब डॉलर की चोट पहुंची है। इनकी कुल संपत्ति अब 177 अरब डॉलर है। स्टीव बाल्मर ने 3.65 अरब डॉलर गंवाए हैं। इनका नेटवर्थ अब 176 अरब डॉलर रह गया है। माइकल डेल 5.92 अरब डॉलर गंवाए हैं और इनका नेटवर्थ अब 151 अरब डॉलर है। बता दें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन के साथ ट्रेड वॉर बढ़ाने के बाद शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट आई। डॉऊ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 878.82 अंक या 1.90% गिरकर 45,479.60 पर आ गया, जबकि एसएंडपी 500 182.60 अंक या 2.71% फिसलकर 6,552.51 पर आ गया। नैस्डैक कंपोजिट 820.20 अंक या 3.56% की गिरावट के साथ 22,204.43 पर बंद हुआ।

जेफ बेजोस की संपत्ति 10.2 घटी

वहीं अमेजन के शेयर 4.99% गिरे तो जेफ बेजोस की संपत्ति 10.2 अरब डॉलर घटकर 248 अरब डॉलर रह गई। मेटा के शेयर 3.85 टूटे और इससे मार्क जुकरबर्ग की संपत्ति में शुक्रवार को 9.67 अरब डॉलर की सेंध लग गई। अब इनका नेटवर्थ 248 अरब डॉलर रह गया है। एनवीडिया के शेयर की कीमत 4.91% गिर गई तो जेनसेंग हुआंग 8.07 अरब डॉलर गंवा बैठे। अब इनके पास 159 अरब डॉलर की संपत्ति है। इनके अलावा ओरेकल के शेयर टूटे तो लैरी एलिसन को 5.17 अरब डॉलर का झटका लगा। इनकी कुल संपत्ति अब 351 अरब डॉलर है, जिसमें 159 अरब डॉलर इसी साल बढ़े हैं।

धनतेरस तक 130000 रुपये तक जा सकता है सोना

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतों में जारी रैली थमने का नाम नहीं ले रही है। सोने के दाम इस साल अब तक करीब 50 पर्सेंट उछल गए हैं। वहीं, अगर साल 2022 से देखें तो गोल्ड प्राइसेज में 140 पर्सेंट की जोरदार तेजी आई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि वैश्विक स्तर पर चल रहे मौजूदा आर्थिक बदलाव और मौद्रिक नीति से जुड़ी उम्मीदें गोल्ड प्राइसेज में मोमेंटम बनाए हुए हैं और इस धनतेरस सोने के दाम रिकॉर्ड हाई पर पहुंच सकते हैं। यह बात मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट में कही गई है। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट में एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज में कमोडिटी रिसर्च की हेड वंदना भारती ने कहा है, सेंट्रल बैंक और ईटीएफ की मजबूत खरीदारी से कीमतों में तेजी देखने को मिलेगी। उनका मानना है कि इस धनतेरस सोने की कीमतें 1,20,000 से 1,30,000 प्रति दस ग्राम के बीच रह सकती हैं। उन्होंने कहा है कि साल 2026 की शुरुआत में सोने के दाम 1,50,000 रुपये तक जा सकते हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट के लिए गोल्ड प्राइसेज इस हफ्ते पहले ही 1,22,284 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं, यह वैश्विक और घरेलू कारकों के मिक्स को दर्शाता है। इसके अलावा, दुनिया भर के सेंट्रल बैंक गोल्ड खरीदने में जुटे हुए हैं। दुनिया भर के देश अपने रिजर्व को डायवर्सिफाई कर रहे हैं, इससे गोल्ड का ऑफिशियल खरीदारी कई दशक के हाई पर जा पहुंची है। इस बीच, एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स में भी अच्छा इनफ्लो देखने को मिल रहा है, क्योंकि इक्विटी मार्केट्स और बॉन्ड यील्ड्स में उतार-चढ़ाव के बीच इनवेस्टर्स सुरक्षित माध्यम पर दांव लगा रहे हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, सितंबर 2025 में इंडियन गोल्ड ईटीएफ में 902 मिलियन डॉलर का इनफ्लो हुआ।

डॉ. कुलविंदर दुआ द्वारा वर्ल्ड एंडोस्कोपी ऑर्गनाइजेशन ट्रेनिंग सेंटर के रूप में मान्यता मिली

बैतूल, एजेंसी। नागपुर के प्रमुख स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में से एक, मिडास हॉस्पिटल को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि उसे वर्ल्ड एंडोस्कोपी ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूईओ) ट्रेनिंग सेंटर के रूप में मान्यता मिली है। यह मान्यता अमेरिका के प्रसिद्ध एंडोस्कोपी विशेषज्ञ और डब्ल्यूईओ आउटरीच कमेटी के चेयरमैन डॉ. कुलविंदर दुआ द्वारा दी जाएगी। इस अवसर पर मिडास हॉस्पिटल, वर्धा रोड, नागपुर में एक छोटा समारोह आयोजित किया गया, जिसमें रिबन काटने के साथ प्रमाणपत्र और प्लेक का अनावरण किया गया। वर्ल्ड एंडोस्कोपी ऑर्गनाइजेशन ट्रेनिंग सेंटर की यह प्रतिष्ठित मान्यता डॉ. कुलविंदर दुआ ने मिडास हॉस्पिटल के डायरेक्टर, डॉ. श्रीकांत मुकेवार और डॉ. सौरभ मुकेवार को प्रदान की। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त डॉ. कुलविंदर दुआ, अमेरिका के विस्कॉन्सिन मेडिकल कॉलेज के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी प्रोफेसर और प्रसिद्ध एंडोस्कोपी विशेषज्ञ, एंडोस्कोपी से जुड़ी नवीनतम तकनीक और महत्वपूर्ण जानकारी साझा करेंगे। वर्धा रोड, नागपुर

टाटा ट्रस्ट में चल रहे 'झगड़े' के बीच एन चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल को मिली मंजूरी!

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप के नियमों को दरकिनार करते हुए एन चंद्रशेखरन को टाटा ट्रस्ट ने तीसरे कार्यकाल देने की मंजूरी दे दी है। 65 साल की उम्र बीत जाने के बाद भी चेयरमैन टाटा संस के चेयरमैन बने रहेंगें। इकनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। बता दें, टाटा ग्रुप इस समय ईवी, डिफेंस, एयर इंडिया के बिजनेस को तेजी के साथ आगे बढ़ाने की कोशिशों में जुटा है, जिसको देखते हुए एन चंद्रशेखरन को फिर से जिम्मेदारी मिली है।

चंद्रशेखरन अपने दूसरे कार्यकाल की समाप्ति के वक्त 65 वर्ष के हो जाएंगे। टाटा ग्रुप के नियमों के अनुसार एग्जीक्यूटिव को 65 वर्ष की उम्र में रिटायर होना होता है। वहीं, नॉन एग्जीक्यूटिव अपने पद पर 70 साल की उम्र तक बन रह सकते हैं। एन चंद्रशेखर के तीसरे कार्यकाल से जुड़ी जानकारी ऐसे समय में है जब टाटा ट्रस्ट में गहरी दरार पड़ती नजर आ रही है।

क्या कहते हैं नियम?

नियमों के अनुसार नए कार्यकाल की मंजूरी पुराने के समाप्त होने से एक साल पहले मिलनी चाहिए। यह पहली बार होगा जब ग्रुप के एग्जीक्यूटिव पद पर कोई व्यक्ति 65 साल की उम्र के बाद भी बना सक्रिय तौर पर बना रहेगा। इस समय टाटा ट्रस्ट में विवाद की खबरें सामने आ रही है। जहां एक तरफ टाटा ट्रस्ट के कई ट्रस्टी प्राइवेट रहना चाहते हैं। तो वहीं, कई ट्रस्टी आईपीओ लाने चाहते हैं। ऐसे समय में एन चंद्रशेखरन को सेवा विस्तार मिलना काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। एन चंद्रशेखरन के कार्यकाल में टाटा ग्रुप का रेवन्यू दोगुना और प्रॉफिट तिगुना बढ़ गया। वित्त वर्ष 2025 में टाटा ग्रुप की लिस्टेड और अनलिस्टेड कंपनियों का रेवन्यू 15.34 लाख करोड़ रुपये रहा है। टाटा ग्रुप मार्केट कैप 6.9 लाख करोड़ रुपये घटकर 26.50 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

11 सितंबर को हो गया था फैसला

इस पूरे मामले की जानकारी रखने वाले व्यक्ति के अनुसार सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के लिए बैटरी, एयर इंडिया जैसे बिजनेस के लिए यह विस्तार जरूरी था। टाटा ट्रस्ट के प्रस्ताव को टाटा संस के पास भेज दिया है। जहां उनके कार्यकाल पर अंतिम मुहर लगेगी। बता दें, टाटा संस में टाटा ट्रस्ट की भागीदारी 66 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार नोएल टाटा और वेणु श्रीनिवासन ने 11 सितंबर को टाटा ट्रस्ट की मीटिंग में एन चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल का प्रस्ताव रखा था।

330 पर लिस्ट हुआ टाटा कैपिटल का आईपीओ, निवेशकों को लगा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा कैपिटल की शेयर बाजार में सधी शुरुआत हुई है। बीएसई में यह स्टॉक 1.23 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 330 रुपये पर लिस्ट हुआ है। वहीं, एनएसई में भी टाटा कैपिटल के शेयरों में लिस्टिंग के वक्त तेजी देखने को मिली है। हस्थ में टाटा कैपिटल का आईपीओ 1.23 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 330 रुपये पर लिस्ट हुआ है। बता दें, टाटा कैपिटल के आईपीओ का प्राइस बैंड 310 रुपये से 326 रुपये प्रति शेयर तय किया था। कंपनी ने 46 शेयरों का एक लॉट बनाया था। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14996 रुपये का दांव लगाना पड़ा था। इस हिसाब से योग्य निवेशकों को एक लॉट पर 184 रुपये का फायदा हुआ है। ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ जीरो रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। जिससे मजबूत लिस्टिंग की उम्मीद कम ही हो गई थी। आज घरेलू बाजार भी संघर्ष कर रहा है। इसका भी नकारात्मक प्रभाव कंपनी की लिस्टिंग पर दिखा है। टाटा कैपिटल आईपीओ 1.96 गुना सब्सक्राइब किया गया था। रिटेल कैटगरी में कंपनी का आईपीओ 1.10 गुना, क्यूआईबी सेक्शन में 3.42 गुना और एनआईआई में 1.98 गुना सब्सक्राइब किया गया था। टाटा कैपिटल का आईपीओ 6 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2025 तक रिटेल निवेशकों के लिए खुला था। टाटा कैपिटल का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 3 अक्टूबर को ओपन हुआ था। एंकर निवेशकों से कंपनी ने 4641.83 करोड़ रुपये जुटाए थे।

छप्परफाड़ रिटर्न देने वाला स्टॉक 5 प्रतिशत चढ़ा, 6 महीने में पैसा हुआ डबल

50 रुपये से कम की कीमत वाले स्मॉल कैप स्टॉक में आज अपर सर्किट लगा है

नई दिल्ली, एजेंसी। एक तरफ मार्केट में गिरावट की वजह से खलबली मची हुई है। तो वहीं दूसरी तरफ 50 रुपये से कम की कीमत वाले स्मॉल कैप स्टॉक में आज अपर सर्किट लगा है। 5 प्रतिशत की उछाल के बाद स्पाइस लाउंज फूड वर्क्स का स्टॉक बीएसई में आज सोमवार को 38.69 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। इससे पहले शुक्रवार यह स्मॉल कैप 36.85 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

कंपनी की वित्तीय स्थिति कैसी?

वित्त वर्ष 2025 में इस कंपनी ने 105.27 करोड़ रुपये का रेवन्यू (ऑपरेशन्स) से बनाया था। इस दौरान कंपनी का प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) 5.65 करोड़ रुपये रहा था। वित्त वर्ष 2024 में कंपनी को 5.55 लाख रुपये का घाटा हुआ था। इस हिसाब से बीता वित्त वर्ष कंपनी के लिए अच्छा साबित हुआ है।

इसी साल हुआ है कंपनी के शेयरों का बंटवाराः मार्च के महीने में कंपनी के शेयरों का बंटवारा हुआ था। तब कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटकर 1 रुपये हो गई थी।

कैसा रहा है शेयरों के प्रदर्शन का ट्रेंड?

यह मल्टीबैगर स्टॉक बीते एक महीने में 7 प्रतिशत गिर चुका है। इससे पहले सितंबर के महीने में स्पाइस लाउंज फूड वर्क्स के शेयरों की कीमतों में 8 प्रतिशत की गिरावट आई थी। सितंबर से पहले लगातार 6 महीने में कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली थी। हालिया गिरावट के बाद भी स्पाइस लाउंज फूड वर्क्स के शेयरों में बीते 6 महीने के दौरान 276 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक साल में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 676 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। कंपनी का 52 वीक हाई 50.94 रुपये और 52 वीक लो 4.83 रुपये है। स्पाइस लाउंज फूड वर्क्स का मार्केट कैप 2697 करोड़ रुपये है। बता दें, 5 साल में स्पाइस लाउंज फूड वर्क्स के शेयरों की कीमतों में 3105 प्रतिशत की तेजी आई थी।

दोगुना से ज्यादा बढ़ा सोलर कंपनी का मुनाफा, कमजोर बाजार में रॉकेट बना शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलर पावर बिजनेस से जुड़ी कंपनी वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के शेयर सोमवार को कमजोर बाजार में भी 13 पर्सेंट से अधिक उछलकर 1287.70 रुपये पर पहुंच गए हैं। स्मॉलकैप कंपनी के शेयरों में यह उछाल सितंबर 2025 तिमाही के शानदार नतीजों के बाद आया है। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट दोगुना से ज्यादा बढ़ गया है। वारी रिन्यूएबल के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1830 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 732.05 रुपये है। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट सितंबर 2025 तिमाही में दोगुना से ज्यादा बढ़कर 116.34 करोड़ रुपये रहा है। हायर रेवेन्यू की वजह से कंपनी के मुनाफे में यह उछाल आया है। एक साल पहले की समान अवधि में वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 53.51 करोड़ रुपये रहा है। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में सोलर कंपनी का रेवेन्यू 774.78 करोड़ रुपये रहा, जो कि पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 524.47 करोड़ रुपये था। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के रेवेन्यू में 47.73 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला है। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के शेयर पिछले पांच साल में 7000 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। सोलर पावर बिजनेस से जुड़ी कंपनी के शेयर 16 अक्टूबर 2020 को 17.50 रुपये पर थे। वारी रिन्यूएबल के शेयर 13 अक्टूबर 2025 को 1287.70 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

एटीएम से कब निकाल पाएंगे पीएफ के रूपये

आज ईपीएफओ बोर्ड की बैठक में मिलेगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन अगले वर्ष की शुरुआत से अपने सदस्यों को एटीएम के जरिए अंशदान निकासी की सुविधा देने जा रहा है। इस सुविधा को शुरू करने के लिए मौजूदा सिस्टम को अपग्रेड कर नया आईटी सिस्टम 3.0 लाने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है। सोमवार यानी आज होने वाली ईपीएफओ से केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) की बैठक में इसे मंजूरी मिल सकती है।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय चाहता है कि जनवरी 2026 से ईपीएफओ में यह सुविधा अनिवार्य तौर पर लागू हो जाए।

निस्तारण जैसी प्रक्रियाएं तेज होगी। साथ ही, ईपीएफओ की अन्य सेवाओं को भी सदस्यों की जरूरतों के अनुकूल बनाया जाएगा।

बैठक में अन्य मुद्दों पर भी होगी चर्चाः चर्चा है कि बैठक में 11 वर्ष के बाद न्यूनतम पेंशन को बढ़ाने का फैसला लिया जा सकता है, लेकिन सूत्र बताते हैं कि अभी तक पेंशन बढ़ोतरी का मुद्दा बैठक से जुड़े एजेंडे में शामिल नहीं है। क्योंकि, सरकार सामाजिक सुरक्षा को ध्यान में रखकर अलग से यूनिवर्सल पेंशन स्कीम लाने की दिशा में काम कर रही है, जिसमें सदस्य अपनी इच्छा के हिसाब से योगदान करके पेंशन को बढ़ा

बैंकिंग जैसी सुविधाएं मिलेंगी

ध्यान रहे कि श्रम एवं रोजगार मंत्रालय बीते वर्ष से ईपीएफओ 3.0 पर काम कर रहा है, जिस अब तक लागू किया जाना था, लेकिन कई तकनीकी कारणों के चलते काम में देरी हुई। ऐसे में अब मंत्रालय चाहता है कि काम तय समय सीमा के अंदर पूरा हो। नया सिस्टम लागू होने के बाद ईपीएफओ बैंकिंग सिस्टम की तर्ज पर काम करने लगेगा। आपात स्थिति में आवश्यकता होने पर सदस्य एक निर्धारित धनराशि की निकासी कर पाएंगे। इसके जरिए

कुफ़र में मानुषी छिल्लर का बेहद सेक्सी लुक रोमांचित कर रहा है

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर और दिलजीत दोसांझ अपनी नई साझेदारी से पर्दे पर आग लगा रहे हैं। उनका आने वाला म्यूज़िक वीडियो अब तक देखे गए सभी वीडियो से बिल्कुल अलग है, और हाल ही में रिलीज़ हुआ टीज़र उनके साथ मिलकर रचे गए जादू का सबूत है। विज़ुअल्स में दोनों की जबरदस्त केमिस्ट्री, एनर्जेटिक स्क्रीन प्रेज़ेंस और एक ऐसा मेल नज़र आता है जो अप्रत्याशित होते हुए भी तुरंत मन मोह लेता है। दिलजीत दोसांझ के आगामी एल्बम ऑरा के गाने कुफ़र का टीज़र आज सुबह जारी किया गया, और यह दर्शकों को पूरी तरह प्रभावित कर रहा है। इसमें मानुषी और दिलजीत की यह नई जोड़ी पहली बार साथ नज़र आ रही है, जहाँ मिस वर्ल्ड अपने कलात्मक सफ़र को एक नए दिशा में ले जा रही हैं, जहाँ वैश्विक आकर्षण और स्थानीय आकर्षण का संगम है। यह सहयोग मानुषी के रचनात्मक सफ़र के एक नए पड़ाव का संकेत है, जो हर नए प्रोजेक्ट के साथ विकसित होता जा रहा है। इस गाने के टीज़र में मानुषी की एक बिल्कुल नई झलक दिखाई देती है - एक ऐसा बोल्ड और ग्लैमरस अवतार जो अब तक दर्शकों ने नहीं देखा था। उनकी दमकती इंटेंसिटी को कैद करने वाले आकर्षक क्लोज़-अप से लेकर डेनिम के साथ चमकदार नारंगी रंग के क्रॉप टॉप में उनके अंदाज़ तक, मानुषी हर फ्रेम में ध्यान आकर्षित करती हैं।

कुफ़र के साथ वह ग्लैमर को एक नए स्तर पर ले जाती हैं, जहां वह आत्मविश्वास और बोल्डनेस से भरपूर, दिलजीत के स्वैग से कदम मिलाती नज़र आती हैं।

मुसीबत में फंसी फिल्म नो एंट्री 2

दिलजीत के बाद अब वरुण धवन के भी फिल्म छोड़ने की खबर

अब फिल्म नो एंट्री 2 को लेकर अब खबर आ रही है कि फिल्म से वरुण धवन ने भी किनारा कर लिया है। आखिर किस वजह से दिलजीत के बाद वरुण ने भी फिल्म छोड़ दी है, चलिए जानते हैं।

बॉलीवुड की चर्चित कॉमेडी फिल्म 'नो एंट्री' का सीक्वल पिछले कुछ महीनों से लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। पहले जहां दर्शक इस फ्रेंचाइजी की वापसी से खुश थे, वहीं अब खबरें आई हैं कि फिल्म की कास्ट में बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। पहले दिलजीत दोसांझ ने प्रोजेक्ट से किनारा किया और अब अभिनेता वरुण धवन ने भी 'नो एंट्री 2' से पीछे हटने का फैसला लिया है।

वरुण धवन के फिल्म छोड़ने की खबर

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वरुण धवन की डेट्स फिल्म के शूटिंग शेड्यूल से मेल नहीं खा रहीं, जिसकी वजह से उन्होंने प्रोजेक्ट को छोड़ दिया। वहीं प्रोड्यूसर बोनी कपूर ने इस खबर पर अभी तक आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि मेकर्स अब दो नए चेहरों की तलाश में हैं जो अर्जुन कपूर के साथ फिल्म में नजर आएंगे।

'नो एंट्री 2' की कास्ट में उलटफेर

बताया जा रहा है कि इस फिल्म में पहले वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अर्जुन कपूर को एक साथ लाने का प्लान था। लेकिन जब दिलजीत ने डेट्स और क्रिएटिव डिफरेंसेज के चलते प्रोजेक्ट छोड़ दिया, तो शूटिंग शेड्यूल में बड़े बदलाव किए गए। इसी फेरबदल ने वरुण के लिए मुश्किलें बढ़ा दीं क्योंकि उनके पास पहले से ही 'भेड़िया 2' की शूटिंग की डेट्स लॉक थीं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि वरुण इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित थे, लेकिन दिलजीत के जाने के बाद शूटिंग शेड्यूल में ऐसे बदलाव हुए कि सब कुछ मुश्किल हो गया। वरुण की प्राथमिकताएं पहले से तय थीं, इसलिए उन्हें नो एंट्री 2 से बाहर होना पड़ा।

'दिलजीत से कोई मतभेद नहीं'

कुछ दिनों पहले बोनी कपूर ने एक इंटरव्यू में साफ कहा था कि दिलजीत दोसांझ अब फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा था, हम अच्छे संबंधों में अलग हुए हैं। उनकी तारीखें हमारे शेड्यूल से मेल नहीं खा रही थीं, लेकिन हम जल्द ही एक पंजाबी फिल्म साथ करने की उम्मीद रखते हैं।

अब फिल्म की आगे की राह क्या?

अब नो एंट्री 2 की टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती है- वरुण और दिलजीत की जगह नए एक्टर्स को कास्ट करना। हालांकि अर्जुन कपूर अभी भी फिल्म का हिस्सा बने हुए हैं। कहा जा रहा है कि फिल्म की कहानी पहले से ज्यादा मस्तीभरी और ट्विस्ट से भरी होगी। इसी बीच वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ दोनों ही जेपी दत्ता की फिल्म 'बॉर्डर 2' में साथ दिखाई देंगे, जिसमें सनी देओल और अहान शेट्टी भी अहम किरदार निभा रहे हैं।

आ रही है ऋतिक रोशन की नई वेब सीरीज, सबा आजाद भी आएंगी नजर

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन के फैंस के लिए खुशखबरी है। एक ओर जहां वह कृष 4 में डायरेक्शन की कमान संभालने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं जल्द ही ओटीटी पर भी डेब्यू करने वाले हैं। हालांकि, उनकी यह पारी एक्टर के तौर पर नहीं होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने एक नई ओरिजिनल ड्रामा सीरीज स्टॉर्म की घोषणा की है। इस प्रोजेक्ट के साथ ऋतिक रोशन और उनकी कंपनी फिल्मक्राफ्ट प्रोडक्शंस का हिस्सा ने हाथ मिलाया है। हालांकि, सीरीज का नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इसे तत्काल स्टॉर्म नाम दिया गया है। ऋतिक रोशन और ईशान रोशन इस सीरीज को प्रोड्यूस कर रहे हैं।

ऋतिक रोशन बोले- सीरीज की कहानी दिलचस्प और सच्चाई से भरी

बतौर प्रोड्यूसर, अपनी ओटीटी पारी के लिए ऋतिक रोशन ने कहा, 'स्टॉर्म, ने मुझे ओटीटी की दुनिया में बतौर प्रोड्यूसर अपनी शुरुआत करने का एक शानदार मौका दिया। जिस चीज ने मुझे इस सीरीज की तरफ खींचा, वह है अजीतपाल द्वारा बनाई गई दिलचस्प और सच्चाई से भरी दुनिया है। कहानी गहरी, दमदार और यादगार किरदारों से भरी हुई है। मैं इसको लेकर बहुत एक्साइटेड हूं।

दमदार महिला किरदारों की कहानी होगी स्टॉर्म

प्राइम वीडियो के वाइस प्रेसिडेंट, गौरव गांधी कहते हैं, प्राइम वीडियो में हमारा मकसद हमेशा अच्छे कलाकारों और क्रिएटिव लोगों को मौका देना है, चाहे वो कैमरे के आगे हों या पीछे। हम ऐसी कहानियां लाना चाहते हैं जो दुनिया भर के लोगों को पसंद आएं। ऋतिक रोशन भारतीय फिल्मों के सबसे टैलेंटेड स्टार्स में से एक हैं। उन्होंने आगे कहा, 'स्टॉर्म, सिर्फ एक सीरीज नहीं है, बल्कि एक नए और रोमांचक सफर की शुरुआत है, जिससे आगे और भी बेहतरीन प्रोजेक्ट्स आएंगे। यह दमदार महिला किरदारों की दिलचस्प कहानी है। हमें यकीन है कि दुनियाभर के दर्शकों को यह पसंद आएगी।

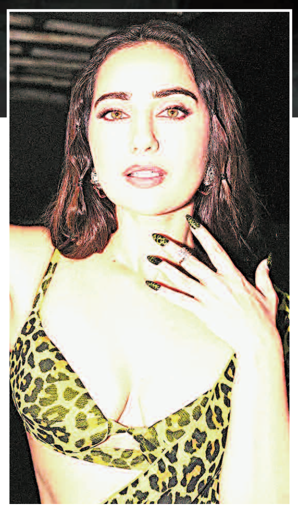

कुशा कपिला ने साड़ी पहन कातिलाना हुस्न से किया घायल

मशहूर अभिनेत्री कुशा कपिला ने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. इन तस्वीरों पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं. पॉपुलर एक्ट्रेस और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर कुशा कपिला आए दिन किसी ना किसी वजह से लाइमलाइट में रहती हैं. वह कभी निजी जिंदगी को लेकर तो कभी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में आ ही जाती हैं. अब कुशा कपिला ने सोशल मीडिया पर अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें शेयर कर अपने तमाम चाहने वाले फैंस का ध्यान खींचा है. एक्ट्रेस ने साड़ी पहनकर एक से बढ़कर पोज देकर फैंस को दीवाना बनाया है. कुशा कपिला की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं और प्यारे रिएक्शन दे रहे हैं. कुशा कपिला की इंस्टाग्राम पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग है, जिसके चलते उनकी तस्वीरें आते ही वायरल हो जाती हैं. कुशा कपिला ने एक बार फिर फोटोशूट करवाया है.

कुशा कपिला ने पहनी साड़ी

कुशा कपिला ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. कुशा कपिला ने टाइगर प्रिंट वाली साड़ी पहनी है जो उनकी खूबसूरती बढ़ा रही है. कुशा कपिला ने टाइगर प्रिंट वाली साड़ी के साथ मैचिंग कलर का ब्लाउज पहना था. कुशा कपिला ने फोटो क्लिक कराने के दौरान कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है.

'जिगरा' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिलने पर इमोशनल हुई आलिया भट्ट

फिल्म 'जिगरा' आलिया भट्ट के दिल के बहुत करीब है। यह उनकी पहली एक्शन ड्रामा फिल्म थी। इस फिल्म में आलिया का उम्दा अभिनय और एक्शन दर्शकों ने देखा। शनिवार को फिल्म 'जिगरा' के लिए ही आलिया भट्ट को फिल्मफेयर अवॉर्ड 2025 में बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। वह अवॉर्ड फंक्शन में शामिल नहीं हो पाईं। लेकिन आज आलिया ने एक स्पेशल पोस्ट इस अवॉर्ड और फिल्म 'जिगरा' की टीम के लिए की है।

आलिया ने सबका शुक्रिया अदा किया

आलिया भट्ट अपनी पोस्ट में लिखती हैं, 'फिल्म 'जिगरा' मेरे दिल के सबसे करीब रहेगी। सिर्फ उस कहानी के लिए नहीं, जो हमने सुनाई बल्कि उन बेहतरीन लोगों के लिए, जिन्होंने इसे यादगार बनाया। फिल्म के निर्देशक वसन बाला आपने इसे जिस तरह से बनाया है, उसके लिए शुक्रिया। एक्टर वेदांग रैना और बाकी टीम ने जो ईमानदारी दिखाई, उसके लिए शुक्रिया। इस सम्मान के लिए फिल्मफेयर का का बहुत-बहुत शुक्रिया। काश मैं उस पल को खुद महसूस कर पाती, लेकिन मेरा दिल इस वक्त भरा हुआ है।' आलिया भट्ट ने करण जौहर और धर्मामूवीज का भी शुक्रिया अदा किया। वह आगे पोस्ट में लिखती हैं, 'मैं असल जिंदगी की 'जिगरा' शाहीन भट्ट (बहन) की शुक्रगुजार रहूंगी। उसने हमेशा मुझे धैर्य बनाए रखने को कहा।'

चंडीगढ़ के व्यवसायी से शादी करेंगी तृषा कृष्णन!

तृषा कृष्णन उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जो अपनी निजी जिंदगी को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। अफवाहें उड़ रही थीं कि वो अभिनेता थलापति विजय के साथ रिश्ते में हैं। हालांकि अब एक खबर लोगों को हैरान कर रही हैं, जिसमें कहा जा रहा है कि वो एक व्यवसायी से शादी करने वाली हैं। चंडीगढ़ के व्यवसायी से करने वाली हैं शादी! रिपोर्ट के अनुसार, तृषा कृष्णन के माता-पिता चंडीगढ़ के एक व्यवसायी के साथ उनकी नई शादी के लिए राजी हो गए हैं। हालांकि अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन इस खबर से चर्चाओं का बाजार गरम हो गया है और कहा जा रहा है कि दोनों परिवार कथित तौर पर कई साल से एक-दूसरे को जानते हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने शादी के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने ईमानदारी से कहा कि अगर उन्हें सही व्यक्ति मिले तो वह शादी करने को तैयार हैं। हालांकि उन्हें लगता है कि अभी सही समय नहीं आया है। जहां तक उनके माता-पिता की बात है, तो उन्होंने अभी तक चुप्पी साध रखी है, उन्होंने अभी तक न तो इन अफवाहों की पुष्टि की है और न ही खंडन किया है।

मडगांव एक्सप्रेस से पूरी हुई कुणाल खेमू की बचपन की ख्वाहिश

बॉलीवुड एक्टर कुणाल खेमू को हाल ही में उनकी फिल्म मडगांव एक्सप्रेस के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक का अवॉर्ड मिला। पुरस्कार के साथ कुणाल ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने खास पल शेयर किए और साथ ही एक भावुक नोट भी लिखा। कुणाल ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में कुणाल ब्लैक लेडी यानी फिल्मफेयर ट्रॉफी के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। इस खुशी को जाहिर करते हुए कुणाल ने कैप्शन में लिखा, फिल्मफेयर जीतने का मेरा बचपन का सपना सच हुआ। यह ट्रॉफी मेरे लिए हमेशा खास रहेगी। कुणाल ने अपनी मडगांव एक्सप्रेस की पूरी टीम को धन्यवाद दिया, जिसमें निर्माता, अभिनेता और क्रू शामिल हैं। कुणाल ने दर्शकों का भी आभार जताया जिन्होंने फिल्म को प्यार दिया। कुणाल ने लिखा, हर उस व्यक्ति को धन्यवाद जिसने फिल्म देखी और इसे प्यार दिया। मेरे परिवार का भी शुक्रिया जो हमेशा मेरे साथ है। मैं वादा करता हूं कि मैं अपना काम पूरी मेहनत से करता रहूंगा।

सेलेब्स ने कुणाल को दी बधाई

कुणाल की इस जीत पर कई सेलेब्स ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। साकिब सलीम ने लिखा, चलो चलें, करीना कपूर खान ने लिखा, कुणाल ने इसे सबसे योग्य तरीके से कर दिखाया, उन्नी मुकुंदन ने लिखा, बहुत बहुत बधाई, नेहा धूपिया ने लिखा, बधाई हो कुणाल, बहुत ही अच्छी तरह, नील नितिन मुकेश और कृतिका कामरा ने लिखा, बधाई हो, दिशा पाटनी ने हार्ट इमोजी बनाया, एक्टर दिव्येंदु ने लिखा, आनंद तो हो रहा है, सुपर बधाई भाई, सबा पटौदी ने लिखा, बहुत अच्छी तरह से योग्य, तुम पर बहुत गर्व है भाई।

मडगांव एक्सप्रेस एक डार्क कॉमेडी फिल्म है, जो तीन बचपन के दोस्तों की गोवा सफर की कहानी बताती है, जो कई मुश्किलों के कारण अराजकता में बदल जाती है। यह फिल्म 22 मार्च, 2024 को रिलीज हुई थी और इसे आलोचकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

न किसी विचारधारा का प्रचार, न कोई एजेंडा

फिल्म कांतारा चैप्टर 1 को लेकर बोले ऋषभ शेट्टी

कन्नड़ सिनेमा की फिल्म 'कांतारा- चैप्टर 1' रिलीज के बाद से हर तरफ चर्चा का विषय बनी हुई है। 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आई इस फिल्म ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया, बल्कि दर्शकों के दिलों में भी गहरी छाप छोड़ी। अब फिल्म के निर्माता, निर्देशक और अभिनेता ऋषभ शेट्टी ने फिल्म को लेकर अपनी सोच और अनुभव साझा किए हैं।

ऋषभ शेट्टी ने शेयर किए अनुभव

हाल ही में फिल्म पर बात करते हुए ऋषभ शेट्टी ने बताया कि 'कांतारा- चैप्टर 1' किसी राजनीतिक विचारधारा या प्रचार का हिस्सा नहीं है। यह कहानी विश्वास, आस्था और प्रकृति के प्रति इंसान के जुड़ाव की भावना पर आधारित है। उन्होंने कहा, मैंने इस फिल्म को किसी विचारधारा से नहीं जोड़ा, बस एक ऐसी कहानी कहना चाहता था जो इंसान के भीतर की अनुभूति को जगाए। यह हमारी लोककथाओं और भारतीयता की आत्मा से जुड़ी कहानी है। फिल्म में विश्वास और अध्यात्म के कई गहरे प्रतीक देखने को मिलते हैं। ऋषभ शेट्टी ने बताया कि उनके लिए अध्यात्म कोई दिखावे की चीज नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा है। उन्होंने कहा, मेरी मां बहुत पूजा करती हैं और यह परंपरा हमारे परिवार की जीवनशैली बन चुकी है। मैं जब शूटिंग शुरू करता हूं, तो कैमरे की पूजा करके आरंभ करता हूं। यह सिर्फ एक रिवाज नहीं, बल्कि हमारी आस्था का प्रतीक है। उनका मानना है कि जैसे मंदिर में जाकर व्यक्ति ईश्वर से एक आत्मिक संवाद करता है, उसी तरह फिल्म 'कांतारा- चैप्टर 1' भी दर्शकों को एक अनुभव देती है- यह तय करना दर्शकों पर निर्भर है कि वे उसे कैसे महसूस करते हैं।

चुनौती भरी रही कहानी की खोज

ऋषभ शेट्टी के मुताबिक, 'कांतारा- चैप्टर 1' की सबसे बड़ी चुनौती इसकी कहानी तैयार करना थी। 2022 की फिल्म 'कांतारा' की तुलना में यह अध्याय अधिक जटिल और गहराई लिए हुए है। निर्देशक बताते हैं, पहले भाग में कहानी सीधी थी, लेकिन इस बार किरदारों के उद्देश्य, उनके संबंध और भावनाओं को स्थापित करना सबसे कठिन हिस्सा था। फिल्म की पृष्ठभूमि औपनिवेशिक काल से पहले के कर्नाटक की है, जहां जंगलों में रहने वाले जनजातियों और एक अत्याचारी राजा के बीच टकराव को दिखाया गया है। इस कालखंड की ऐतिहासिक सच्चाइयों और लोककथाओं को जीवंत बनाने के लिए टीम ने महीनों तक शोध किया।

'कांतारा' की दुनिया अब और फैलेगी

फिल्म की सफलता के बाद ऋषभ शेट्टी ने यह भी संकेत दिया कि 'कांतारा यूनिवर्स' अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, इस लोकविश्व में अभी कई कहानियां हैं जिन्हें मैं आगे चलकर बताना चाहता हूं। लेकिन यह कब और कैसे होगा, यह समय तय करेगा। इसके साथ ही उन्होंने अपने अगले प्रोजेक्ट 'जय हनुमान' की भी घोषणा की, जिसकी शूटिंग अगले वर्ष शुरू होने की संभावना है।